{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 28 मार्च 2026
चैत्र शुक्ल 10 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 182
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स - 75,273.45
निफ्टी - 23,306.45
सोना - 1,46,890
चांदी - 2,50,000
डॉलर - 93.96

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

एचडीएफसी बैंक के पूर्व अध्यक्ष के इस्तीफे की जांच करेगी सेबी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एचडीएफसी बैंक के पूर्व अध्यक्ष अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे के मामले की जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई सूचीबद्ध कंपनियों के निदेशकों से जुड़े नियमों के संभावित उल्लंघन की आशंका के आधार पर की जा रही है। बताया जा रहा है कि चक्रवर्ती ने अपने इस्तीफे में बैंक की कार्यप्रणाली को मूल्यों और नैतिकता के विपरीत बताया था। मामले के बीच बैंक बोर्ड ने सुनीता माहेश्वरी को तीन वर्षों के लिए पुन: स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया है। सेबी अब पूरे प्रकरण की विस्तृत समीक्षा कर रही है।

भूकंप से डोली धरती, भारत में महसूस किए गए झटके

लेह। शुक्रवार सुबह लद्दाख के लेह इलाके में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.9 मापी गई। यह भूकंप सुबह 8:31 बजे (आईएसटी) आया। भूकंप का केंद्र लेह के पास था। लोग बताते हैं कि झटके हल्के थे, लेकिन कई जगहों पर उन्हें महसूस हुए। अभी तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान या किसी बड़े नुकसान की कोई खबर नहीं है। एनसीएस ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि भूकंप का केंद्र लेह के आसपास था। लेह-लद्दाख प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे शांत रहें और अगर आगे भी कोई झटका महसूस हो, तब सुरक्षित जगह पर चले जाएं। फिलहाल कोई अलर्ट या विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है और पूरे इलाके में सामान्य स्थिति बनी हुई है।

खाड़ी क्षेत्र में भारत के 20 जहाज, जिनपर सवार सभी 540 लोग पूरी तरह सुरक्षित - सरकार

नई दिल्ली। ईरान-अमेरिका युद्ध के दौरान खाड़ी क्षेत्र में फंसे भारतीय जहाजों और उनपर सवार लोगों की जानकारी देते हुए पोर्ट्स, शिपिंग और वॉटरवेज मिनिस्ट्री के स्पेशल सेक्रेटरी राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि पिछले 24 घंटे में कहीं से किसी तरह की दुर्घटना की खबर नहीं है। राजेश सिन्हा ने बताया कि खाड़ी क्षेत्र में हमारे 20 जहाज हैं, जिनपर सवार सभी 540 लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। राजेश सिन्हा ने लोगों से अपील की कि युद्ध के दौरान भारतीयों की सुरक्षा को लेकर अपडेट देते हुए बताया कि डीजी शिपिंग सेंटर 24x7 एक्टिव रहता है, उसने 98 कॉल और 335 ईमेल हैंडल किए हैं। डीजी कॉम सेंटर की मदद से 25 भारतीयों को सुरक्षित वापस लाने में मदद की गई है।

कुछ ना कहना

मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक में पीएम बोले -

सभी राज्य टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम एशिया के हालात को लेकर राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक में कहा कि सभी राज्य टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें और अपनी तैयारियां मजबूत रखें।

पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई बैठक में राज्यों से उनकी तैयारियों और योजनाओं की जानकारी ली। यह पहली बार है जब इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की है।

बैठक में चुनाव आचार संहिता लागू होने की वजह से चुनावी राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल नहीं हुए। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह मौजूद रहे।

इससे पहले संसद के मंच से पीएम मोदी ने मिडिल ईस्ट के हालातों की तुलना 6 साल पहले

आई कोरोना महामारी से की थी। तब उन्होंने कहा था कि जिस तरह कोविड-19 के दौरान केंद्र और राज्यों ने टीम इंडिया बनकर काम किया था, आज एक बार फिर उसी जज्बे की जरूरत है। गौरतलब है कि मार्च 2020 में पूरी दुनिया की रफ्तार थम गई थी, तब भी पीएम मोदी ने मुख्यमंत्रियों के साथ लगातार मीटिंग्स का एक जरूरी सिलसिला शुरू किया था। उस समय पहली मीटिंग 20 मार्च 2020 को हुई थी, जिसके ठीक चार दिन बाद देश में तीन हफ्ते का लॉकडाउन लगा था।

हालाँकि इस बार सरकार ने कहा है कि लॉकडाउन नहीं लगेगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू समेत तीन मंत्रियों ने देश में लॉकडाउन की खबरों को गलत बताया है।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10-10 रुपए घटी

सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रुपए की कटौती कर दी है। पेट्रोल पर ड्यूटी 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए, जबकि डीजल पर 10 से शून्य कर दी गई है। एक्साइज ड्यूटी घटाकर पेट्रोल-डीजल के दामों को स्थिर रखा गया है।

यूएस-इजराइल के साथ ईरान की जंग के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 70 डॉलर से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। इससे तेल कंपनियों को 30 रुपए प्रति लीटर तक घाटा हो रहा था। घाटा कवर करने के लिए तेल कंपनियां दाम बढ़ा सकती थीं।

क्रूड की कीमत बढ़ने से नुकसान में बदला कंपनियों का मुनाफा

आमतौर पर एक थंब-रूल है। कच्चा तेल 1 डॉलर प्रति बैरल महंगा होता है, तो भारत में पेट्रोल/डीजल की लागत लगभग 50 से 60 पैसे प्रति लीटर बढ़ जाती है। अगर तेल 70 डॉलर से बढ़कर 100 डॉलर हो गया यानी 30 डॉलर की बढ़ोतरी, तो लागत करीब 15 से 18 प्रति लीटर बढ़ जाएगी। क्रिसिल की एक रिपोर्ट के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब कच्चे तेल की कीमत 65 से 70 डॉलर प्रति बैरल के आसपास थी तो वित्त वर्ष 2026 में तेल कंपनियों को एक लीटर पेट्रोल पर करीब 8 रुपए का मार्जिन मिलने की उम्मीद थी। खर्च निकालने के बाद यह बचत करीब 3 रुपए रह जाती। अब जब कीमतें कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई हैं तो जो 8 का मुनाफा कंपनियां कमा रही थीं, वह अब खत्म हो सकता है या यह फायदा नुकसान में बदल सकता है।

मोदी सरकार ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर्स के आवंटन का कोटा बढ़ाकर 70 प्रतिशत किया

इन सेक्टर को मिलेगी प्राथमिकता

केंद्र की मोदी सरकार ने शुक्रवार को कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर्स के आवंटन का कोटा बढ़ाकर कुल मांग का 70 प्रतिशत किया है, जो कि पहले 50 प्रतिशत था। इस बदलाव से उन उद्योगों को राहत मिलेगी, जो कि बड़े स्तर पर अपने संचालन के लिए एलपीजी पर निर्भर है। 70 प्रतिशत कोटे में इस्पात, ऑटोमोबाइल, वस्त्र, रंगाई, रसायन और प्लास्टिक जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी क्योंकि ये अन्य आवश्यक उद्योगों को भी सहयोग प्रदान करते हैं। इन क्षेत्रों में, प्रक्रिया उद्योगों या उन उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी जिन्हें हिटिंग के लिए एलपीजी की आवश्यकता होती है और जिनका विकल्प प्राकृतिक गैस नहीं हो सकता।

केंद्र सरकार के आदेश में कहा गया है कि वर्तमान में किए जा रहे 50 प्रतिशत आवंटन के अतिरिक्त, 20 प्रतिशत का और आवंटन प्रस्तावित है, जिससे कुल वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन संकट-पूर्व स्तर के पैक किए गए गैर-घरेलू एलपीजी के 70 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा।

हालांकि, मोदी सरकार ने स्पष्ट किया कि अतिरिक्त 20 प्रतिशत आवंटन का लाभ उठाने के लिए, सभी वाणिज्यिक और औद्योगिक एलपीजी उपभोक्ताओं को तेल विपणन कंपनियों के साथ पंजीकरण कराना होगा और अपने-अपने शहरों में शहरी गैस वितरण इकाई के पास पीएनजी के लिए आवेदन करना होगा।

इससे पहले 21 मार्च को जारी किए गए अतिरिक्त 20 प्रतिशत आवंटन में रेस्तरां, ढाबे, होटल, औद्योगिक कैंटीन, खाद्य प्रसंस्करण/डेयरी, राज्य सरकार या स्थानीय निकायों द्वारा संचालित रियायती कैंटीन/आउटलेट, सामुदायिक रसोई और प्रवासी श्रमिकों के लिए 5 किलो (मुक्त व्यापार एलपीजी) एफटीएल जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी....

विवाहित शख्स का लिव इन में रहना अपराध की श्रेणी में नहीं

प्रयागराज। अदालत समाज को नैतिकता से नहीं बल्कि कोर्ट कानून से चलती है। इस कारण समाज क्या कहता है, यह सोचकर हम नागरिकों के सुरक्षा के अधिकार से मुंह नहीं मोड़ सकते। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक विवाहित शख्स के दूसरी महिला के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रहने के मामले को लेकर अहम टिप्पणी की। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने लिव इन में रहने वाले कपल की सुरक्षा याचिका पर सुनवाई कर यह बात कही। कपल का कहना था कि उन्हें महिला के परिवार वालों से सुरक्षा का खतरा है, जिसकी लिव इन में रहने वाले शख्स की शादी हुई थी। इस मामले की सुनवाई कर जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना ने कहा कि भारत की व्यवस्था में विवाहित शख्स के लिव इन में रहने को अपराध की श्रेणी में नहीं रखा गया है। बेंच ने कहा कि यदि वह शख्स किसी के साथ जबरन लिव इन में नहीं है, तब उस शख्स को किसी अपराध के दायरे में नहीं रखा जा सकता। इलाहाबाद हाई कोर्ट की बेंच ने कहा, कि नैतिकता और कानून को अलग रखना होगा। यदि किसी चीज को कानून में अपराध नहीं माना गया है, तब फिर नैतिकता और समाज की राय हमारे फैसले को प्रभावित नहीं कर सकते हैं। अदालत का यह कर्तव्य है कि वह नागरिक के सुरक्षा के अधिकार की रक्षा करे। लिव इन में रहने वाले शख्स की पत्नी के वकील का कहना था कि वह जब पहले से ही शादीशुदा है तब किसी और महिला के साथ रहना अपराध है। इस पर अदालत ने कहा कि सामाजिक नैतिकता और कानून को अलग-अलग करके देखना होगा। अदालत ने सुनवाई के दौरान शख्स के साथ लिव इन में रह रही महिला के आवेदन का जिक्र किया। इलाहाबाद हाई कोर्ट बेंच ने कहा कि महिला ने शाहजहांपुर के एसपी को लिखकर दिया है कि वहां वयस्क है और अपनी मर्जी से शख्स के साथ लिव इन में है।

लोकसभा में पेश हुआ जन विश्वास विधेयक, कांग्रेस सांसदों ने किया विरोध

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया। इसका मकसद छोटे-मोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना और नियमों आसान बनाना है। इससे कारोबार करना आसान हो सकेगा। विधेयक को वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने पेश किया। इसमें चयन समिति की सिफारिशों को शामिल किया गया है।

इस विधेयक का मकसद कुछ कानूनों में बदलाव करने के छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से हटाना और नियमों को सरल बनाना है, ताकि भरोसे पर आधारित शासन को बढ़ावा मिले और लोगों का जीवन और कारोबार करना आसान हो सके।

कांग्रेस सांसदों ने किया विधेयक का विरोध

कांग्रेस सांसद कडियम काव्या और जीके पदवी ने इस विधेयक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह संविधान की मूल संरचना के खिलाफ है। पदवी ने सरकार से अपील की कि इस विधेयक को फिर से चयन समिति या किसी संसदीय समिति के पास भेजा जाए। उन्होंने कहा, यह एक प्रशासनिक चूक है। विधेयक मनमाना है और इससे भ्रष्टाचार बढ़ सकता है। इसलिए इसकी दोबारा जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि चयन समिति की रिपोर्ट में असहमति दर्ज करने का विकल्प दिया गया है।

एमपी में पेट्रोल-डीजल और गैस का पर्याप्त स्टॉक, अफवाहों पर न दें ध्यान - मंत्री राजपूत

कालाबाजारी पर सख्त एक्शन : 2888 एलपीजी सिलेंडर जब्त, 9 प्रकरणों में दर्ज हुई एफआईआर

भोपाल/इंदौर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने स्पष्ट किया है कि मध्यप्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि देश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं और कच्चे तेल का भंडार भी पर्याप्त है, जिससे आपूर्ति में कोई रुकावट नहीं है।

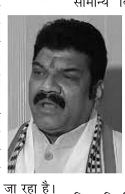

प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कालाबाजारी रोकने के लिए सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। अब तक 2046 स्थानों पर जांच की गई, जिसमें 2888 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए और 9 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

पैनिक बाइंग से बढ़ी पेट्रोल पंपों पर भीड़

मंत्री राजपूत ने बताया कि प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की सामान्य बिक्री प्रतिदिन लगभग 18,548 किलोलीटर होती है। पिछले कुछ दिनों में पैनिक बाइंग (डर के कारण अधिक खरीदारी) की वजह से कुछ जिलों में मांग 2.5 गुना तक बढ़ गई, जिससे अस्थायी रूप से लंबी लाइनें देखी गईं। उन्होंने साफ किया कि डिपो से लगातार आपूर्ति जारी है और पेट्रोल पंपों पर स्टॉक की कोई कमी नहीं है। बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए सभी सप्लाई लोकेशन अतिरिक्त समय तक काम कर रहे हैं।

आमजन से अपील : जरूरत के अनुसार ही करें खरीदारी

खाद्य मंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और आवश्यकतानुसार ही ईंधन का क्रय करें। उन्होंने कहा कि अनावश्यक संग्रह से बचें। ऑयल कंपनियों ने भी दोहराया है कि रसोई गैस के बॉटलिंग प्लांटों में पर्याप्त स्टॉक है और ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थों की सुचारू उपलब्धता बनाए रखने के लिए सरकार पूरी तरह मुस्तैद है।

कांग्रेस में कांग्रेस के स्टार प्रचारकों में खरगे, राहुल, सोनिया और प्रियंका समेत 40 बड़े नाम

नई दिल्ली। केरल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए कांग्रेस ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है, जो राज्यभर में चुनावी माहौल को गर्म करने वाले हैं। इस सूची में राष्ट्रीय स्तर के बड़े नेताओं को शामिल कर कांग्रेस ने साफ संकेत दे दिया है कि वह इस चुनाव को बेहद गंभीरता से ले रही है और सत्ता में वापसी के लिए पूरी ताकत झोंकने वाली है।

कांग्रेस द्वारा जारी स्टार प्रचारकों की सूची में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ-साथ कई अनुभवी और युवा चेहरे शामिल हैं। इसमें मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। इसके अलावा शशि थरूर, के.सी. वेणुगोपाल, सिद्धारमैया, डी.के. शिवकुमार और सचिन पायलट जैसे नेता भी चुनावी प्रचार में अहम भूमिका निभाएंगे इन सभी नेताओं के जरिए कांग्रेस राज्य के अलग-अलग इलाकों में मतदाताओं को साधने की रणनीति पर काम कर रही है।

इस बार केरल का चुनाव बेहद दिलचस्प होने वाला है क्योंकि मुकाबला केवल दो नहीं बल्कि तीन प्रमुख ताकतों के बीच माना जा रहा है। कांग्रेस जहां सत्ता में वापसी के लिए पूरी ताकत लगा रही है, वहीं वामपंथी दल अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश में हैं। दूसरी ओर बीजेपी भी अपने वोट शेयर को बढ़ाने और कुछ सीटों पर मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की रणनीति पर काम कर रही है।

पूर्व नक्सली कमांडर का दावा...नोटबंदी के समय नक्सलियों के करीब 25 से 30 करोड़ रुपये मिट्टी में मिल गए

नई दिल्ली। साल 2016 की नोटबंदी ने जंगलों में बैठे नक्सली कमांडरों को भी तगड़ा झटका दिया था। नोटबंदी के 10 साल से अधिक वक्त गुजर जाने के बाद अब पूर्व नक्सली कमांडर और पोलित ब्यूरो के पूर्व सदस्य भूपति ने इसे कबूल किया है। उनके मुताबिक नोटबंदी नक्सल संगठनों के लिए किसी तबाही से कम नहीं थी। एक समाचार चैनल से खास बातचीत में भूपति ने बताया कि उस वक्त उनके संगठन के करीब 25 से 30 करोड़ रुपये मिट्टी में मिल गए थे। इतना ही नहीं भूपति के मुताबिक नक्सल संगठनों से सहानुभूति रखने वालों ने भी उन्हें करोड़ों का चूना लगाया था।

भूपति ने कहा की यह हमारे लिए एक बहुत बड़ा सेटबैक (झटका) था। देश की बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए

30 करोड़ शायद कम लगें, लेकिन हमारे संगठन के लिए यह बहुत बड़ी रकम थी। हमारा करीब 25 से 30 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। भूपति ने कहा कि धुरंधर फिल्म में नोटबंदी का जो असर दिखाया गया है, वह एकदम हकीकत है। हमने अपनी आंखों से वह बर्बादी देखी है। हमने नोट सुरक्षित रखने और बदलने के लिए कई लोगों को करोड़ों रुपये दिए थे, लेकिन वो सब गायब हो गए। हमने किसी को एक करोड़ रुपये दिए, तो वह उसे लेकर भाग गया। किसी और को कुछ दिया, तो वह भी वापस नहीं आया। लोग पैसा डकार गए और हमें दोहरा झटका लगा। जब हमारे पुराने नोट रद्दी हो गए, तो बहुत बुरा वक्त आया। भूपति ने बताया की हम जनता के पास गए। हमने उनसे साफ कहा कि हमारे पास अब नोट नहीं बचे हैं, सब नोटबंदी में खत्म हो गया है। फिर जनता से मिली मदद और राशन के सहारे ही काम आगे बढ़ा।

भारत में लॉकडाउन की कोई जरूरत नहीं है और कुछ लोग गलतफहमी फैला रहे हैं - वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को राज्यसभा में फाइनेंस बिल पर चर्चा के दौरान उन खबरों को खारिज किया जिनमें लॉकडाउन की आशंका जताई जा रही थी। उन्होंने साफ कहा कि भारत में लॉकडाउन की कोई जरूरत नहीं है और कुछ लोग गलतफहमी फैला रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि इन हालात के बावजूद भारत ने स्थिति को संतुलित रखा है। सरकार लगातार निगरानी कर रही है और कोशिश है कि देश के किसी भी नागरिक को परेशानी न हो। वित्तमंत्री कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। उन्होंने बताया कि एक महीने में क्रूड ऑयल 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 122 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। मिडिल ईस्ट में तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में रुकावट इसके मुख्य कारण हैं। उनके मुताबिक, 30 मार्च तक कीमतें 100 डॉलर से नीचे आने की संभावना कम है। वित्त मंत्री ने कहा कि सप्लाई लागत बढ़ने के बावजूद सरकार यह बोझ खुद उठा रही है, ताकि आम लोगों पर असर न पड़े। उन्होंने बताया कि इस फैसले से सरकार को राजस्व का नुकसान होगा, लेकिन प्राथमिकता जनता को राहत देना है।

मिडिल ईस्ट संकट के बीच सरकार का बड़ा फैसला

राजनाथ सिंह की अगुवाई में हुआ इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप का गठन

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहे तनावपूर्ण संघर्ष ने पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है। ऐसे में भारत सरकार ने कदम उठाते हुए एक अहम फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने मिडिल ईस्ट संकट से पैदा होने वाले विभिन्न मुद्दों पर लगातार नजर रखने और समन्वय करने के लिए एक इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप का गठन किया है।

इस ग्रुप की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। ग्रुप में गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और अन्य संबंधित मंत्री सदस्य के रूप में शामिल हैं। यह ग्रुप मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध से भारत पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों खासकर ऊर्जा सुरक्षा, तेल-गैस आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता पर नजर रखेगा। सरकार का यह कदम इसलिए जरूरी हो गया है क्योंकि भारत अपनी कच्चे तेल की लगभग 88 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस की आधी जरूरत होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आयात करता है। हाल के हमलों के बाद इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने से टैंकरों की आवाजाही पर असर हुआ है, जिससे वैश्विक ऊर्जा संकट गहरा गया है। भारत में ईंधन की कीमतों में उछाल या पैनिक स्थिति न बने, इसके लिए यह ग्रुप एक्टिव रूप से काम करेगा।

जनता को राहत देने का फैसला

इसी क्रम में सरकार ने आम जनता को राहत देते हुए पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर शून्य कर दी है। डीजल निर्यात पर लगने वाले लाभ कर और जेट फ्यूल पर करों में भी संशोधन किया गया है। केंद्र ने लॉकडाउन लगाए जाने की अफवाहों को भी सिरे से खारिज कर दिया है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण समेत कई मंत्रियों ने साफ कहा कि देश में कोई लॉकडाउन नहीं लगेगा। जनता से पैनिक न फैलाने की अपील की गई है। राजनाथ सिंह की अगुवाई वाला यह इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप देश की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए निरंतर निगरानी रखेगा।

उच्च न्यायालय का ऐतिहासिक फैसला, सांकेतिक भाषा में दी गवाही को मान्यता

रायपुर,। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि सांकेतिक भाषा के दुभाषिए की सहायता से दर्ज किए गए बयान भी कानूनी रूप से मान्य हैं और इनके आधार पर दोषसिद्धि हो सकती है। यह टिप्पणी उस मामले में की गई, जिसमें एक व्यक्ति को शारीरिक रूप से सक्षम महिला के साथ यौन उत्पीड़न का दोषी मानकर दी गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने निचली अदालत के मार्च 2023 के फैसले को सही ठहराते हुए आरोपी की अपील खारिज कर दी। अदालत ने पाया कि ट्रायल कोर्ट ने पीड़िता की गवाही को समझने और प्रस्तुत करने के लिए उचित और संवेदनशील उपाय अपनाए थे। जब पीड़िता को कुछ प्रश्न समझने में कठिनाई हुई, तब अदालत ने प्रस्तुत किया और इशारों से अपनी बात स्पष्ट की। अदालत ने बताया कि गुड़िया का उपयोग कर स्थिति को स्पष्ट किया और एक दुभाषिए की मदद से उसके बयान दर्ज किए। उच्च न्यायालय ने कहा कि इस प्रक्रिया से गवाही की विश्वसनीयता कम नहीं होती, बल्कि पीड़िता को अपनी बात स्पष्ट रूप से रखने में मदद मिलती है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि सुनने या बोलने में असमर्थता किसी व्यक्ति की गवाही को अमान्य नहीं बनाती। यदि बयान सुसंगत, स्पष्ट और अन्य साक्ष्यों से मेल खाते हों, तब वे दोषसिद्धि के लिए पर्याप्त हो सकते हैं। इस मामले में पीड़िता के बयान एफआईआर और पूर्व बयानों से मेल खाते पाए गए, जिससे आरोपी के खिलाफ आरोप प्रमाणित हुए।

नल-जल योजना ठप, ग्रामीण बूंद-बूंद पानी को मोहताज

नक्सल मुक्त क्षेत्र में विकास के दावों की खुली पोल, लाखों खर्च के बाद भी नहीं मिल रहा पानी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले को नक्सल मुक्त घोषित कर प्रभावित ग्रामों के तेजी से विकास के दावे भले ही किए जा रहे हों, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों से अलग नजर आ रही है। हालात यह हैं कि कई गांवों में आज भी ग्रामीण स्वच्छ पेयजल के लिए तरस रहे हैं। यह मामला जनपद पंचायत परसवाड़ा क्षेत्र का है, जहां पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे गांव अब नक्सल मुक्त घोषित किए जा चुके हैं। इसके बावजूद यहां मूलभूत सुविधाओं की स्थिति अब भी संतोषजनक नहीं है। शासन द्वारा हर घर नल-जल जैसी योजनाएं संचालित की जा रही हैं और संबंधित विभाग द्वारा कार्य भी कराया गया है, लेकिन इन योजनाओं का लाभ आमजन तक पूरी तरह नहीं पहुंच पा रहा है। कई स्थानों पर योजनाएं केवल कागजों तक सीमित दिखाई दे रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण उन्हें आज भी कुएं, हैंडपंप या दूरस्थ जल स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। गर्मी बढ़ने के साथ यह समस्या और गंभीर होती जा रही है।

परसवाड़ा जनपद की नक्सल प्रभावित ग्राम पंचायत अमवाही के केशलई, कुरवाही और बासी गांवों में करीब डेढ़ हजार की आबादी निवासरत है। यहां लगभग लाखों रुपये की लागत से हर घर नल, हर घर जल योजना के तहत पेयजल व्यवस्था बनाई गई थी। कुछ समय तक नलों से पानी भी मिला, लेकिन वर्तमान में बासी को छोड़कर अन्य गांवों में योजना पूरी तरह ठप हो चुकी है। ग्रामीणों द्वारा कई बार शिकायत करने के बावजूद जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया। इसी तरह ग्राम पंचायत मोहगांव के रैय्यतवाड़ी और कपोलटोला में भी पेयजल संकट गहराया हुआ है। यहां वर्ष 2025 में करीब लाखों रुपये की लागत से योजना स्वीकृत हुई थी, जिसमें पाइपलाइन विस्तार, नल कनेक्शन और पानी टंकी का निर्माण किया गया। लेकिन बोर खनन के दौरान पानी नहीं निकलने से योजना अधूरी ही छोड़ दी गई। इसके बाद आज तक वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई, जिससे ग्रामीण अब भी कुओं और हैंडपंपों पर निर्भर हैं। ग्राम पंचायत सिंघई के खुड्डीपुर और डोरा गांवों में भी यही स्थिति बनी हुई है। कुल मिलाकर इन पंचायतों के सात गांवों में पेयजल व्यवस्था बदहाल है। पीएचई विभाग द्वारा करीब लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई योजनाएं अब शोपीस बनकर रह गई हैं। नलों के स्टैंड क्षतिग्रस्त हो रहे हैं, पाइपलाइन जर्जर हो रही है और पानी टंकियां बेकार पड़ी धूल फांक रही हैं। विभागीय आंकड़ों के अनुसार जिले में लगभग 1050 नल-जल योजनाओं की स्वीकृति मिली थी, जिनमें से लगभग 750 का कार्य पूर्ण बताया जा रहा है, लेकिन अब तक लगभग 607 योजनाएं ही ग्राम पंचायतों को हैंडओवर की जा सकी हैं। शेष योजनाओं में गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं, जिसके चलते पंचायतें उन्हें अपने अधीन लेने से बच रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही पेयजल की स्थायी व्यवस्था नहीं की गई, तो आने वाले समय में समस्या और गंभीर हो सकती है। अब देखना होगा कि प्रशासन इन समस्याओं पर कब तक ठोस कदम उठाता है।

हमें डोरा गांव की जानकारी है - बी.एल. उइके

इस संबंध में पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री बी.एल. उइके ने बताया कि उन्हें फिलहाल डोरा गांव की जानकारी है, अन्य गांवों के बारे में विस्तृत जानकारी लेकर जांच की जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही संबंधित क्षेत्रों में व्यवस्थाएं सुधारने के प्रयास किए जाएंगे।

भक्ति शक्ति और सादगी का संगम स्वरूप नन्हीं नन्ही बैगा बेटियों का किया पूजन

पद्मेश न्यूज। उकवा। शास्त्रों के अनुसार मां के नौ रूप केवल शक्ति का प्रतीक नहीं अपितु जीवन की बाधाओं को दूर करने वाला सरल पथ है, बेटीयो की नन्हीं सी मुस्कान में सारा संसार समाया है,बिटिया के रूप में इस नवरात्रि मा का आशीर्वाद पाया है,साक्षात देवी स्वरूपा बेटियों का आशीर्वाद प्राप्त करने उकवा की सामाजिक संस्था सर्व धर्म सेवा समिति के सदस्यों द्वारा दुर्गम पहाड़ी एवं अति तल में बसे पूर्णत: बैगा बाहुल्य ग्राम चुपका टोला जहां आज भी जाना किसी चुनौती से कम नहीं है,जहां दो पहिया या चार पहिया वाहन ऊंचे नीचे पथरीले कच्चे रास्तों से होकर पहुंचा जाता है,जहां के लोग आज भी दुनिया की चमक से दूर है,जहां अभी भी नेटवर्क नहीं है,लोग अभी भी मोबाइल से अछूते है, चैत्र नवरात्रि की अष्टमी के दिन उकवा के सर्वधर्म सेवा समिति के सदस्यों द्वारा इस स्थान में बमुश्किल पहुंचे,ग्राम तक वाहन जाना अति मुश्किल था ,इसलिए नाले के पास वाहन खड़ा कर सभी स्वयं सेवी अपने हाथों में समान लेकर पैदल गांव पहुंच संपूर्ण कार्य को पूर्ण किए,कन्या पूजन के दिन पहली बार ग्राम में ऐसा माहौल देख ग्राम के बड़े छोटे सभी लोग अत्यंत भावुक और प्रसन्न हो गए समिति सदस्यों द्वारा,ग्राम की छोटी छोटी बेटियों के चरण धो उनका तिलक वंदन कर उन्हें स्वयं के हाथों से खीर पूड़ी बना कर वितरित किया,इस अवसर पर उकवा के प्रसिद्ध कपड़ व्यवसाई संदीप साड़ी सेल के संचालक श्री खंडेलकर द्वारा सभी बेटियों को एवं ग्रामीणों को अपनी तरफ से अंग वस्त्र प्रदान किए गए,साथ ही स्वयं सेवी बहने ज्योति वरकड़े ,दीपा मेश्राम एवं संदीप गजभिये द्वार स्वयं के हाथों से बच्चों एवं ग्रामीणों के लिय खीर पूरी एवं पुलाव तैयार कर वितरण किया गया, भवानी मोबाइल के संचालक दामेंद्र परिहार द्वारा बच्चों को स्कूली कीट प्रदान कर शिक्षा हेतु प्रोत्साहित किया गया,सामाजिक कार्यकर्ता संतोष सोनी जेम्स बारीक ,नितिन कुमार,विमल पंचभाएं द्वारा सभी नन्हीं नन्ही बेटियों का स्वागत सत्कार कर उनका आशीर्वाद लिया गया,सफल आयोजन एवं सभी के सहयोग हेतु कार्यक्रम के संयोजक सेवा समिति के सक्रिय कार्यकता समाजसेवी संदीप गजभिये ने सभी का दिल आभार व्यक्त किया!

बालाघाट में 29-30 मार्च को लगेगा जिला स्तरीय पुस्तक मेला, अभिभावकों को सुलभ दरों पर मिलेंगी पुस्तकें व स्कूल सामग्री

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन, स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार जिले में 29 एवं 30 मार्च 2026 को शासकीय सांदीपनि विद्यालय (सीएम राइज स्कूल) बालाघाट में जिला स्तरीय एक दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किया जाएगा। मेला प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से सायं 6 बजे तक संचालित रहेगा। कलेक्टर मृणाल मीना ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को निर्देशित किया है कि इस मेले का लाभ जिले के अधिक से अधिक विद्यार्थियों एवं उनके पालकों व अभिभावकों को दिलाएं।

जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय ने बताया कि इस पुस्तक मेले में पुस्तक विक्रेता, गणवेश विक्रेता एवं स्टेशनरी विक्रेता अपने-अपने स्टॉल लगाएंगे। मेले का मुख्य उद्देश्य जिले के स्थानीय प्रतिष्ठानों के माध्यम से बच्चों को सुलभ एवं वास्तविक दरों पर पुस्तकें, गणवेश, स्टेशनरी, जूते-मोजे सहित अन्य स्कूल सामग्री उपलब्ध कराना है, ताकि अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े।

शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों सहित सभी विकासखंडों के बीआरसी को निर्देशित किया गया है कि वे अधिक से अधिक पालकों तक इस मेले की जानकारी पहुंचाकर उन्हें इसका लाभ दिलाएं।

इस संबंध में जिले के सभी अशासकीय (निजी) विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के पालक/अभिभावकों को भी अपने बच्चों के लिए आवश्यक सामग्री सुलभ दरों पर क्रय करने हेतु आमंत्रित किया गया है। पुस्तक मेले में निजी स्कूलों की पाठ्यपुस्तकें, गणवेश एवं स्टेशनरी निर्धारित एवं वास्तविक दरों पर उपलब्ध कराई जाएगी।

साथ ही, जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, बीआरसी, एवं निजी विद्यालयों के प्राचार्य/संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने विद्यालयों के व्हाट्सएप समूह एवं अन्य माध्यमों से मेले का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, जिससे अधिक से अधिक अभिभावक मेले में उपस्थित होकर इसका लाभ उठा सकें।

ग्राम कायदी में संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण का आयोजन 7 से 13 अप्रैल तक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कायदी के श्रीराम मंदिर प्रांगण में पूज्य शास्त्री भारती के सानिध्य में वृंदावन (उत्तर प्रदेश) के सुप्रसिद्ध कथावाचक सूरज जी महाराज द्वारा संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक आयोजन 7 अप्रैल से 13 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक आयोजित होगा।आयोजन के तहत 7 अप्रैल को कलश यात्रा, विधि पूजन एवं भागवत महात्म्य का वर्णन किया जाएगा।8 अप्रैल को धुंधकारी उद्धार, परीक्षित जन्म एवं सुखदेव आगमन प्रसंग होंगे।9 अप्रैल को कपिल अवतार एवं अंजामिल कथा का वर्णन किया जाएगा।10 अप्रैल को प्रहलाद चरित्र, ध्रुव चरित्र एवं वामन अवतार की कथा सुनाई जाएगी।11 अप्रैल को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, नंदोत्सव एवं ब्रज महोत्सव मनाया जाएगा।12 अप्रैल को माखन चोरी, गोवर्धन पूजा एवं महारास की झांकी प्रस्तुत की जाएगी।13 अप्रैल को रुक्मणी मंगल एवं गोपी-उद्धव संवाद का प्रसंग होगा।

14 अप्रेल को पूर्णाहुति व प्रसादी वितरण

14 अप्रैल को सुबह 10 बजे हवन एवं पूर्णाहुति का कार्यक्रम होगा, वहीं दोपहर 2 बजे से महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा।

यह श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ग्राम के दिवंगत डॉ. प्रमोद सिंह बाटे एवं कुलदीप सिंह चंदेल की स्मृति में आयोजित की जा रही है।

आयोजकों ने क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की है।

आवश्यकता है

ऑफिस कार्य हेतु चपरासी
12वीं पास युवती की आवश्यकता है,
बालाघाट एवं आसपास के रहने वाले ही संपर्क करें।
वेतन-12000+
मिलने का समय
शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक
संपर्क
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल हनुमान चौक मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9244872544/9201340520

यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण एवं जन कल्याण समिति ने लगाया प्याऊ

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार व कलेक्टर मृणाल मीणा जी व जिला सीईओ के मार्गदर्शन मे जल गंगा संवर्धन संचालित है। जिसके अंतर्गत जल स्त्रोतो की साफ-सफाई, गहरीकरण और बोरीबंधान आदि कार्यक्रम आयोजित हो रहे है। इसी कड़ी मे म.प्र. जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक सुशील बर्मन व विकासखण्ड-लांजी समन्वयक संतोष नगपुरे के निर्देश में नवांकुर संस्था यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण एवं जन कल्याण समिति लांजी(म.प्र.) द्वारा, श्री रामनवमी के शुभ अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत "जल मंदिर" (प्याऊ) का उद्घघाटन नवांकुर कार्यलय मेन रोड के समीप किया गया। बढ़ती गर्मी को देखते हुए जल सेवा-मानस सेवा पुनीत कार्य की शुरूआत नवांकुर संस्था सचिव रमेश आसटकर द्वारा की गई। इस अवसर पर वि0ख0 समन्वयक संतोष नगपुरे, संस्था के उपाध्यक्ष-नरेश आसटकर, कोषाध्यक्ष-रेखा आसटकर, सदस्या-किरण आसट्कर, संजीवकुमार सोनवाने, हरिराम महेरबान, सुधीर जी चौहान, ओम, राज, माता जी रंभाबाई इत्यादि की सहभागिता में इस पुनित कार्य की शुरुआत किया गया। नवांकुर संस्था ने इस वर्ष सेक्टर के सभी ग्रामो के अलावा अन्य स्थानों पर जल मंदिर (प्याऊ) प्रारंभ किये जाने का निर्णय लिया गया है ताकि जनता को इस जल मंदिर प्याऊ का लाभ प्राप्त हो सके।

राज भारती प्रोमिनेंसी कॉन्वेंट स्कूल लांजी का परीक्षा परिणाम रहा सतप्रतिशत

पद्मेश न्यूज। लांजी। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा 25 मार्च को कक्षा पांचवी एवं कक्षा आठवीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें राजभरती प्रोमिनेंसी कॉन्वेंट स्कूल लांजी का परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत रहा। विद्यालय के कक्षा आठवी हिन्दी माध्यम एवं अंग्रेजी माध्यम से कुल 51 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिसमें सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण रहें।

कक्षा आठवीं अंग्रेजी माध्यम में तनवी रूमेन्द्र बोपचे 91.83 प्रतिशत से प्रथम, लीना घनश्याम मातरे 90.33 प्रतिशत से द्वितीय एवं हिमांशी गजेन्द्र टिकेश्वर 90 प्रतिशत से तृतीय स्थान रहा। इसी क्रम में कक्षा आठवीं हिन्दी माध्यम में उमंग सुनील कुमार नेवारे 84.33 प्रतिशत से प्रथम, याचना जयलाल धारणे 83.83 प्रतिशत से द्वितीय, आराध्या नरेन्द्र बंसोड़ 82 प्रतिशत से तृतीय।

कक्षा पांचवी अंग्रेजी माध्यम एवं हिन्दी माध्यम से कुल 64 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिसमें सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण रहें। कक्षा पांचवी अंग्रेजी माध्यम में तेजल सुभाष चौधरी 93 प्रतिशत से प्रथम, वेदिका संजय हिरेन्द्रवार 92.25 प्रतिशत से द्वितीय एवं वंशिका अनिल वाकले 91.25 प्रतिशत से तृतीय स्थान रहा। इसी तरह कक्षा पांचवी हिन्दी माध्यम लक्ष जितेन्द्र अस्तने 89.75 प्रतिशत से प्रथम, ओम लालचंद कचवाहे 89 प्रतिशत से द्वितीय एवं अंशिका संतलाल कुचलाहे 88.25 प्रतिशत से तृतीय स्थान रहा। विद्यार्थियों की इस सफलता पर विद्यालय के संचालक रितेश करांहे, प्रधानपाठिका श्रीमती कांती करांहे तथा विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कार्यालय ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा

जनपद पंचायत लालबर्रा, जिला बालाघाट

क्रमांक/क्यू. दिनांक 26.03.2026

निविदा

विषयाकिंत लेख है कि ग्राम पंचायत पांढरवानी में वित्तीय वर्ष 2026-27 में मनरेगा, विबी जी राम जी, पंच परमेश्वर, 15 वां वित्त आयोग, 5 वां वित्त, सांसद निधि, विधायक निधि, गौण खनिज, ग्राम पंचायत निधि स्वकराधान मद, स्वच्छ भारत अभियान, परफार्मेस ग्रांट फंड, व अन्य मद से स्टेशनरी क्रय एवं अन्य मरम्मत व पंचायत में अन्य योजनाओं के तहत विभिन्न निर्माण कार्य हेतु सामग्री क्रय की जानी हैं। इन कार्यों के लिए दिनांक 04.04.2026 तक नीचे लिखित वर्णित सामग्री हेतु मुहरबंद निविदाएं कार्यालयीन समय में आमंत्रित हैं। निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय पांढ़रवानी में आकर प्राप्त कर सकते है, निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा। निविदा का लिफाफा कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत पांढरवानी ला. में जमा किया जावें एवं डाक द्वारा भेजे गये लिफाफे अंतिम तारीख के शाम 5 बजे तक ही मान्य किये जायेगें।

सामग्री- सीमेंट, लोहा, गिट्टी, सीमेंट पाइप, लोहा पाइप, टीन, मिट्टी, मुरम, रेत, ईट, मिक्सर मशीन, वाइब्रेटर मशीन, पॉलीथीन, थर्माकॉल, रोलर, वॉशबेसिन नल सहित, पेंटिंग कार्य, गट्टू (पेपर ब्लॉक), नल जल योजना हेतु पाइप, कुर्सी, टेबल, स्ट्रीट लाईट संबंधी सामग्री, वाटर हारवेस्टिंग से संबंधित सामग्री, एसीसी एस्बेस्टस चादर (छत), केनोपी, पीओपी, पी वी सी, काँच, एल्युमिनियम पाईप, रंग पेंट, प्लास्टिक सीट, पी.वी.सी पाइप 10 फीट, एंगल नट बोल्ट सहित, सेंट्रिंग, तार, खीला, आईल, पेंट, दरी, आलमारी, ए सी, कूलर, लैपटाप, कम्प्युटर सामग्री, टंकी, स्टेशनरी क्रय, नल-जल संधारण की सामग्री, पौधा क्रय, पंडाल व्यवस्था, मिष्ठान, जेसीबी मशीन, ट्रेक्टर ट्राली, परिवहन सहित अन्य आवश्यक सामग्री शामिल हैं।

अनीस खान
सरपंच

कृष्णा पंचेश्वर
प्रभारी सचिव

ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा जिला बालाघाट(म.प्र.)

सनशाइन किड्स प्ले स्कूल लांजी का पांचवी और आठवीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम रहा सराहनीय

पद्मेश न्यूज। लांजी। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा पांचवी एवं आठवीं की बोर्ड परीक्षा का परिणाम 25 मार्च को घोषित किया गया जिसमें नगर में संचालित शिक्षण संस्था सनशाइन किड्स प्ले स्कूल लांजी का पांचवी और आठवीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम सराहनीय रहा। विद्यालय के कक्षा आठवीं में कुल आठ विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए जिसमें से सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे इसी क्रम में कक्षा पांचवी से 19 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए जिसमें से सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे परीक्षा परिणाम सत प्रतिशत रहा।

कक्षा आठवीं में कु. पावनी नरेंद्र नागफशे 82 प्रतिशत से प्रथम स्थान, कु अनन्या अविनाश रैच 81 प्रतिशत से द्वितीय स्थान एवं सायली सेवेंद्र दुरूगकर 80 प्रतिशत से तृतीय स्थान प्राप्त किया इसी क्रम में शारदा कावरे 77, कुलदीप लिल्हारे 69 एवं सभी छात्र-छात्राओं ने अपना उत्कर्ष प्रदर्शन दिया। कक्षा पांचवीं में कु राशि धीरंदास लिल्हारे, 89.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, समर्थ महेंद्र बैठवार 82.2 प्रतिशत से द्वितीय स्थान एवं साक्षी अशोक मात्रे 81.2 प्रतिशत से तृतीय स्थान प्राप्त किया इसी क्रम में माही बालाजी येवले 81, रिद्धि पांचे 80.5, प्राची लिल्हारे 80.2 , मीठी कर्राहे 80, नमन भीमटे 76.6, अर्थ सातपुते 75 2, दीप्ति बडगैया 75, हिमांशु धारने 74, यशिमत खरे 73.2त्न, श्रेयश सोमनकर 72.7, निशांत भीमटे 70.2, जय मरठे 70, प्रणीत सहारे 68, पर्व पिपरे 67.5, लवेश वल्थरे 64.7 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं अपने परिवार का नाम गौरवान्वित किया है। छात्र-छात्राओं की सफलता पर विद्यालय के संचालक अविनाश रैंच, प्रधान पाठिका श्रीमती योगेश्वरी अविनाश रैंच तथा शाला परिवार के समस्त शिक्षिकाओं ने बधाई प्रेषित की है।

मोदी जी के नेतृत्व में भारत चुनौतियों को अवसर में बदलकर नई ऊर्जा के साथ उभरा -हेमंत खण्डेलवाल

भोपाल। एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने पश्चिम एशिया में जारी वैश्विक तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिए गए ऐतिहासिक निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प और समर्पण को और प्रगाढ़ करता है और देशवासियों को यह विश्वास दिलाता है कि उनकी सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी रहेगी। इस निर्णय में केंद्र सरकार ने पेट्रोल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क 13 रुपये से घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर, डीज़ल पर 10 रुपये से घटाकर शून्य रुपये प्रति लीटर और विमानन टरबाइन ईंधन के निर्यात पर ड्यूटी लगाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता और संवेदनशील नेतृत्व का प्रतीक है, जो देश की जनता को महंगाई के प्रभाव से बचाने के लिए निरंतर कार्यरत हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने हर कठिन दौर में न केवल अपने पैरों पर खड़ा रहकर स्थिरता दिखाई है, बल्कि चुनौतियों को अवसर में बदलकर नई ऊर्जा के साथ उभरा है।

मोदी सरकार हमेशा जनता के हितों की रक्षा के लिए तत्पर

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के चलते आने वाले समय में और भी वृद्धि की संभावना थी। ऐसे समय में प्रधानमंत्री मोदी ने पेट्रोल और डीज़ल पर उत्पाद शुल्क में कटौती कर देश की जनता को राहत देने का जो ऐतिहासिक कदम उठाया है, वह न केवल सरकार की सजगता को दर्शाता है, बल्कि यह भी स्पष्ट करता है कि मोदी जी की सरकार हमेशा जनता के हितों की रक्षा के लिए तत्पर रहती है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से न केवल आम आदमी को राहत मिलेगी, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। तेल की कीमतों में गिरावट से परिवहन क्षेत्र और अन्य उद्योगों को लाभ होगा, जिससे महंगाई पर भी नियंत्रण पाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने हमेशा जनता के हित में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, यह उसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

इस निर्णय से आम जनता को मिलेगी राहत, भारत की आर्थिक स्थिति होगी मजबूत

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर संकट के समय में उत्कृष्ट नेतृत्व का परिचय दिया है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

अवैध पेट्रोल-डीजल भंडारण पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 112 लीटर ईंधन जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के आदेश के परिपालन में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बालाघाट श्री गोपाल सोनी के निर्देशन में जिले में अवैध पेट्रोल-डीजल भंडारण एवं विक्रय के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। संयुक्त जांच दल ने विभिन्न स्थानों पर छापामार कार्रवाई कर कुल 112 लीटर पेट्रोल-डीजल जब्त किया है।

कार्रवाई में तहसीलदार बालाघाट श्री सुनील वर्मा, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री पहल सिंह बलाड़ी एवं थाना प्रभारी भरवेली श्री भूपेन्द्र पन्द्रो शामिल रहे। टीम ने टेकाड़ी स्थित साईनाथ होटल (खुमेश बाहेश्वर) से 71 लीटर डीजल बरामद किया। वहीं पीपरटोला में नीलेश नागेश्वर के किराना स्टोर से 20 लीटर पेट्रोल एवं 20 लीटर डीजल तथा भरवेली में साहिद खान के पानठेला से 2 लीटर पेट्रोल जब्त किया गया।

जांच के दौरान संबंधित प्रतिष्ठानों में पेट्रोल-डीजल के संग्रहण से जुड़े आवश्यक दस्तावेज नहीं पाए गए। साथ ही होटल, किराना और पानठेला संचालन के लिए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आवश्यक पंजीयन एवं लाइसेंस भी अनुपस्थित मिले।

तहसीलदार द्वारा जब्त 22 लीटर पेट्रोल एवं 90 लीटर डीजल को थाना भरवेली में सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है। संबंधित संचालकों के खिलाफ मोटर स्पिरिट एवं उच्च वेग डीजल (प्रदाय तथा वितरण विनियमन और अनाचार निवारण) आदेश 2005 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

प्रशासन द्वारा प्रकरण को अग्रिम कार्रवाई हेतु न्यायालय कलेक्टर, बालाघाट में प्रस्तुत किया गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध ईंधन भंडारण एवं विक्रय के विरुद्ध ऐसी कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

प्रोसिडिंग रजिस्टर जबलपुर में, नगर पालिका की बैठकें प्रभावित

डीजल मामले की जांच के चलते पीआईसी और बजट बैठक नहीं हो सकी, एक माह से अटका कार्य

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर पालिका बालाघाट में इन दिनों प्रशासनिक कार्य प्रभावित होते नजर आ रहे हैं। पीआईसी (प्रेसिडेंट-इन-काउंसिल) और परिषद की बैठकें आयोजित नहीं हो सकी हैं, जिसका मुख्य कारण प्रोसिडिंग रजिस्टर का उपलब्ध न होना बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार डीजल मामले में चल रही जांच के चलते जबलपुर नगरीय निकाय के संयुक्त संचालक द्वारा जांच के दौरान नगर पालिका की पीआईसी और परिषद बैठकों के प्रोसिडिंग रजिस्टर को जबलपुर तलब कर लिया गया था। तब से यह रजिस्टर संयुक्त संचालक कार्यालय में ही जमा है। रजिस्टर के अभाव में नगर पालिका की महत्वपूर्ण बैठकों पर असर पड़ा है। खासतौर पर मार्च माह में आयोजित होने वाली परिषद की बजट बैठक अनिवार्य होती है, लेकिन रजिस्टर उपलब्ध नहीं होने के कारण यह बैठक नहीं हो सकी। सूत्रों के अनुसार नगर पालिका द्वारा रजिस्टर वापस मंगाने के प्रयास भी किए गए, लेकिन जांच प्रक्रिया जारी होने के कारण अभी तक रजिस्टर वापस नहीं मिल पाए हैं। दोनों बैठकों के प्रोसिडिंग रजिस्टरों को मंगाए जाने के पीछे यह कयास लगाए जा रहे हैं कि संभवत: इनमें हुई अनियमितताओं की जांच के चलते इन्हें जबलपुर तलब किया गया है। हालांकि, जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

नगर पालिका में सामने आए डीजल अनियमितता मामले की जांच का असर अब स्पष्ट रूप से प्रशासनिक कार्यों पर दिखाई देने लगा है। जांच की प्रक्रिया के चलते न केवल नगर पालिका की नियमित गतिविधियां प्रभावित हुई हैं, बल्कि महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाली पीआईसी (प्रेसिडेंट-इन-काउंसिल) और परिषद की बैठकों पर भी सीधा असर पड़ा है। जानकारी के अनुसार नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, जबलपुर के संयुक्त संचालक द्वारा चल रही जांच के तहत बालाघाट नगर पालिका से पीआईसी और परिषद की बैठकों के प्रोसिडिंग रजिस्टर जबलपुर मंगवाए गए हैं। ये रजिस्टर नगर पालिका की बैठकों के संचालन और निर्णयों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दस्तावेज माने जाते हैं। इनके अभाव में न तो बैठकें विधिवत आयोजित की जा सकती हैं और न ही किसी प्रस्ताव को औपचारिक रूप से पारित किया जा सकता है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, रजिस्टर उपलब्ध नहीं होने के कारण नगर पालिका की पीआईसी बैठक आयोजित नहीं हो सकी, वहीं परिषद की बैठक भी प्रभावित रही। खास बात यह है कि मार्च माह में हर वर्ष नगर पालिका का बजट सत्र आयोजित किया जाता है, जिसमें आगामी वित्तीय वर्ष के आय-व्यय और विकास कार्यों की रूपरेखा तय की जाती है। लेकिन इस बार प्रोसिडिंग रजिस्टर के अभाव में बजट बैठक समय पर नहीं हो पाने की स्थिति निर्मित हो गई है, जिससे नगर पालिका के वित्तीय और विकास कार्यों पर असर पड़ना तय माना जा रहा है। नगर पालिका के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि जांच के चलते प्रशासनिक स्तर पर भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। अधिकारी और जनप्रतिनिधि दोनों ही स्पष्ट निर्णय नहीं ले पा रहे हैं, जिससे कामकाज की गति धीमी हो गई है। यदि जल्द ही रजिस्टर वापस नहीं आते हैं, तो आगे भी बैठकों के आयोजन में बाधा बनी रह सकती है। इस मामले को लेकर जब कुछ पार्षदों से चर्चा की गई, तो वार्ड क्रमांक 2 के पार्षद योगराज लिल्हारे सहित अन्य पार्षद प्रतिनिधियों ने बताया कि उन्हें भी जानकारी मिली है कि डीजल मामले की जांच के चलते रजिस्टर जबलपुर मंगवाए गए हैं। उनका कहना है कि यही कारण है कि परिषद की बजट बैठक निर्धारित समय में आयोजित नहीं हो सकी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो विकास कार्यों पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। नगर पालिका प्रशासन की ओर से अब तक इस पूरे मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी.डी. कतरोलिया से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया, जिससे स्थिति और अधिक स्पष्ट नहीं हो सकी। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच पूरी होने के बाद प्रशासन क्या कदम उठाता है और नगर पालिका की बैठकें कब तक पुन: शुरू हो पाती हैं, ताकि शहर के विकास कार्यों में आ रही रुकावट को दूर किया जा सके।

पत्र जारी कर रजिस्टर वापस करने का अनुरोध किया है - राहुल

नगर पालिका के डूडा कार्य की जिम्मेदारी संभाल रहे ज्वाइंट कलेक्टर राहुल नायक ने इस मामले में स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि उन्हें भी नगर पालिका से जानकारी मिली थी कि आवश्यक प्रोसिडिंग रजिस्टर जबलपुर में जांच के लिए जमा हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उनके द्वारा नगरीय प्रशासन, जबलपुर को पत्र जारी कर रजिस्टर शीघ्र वापस करने का अनुरोध किया गया है, ताकि नगर पालिका की बैठकें और अन्य प्रशासनिक कार्य पुन: सुचारू रूप से संचालित हो सकें। ज्वाइंट कलेक्टर ने यह भी संभावना जताई कि रजिस्टर अब तक नगर पालिका को प्राप्त हो चुके होंगे या फिर बहुत जल्द वापस मिल जाएंगे।

भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ चैत्र नवरात्र

नवमी पर जिलेभर में पूजा, हवन, भंडारे और विसर्जन के विविध आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चैत्र नवरात्र का पर्व जिले में हवन-पूजन और कलश विसर्जन के साथ संपन्न हो गया। इस बार तिथियों के संयोग के चलते 26 मार्च को ही कई स्थानों पर अष्टमी और नवमी एक साथ मनाई गई, वहीं 27 मार्च को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने नवमी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया। सुबह से ही माता के मंदिरों में पूजा-अर्चना, हवन-पूजन और महाआरती का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से मां दुर्गा की आराधना कर परिवार की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। इसके साथ ही कई स्थानों पर भंडारे का आयोजन किया गया, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। शाम के समय विभिन्न समितियों द्वारा शोभायात्राएं भी निकाली गईं, जिसमें भक्तजन बड़ी संख्या में शामिल हुए। नवरात्र समापन के अवसर पर श्रद्धालुओं ने अपने-अपने अनुसार कलश और जवारा विसर्जन किया। किसी ने बहते जल में तो किसी ने विशेष रूप से बनाए गए कुंड में विधिवत विसर्जन किया। पूरे आयोजन के दौरान शहर में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान के साथ नवरात्र पर्व का समापन किया।

जिले में चैत्र नवरात्र पर्व का समापन इस वर्ष अत्यंत श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ हुआ। नवमी के अवसर पर पूरे जिले में धार्मिक आयोजनों की धूम रही। इस बार पंचांग अनुसार अष्टमी और नवमी 26 मार्च को ही मनाई गई, फिर भी अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पारंपरिक मान्यताओं के अनुरूप 27 मार्च को भी नवमी का पूजन कर माता रानी की आराधना की। नवमी पर शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों त्रिपुर सुंदरी मंदिर, हनुमान मंदिर, देवी मंदिर, राम मंदिर एवं पुराना राम मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। यहां विधि-विधान से हवन-पूजन, कन्या भोज और महाआरती का आयोजन किया गया। मंदिरों में भक्तों ने माता रानी के जयकारों के बीच परिवार की सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की। रामनवमी का भव्य जुलूस 26 मार्च को शहर में निकाला जा चुका था, लेकिन इसके बावजूद नवमी की धार्मिक आस्था 27 मार्च को भी पूरे चरम पर रही। श्रद्धालुओं ने घरों और मंदिरों में स्थापित कलशों तथा बोए गए ज्वारों का विधिवत पूजन कर उनका विसर्जन किया। यह विसर्जन प्रक्रिया 26 मार्च की शाम से प्रारंभ होकर अगले दिन तक चलती रही। ग्रामीण अंचलों में भी नवरात्र का समापन पूरी आस्था के साथ हुआ। गांवों में लोगों ने अपने-अपने घरों एवं सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित माता की प्रतिमाओं, कलशों और ज्वारों का विसर्जन परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार बहते जल स्त्रोतों और कुंडों में किया। इस दौरान महिलाएं और पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में भक्ति गीतों के साथ शामिल हुए। शहर के कई मंदिरों में नवमी के अवसर पर विशाल भंडारों का आयोजन किया गया, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। दिनभर चले इन आयोजनों के बाद शाम होते ही विभिन्न स्थानों से कलश यात्राएं और शोभायात्राएं निकाली गईं। इन शोभायात्राओं में महिलाएं सिर पर सजे कलश लेकर भक्ति भाव से शामिल हुईं, वहीं ढोल-नगाड़ों और भजन-कीर्तन के बीच यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों से होकर गुजरी। पूरे शहर में धार्मिक माहौल बना रहा और जयकारों की गूंज सुनाई देती रही। यात्रा के समापन पर कलशों और ज्वारों का विधिवत विसर्जन किया गया। श्रद्धालुओं ने माता रानी से सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए नवरात्र का समापन किया। इस तरह नौ दिनों तक चले इस पावन पर्व का समापन भक्ति, अनुशासन और उल्लास के माहौल में हुआ, जिसने पूरे जिले को एक बार फिर धार्मिक रंग में रंग दिया।

अस्मिता स्टेट महिला लीग में भाग लेगी बालाघाट की पेंचक सिलाट टीम, 8 खिलाड़ी दिखाएंगी दम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की पेंचक सिलाट महिला टीम 29-30 मार्च को मंदसौर में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित अस्मिता स्टेट महिला लीग प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। प्रतियोगिता को भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों की महिला खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। पेंचक सिलाट एसोसिएशन बालाघाट के सचिव प्रवीण नन्हेट ने जानकारी देते हुए बताया कि इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में इंदौर, देवास, जबलपुर, रतलाम, शिवपुरी, भोपाल, रीवा, सतना, उज्जैन, नीमच, मंदसौर, नर्मदापुरम, बालाघाट, रायसेन, राजगढ़, सिवनी सहित कई जिलों की टीमें भाग ले रही हैं। इस प्रतियोगिता में बालाघाट जिले की महिला खिलाड़ी प्री-टीन, सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्गों में भाग लेंगी। खिलाड़ी टेंडिंग, रेगु, सोलो, गंडा और तुंगल जैसे विभिन्न इवेंट्स में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। गौरतलब है कि पेंचक सिलाट एक पारंपरिक इंडोनेशियाई मार्शल आर्ट है, जो अब भारत में भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। खेल मंत्रालय और खेलो इंडिया के माध्यम से इस खेल को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर मंच मिल रहा है।

बालाघाट जिले में भी पिछले चार वर्षों से इस खेल का निरंतर विकास हो रहा है और यहां के खिलाड़ियों ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर सहित खेलो इंडिया बीच गेम्स जैसे बड़े मंचों पर स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता के लिए बालाघाट से कुल 8 महिला खिलाड़ी और कोच दल रवाना हुआ है। टीम में निधि नन्हेट, आर्या रहांगडाले, छाया नरवास, संगीता मराठा, अनिका चौहान, अर्पिता लिल्हारे, खुशबू मेश्राम और सलोनी पांचे शामिल हैं। सभी खिलाड़ियों को कोच निधि नन्हेट का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है, जिन्होंने हाल ही में दमन-दीव में आयोजित खेलो इंडिया बीच गेम्स में मध्यप्रदेश टीम के कोच के रूप में भी भूमिका निभाई थी। 27 मार्च को बालाघाट से टीम को प्रतियोगिता के लिए रवाना किया गया। इस दौरान पेंचक सिलाट एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों प्रतीक नन्हेट, शारुन सोनवाने, साहिल सोनवाने, कार्तिक तितरमारे, तृप्ति बिसेन, यथार्थ गर्दे, पवन मेश्राम, मेघा चौहान, महेश चौहान सहित अन्य लोगों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए शुभकामनाएं दीं। बालाघाट टीम से इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है और जिलेवासियों को खिलाड़ियों से पदक की आशा है।

निर्दयी पिता ने की अपने तीन वर्षीय मासूम बेटे की हत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के रूपझर थाने की डोरा पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम केसलई उसे समय सनसनी फैल गई एक निर्दयी व्यक्ति ने अब तुम मासूम बेटे की कुल्हाड़ी से मार कर हत्या कर दी। यह घटना 27 मार्च को दोपहर में हुई सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इस मासूम बच्चे की लाश बरामद कर ली है।

जानकारी के अनुसार ग्राम केसलई निवासी रतन उइके खेती किसानी करते है। जिसका 3 साल का बेटा वीरेंद्र कुमार उइके है। 27 मार्च को दोपहर में जब रतन उइके की पत्नी बोदा लाने के लिए खेत गई थी। तभी रतन कुमार ने अपने मासूम बेटे वीरेन्द्र कुमार उइके को काम धंधे को लेकर के आंगन में उसके गले में कुल्हाड़ी वार कर दिया। उसे समय उसकी पत्नी बोदा लेकर घर आ गई थी। जो तुरंत ही अपने बेटे के पास पहुंची किंतु उसकी मौत हो चुकी थी इस मौके पर भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही रूपझर थाना प्रभारी दीपक त्रिपाठी अपने स्टाफ के साथ घटनास्थल पहुंच चुके थे और मौके के कार्रवाई की जा रही थी।

आज जिले की सभी प्राथमिक शालाओं में एफएलएन मेला के तृतीय चरण का आयोजन होगा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की समस्त प्राथमिक शालाओं में आज 28 मार्च 2026 को एफएलएन (Foundational Literacy and Numeracy) मेला का तृतीय चरण आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन पालकों एवं समुदाय के सहयोग से माता-शिक्षक संघ की सहभागिता में संपन्न होगा।

सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री जीपी बर्मन ने बताया कि जिले के प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय में आयोजित होने वाले इस मेले में स्कूली बच्चों के साथ आंगनवाड़ी केंद्रों के बच्चों को भी शामिल किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। शाला प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि वे आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं बच्चों को विशेष रूप से आमंत्रित करें, ताकि प्रारंभिक शिक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। उल्लेखनीय है कि एफएलएन मेला का प्रथम चरण 30 अक्टूबर 2025 एवं द्वितीय चरण 30 दिसंबर 2025 को सफलतापूर्वक आयोजित किया जा चुका है। तृतीय चरण में भी बच्चों की भाषा एवं गणितीय दक्षता को बढ़ाने हेतु विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। मेले की मॉनिटरिंग बीआरसी, बीएसी एवं सीएसी द्वारा की जाएगी। सभी अधिकारियों को पांच-पांच स्कूलों का निरीक्षण कर फोटोग्राफ सहित प्रतिवेदन बीआरसीसी के माध्यम से जिला शिक्षा केंद्र में एपीसी श्री विवेक गुप्ता को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला प्रशासन ने इस आयोजन को सफल बनाने हेतु सभी संबंधितों से सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

प्रवेश उत्सव को लेकर जनशिक्षकों की बैठक संपन्न

01 अप्रैल को धूमधाम से मनाया जायेगा प्रवेश उत्सव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शिक्षा की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आगामी शैक्षणिक सत्र में 01 अप्रैल 2026 को प्रवेश उत्सव को भव्य रूप से मनाने की तैयारियों के तहत जिले के समस्त जनशिक्षकों की बैठक 27 मार्च को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बालाघाट में आयोजित की गई।

बैठक में नामांकन शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने, विद्यालयों की स्वच्छता, तथा जल गंगा संवर्धन से संबंधित गतिविधियों के आयोजन पर विस्तृत चर्चा की गई। जनशिक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करें। निर्देश दिए गए कि 01 अप्रैल को आयोजित प्रवेश उत्सव में भूतपूर्व छात्र, ग्रामवासी, पालक-शिक्षक संघ एवं जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए। इस दिन कक्षा 01 से 08 तक के सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया जाएगा, बाल सभा का आयोजन होगा तथा गुणवत्तापूर्ण एवं स्वादिष्ट मध्यान्ह भोजन के साथ विशेष भोज भी कराया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि प्रवेश उत्सव की कार्यक्रम की रूपरेखा अनुसार 02 अप्रैल को पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियां आयोजित होंगी, 03 अप्रैल को शाला प्रबंधन समिति की बैठक कर 100 प्रतिशत नामांकन हेतु कार्ययोजना तैयार की जाएगी, 04 अप्रैल को भविष्य से भेंट कार्यक्रम के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्ध नागरिकों, कलाकारों, साहित्यकारों, पुलिस एवं शासकीय अधिकारियों को प्रेरक के रूप में विद्यार्थियों से संवाद हेतु आमंत्रित किया जाएगा।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री अश्वनी उपाध्याय, जिला परियोजना समन्वयक घनश्याम प्रसाद बर्मन एवं संस्था के प्राचार्य ज्योतिषी जी ने विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही एपीसी एवं विभिन्न शाखा प्रभारियों द्वारा भी अपने-अपने विभाग से संबंधित आवश्यक जानकारी जनशिक्षकों को दी गई। जिला प्रशासन ने सभी संबंधितों से प्रवेश उत्सव को सफल बनाने हेतु सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।

मकान बनाने को लेकर एक महिला से तीन लोगों ने की मारपीट

घायल महिला जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामपायली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम लिंगमारा में तीन लोगों ने एक महिला को हाथ भूसे और ईंट से मारकर घायल कर दिए घायल महिला पंचकला पति राजेंद्र बड़पात्रे 50 वर्ष ग्राम लिंगमारा निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम लिंगमारा निवासी राजेंद्र बड़पात्रे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिनके परिवार में पत्नी पंचकला , तीन लड़के और एक लड़की है। राजेंद्र के पड़ोस में उसके रिश्ते के चाचा साहेबलाल रहते हैं। राजेंद्र और उसके रिश्ते के चाचा साहेबलाल के बीच पारिवारिक विवाद चल रहा है। हाल ही में राजेंद्र मकान बनवा रहा है। किंतु जिस जगह पर राजेंद्र मकान बनवा रहा है उस जगह को साहेब लाल अपनी जगह बताकर कर राजेंद्र के साथ विवाद करते रहता है। 26 मार्च की शाम राजेंद्र बाहर गया हुआ था और उसकी पत्नी पंचकला जहां मकान बन रहा है। वहां पर खड़ी थी ।उसी समय साहेब लाल के दो लड़के और और उसका साडू भाई शिवप्रसाद आए और मकान की दीवाल को तोड़फोड़ करने लगे। पंचकला द्वारा मना करने पर तीनों ने उसे गालिया देते हुए हाथ बुक्के से मारपीट करने के साथ ही ईट से मार कर घायल कर दिए। जिससे पंचकला बेहोश हो गई थी। खबर मिलते ही परिवार के लोग पहुंचे और घायल पंचकला को प्राइवेट वाहन से वारासिवनी सिविल अस्पताल लाकर भर्ती किये। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। इस मामले की जांच रामपायली पुलिस द्वारा की जा रही है।

आस-पास की खबरें

ब्लॉक सेन समाज की बैठक आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। ब्लॉक सेन नाई समाज लालबर्रा के द्वारा 28 मार्च को समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया है। यह बैठक सिवनी मार्ग स्थित मजार के समीप स्थित कॉम्पलेक्स में दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगी। जिसमें समाज के पदाधिकारियों व सामाजिक बंधुओं

की गरिमामय उपस्थिति में आगामी 14 अप्रैल को संत शिरोमणि सेनजी महाराज की जयंती समारोह कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने सहित विभिन्न सामाजिक विषयों पर विचार विमर्श किया जायेगा। तत्संबंध में जानकारी देते हुए समाज के ब्लॉक अध्यक्ष दिलीप सेन ने बताया कि आगामी 14 अप्रैल को आराध्य देव श्री सेन जी महाराज की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाया जाना है और इस भव्य आयोजन की तैयारी, कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने और विभिन्न व्यवस्थाओं हेतु समाज के प्रबुध्दजनों का मार्गदर्शन प्राप्त करने के उद्देश्य से यह बैठक आयोजित की गई है। साथ ही विभिन्न सामाजिक विषयों पर भी विचार विमर्श किये जायेगें। इस अवसर पर सेन समाज के ब्लॉक एवं नगर समिति के सभी पदाधिकारियों, वरिष्ठ सदस्यों, युवा साथियों और समस्त स्वजातीय बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील सेन समाज ब्लाक अध्यक्ष दिलीप सेन ने की है।

आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष बने फिरोज नियाजी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। पांढरवानी निवासी आम आदमी पार्टी के सक्रिय सदस्य फिरोज नियाजी को आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के द्वारा पार्टी का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जिससे उनके शुभचिंतकों में हर्ष व्याप्त

है। चर्चा में आम आदमी पार्टी के नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष फिरोज नियाजी ने बताया कि संगठन विस्तार के द्वारा सैंट्रल टीम के केजरीवाल जी सहित पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने मुझे जिला उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है जिसके लिए सैन्ट्रल टीम के केजरीवाल जी सहित म.प्र. के प्रभारी जितेन्द्रसिंह तोमर का आभार व्यक्त करता हूं और जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर पार्टी हित में काम किया जायेगा। फिरोज नियाजी के आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष बनने पर शुभकामनाएं देने वालों में आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष शिव जायसवाल, रजनीश नायडु, मस्तराम डाहरे, अनिल ब्रम्हे, सुरेशसिंह कारे, विनोद पारधी, युवराज ठाकरे, आरिफ अली, शरद जैन, गुलाब, रविन्द्र मेश्राम, सुरेश उइके, विकास गौतम, प्रीतम लिल्हारे सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल है।

ऑल इंडिया महिला-पुरूष फाइनल कबड्डी प्रतियोगिता का पुरूष वर्ग में भिलाई और महिला वर्ग में छिंदवाड़ा ने जीता खिताब

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी दूर ग्राम पंचायत जाम में गत दिवस से जारी चार दिवसीय ऑल इंडिया महिला एवं पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता का बुधवार की रात में समारोहपूर्वक समापन किया गया। आयोजित इस ऑल इंडिया महिला-पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता में देश के विभिन्न रा%य एवं जिलों से आई दिग्गज टीमों ने अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया। वहीं फाइनल मैच कि खिताबी भिड़ंत में जहां पुरुष वर्ग में भिलाई (छत्तीसगढ़) की टीम ने बाजी मारी, वहीं महिला वर्ग में छिंदवाड़ा की बेटियों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। वहीं फाइनल प्रतियोगिता 25-26 मार्च की अलसुबह 4 बजे तक चला। खेल के प्रति दीवानगी का आलम यह था कि देर रात के बावजूद हजारों की संख्या में दर्शक मैदान पर डटे रहे। पूरे मैदान को दूधिया रोशनी (फ्लड लाइट्स) से जगमगाया गया था और दर्शकों की

जाम में चार दिवसीय ऑल इंडिया महिला-पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता का समारोहपूर्वक हुआ समापन

सुविधा के लिए तीन बड़ी एलईडी स्क्रीन भी आयोजन समिति के द्वारा लगाई गई थी। ताकि खेल का हर पैंतरा साफ देखा जा सके। वहीं अतिथियों के हस्ते विजेता टीमों को नकद राशि और चमचमाती ट्राफियां प्रदान की गईं। जिसमें पुरूष वर्ग में प्रथम पुरस्कार भिलाई की टीम को 71,000 और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। वहीं द्वितीय पुरस्कार उपविजेता रही सिवनी की टीम को 41,100 की राशि प्रदान की गई। वहीं बिलासपुर की टीम को 21,000, ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। इसी तरह महिला वर्ग में प्रथम विजेता छिंदवाड़ा की टीम को 31,100 रूपये और ट्रॉफी, द्वितीय विजेता रायपुर की टीम 21,000 रूपये, तृतीय विजेता गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) की टीम को 11,000 रूपये और ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। साथ ही टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ रेडर, कैचर और ऑल-राउंडर खिलाड़ियों को उनके व्यक्तिगत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विशेष सम्मान भी दिया गया। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि जाम जैसे छोटे से गांव में इतना भव्य राष्ट्रीय आयोजन क्षेत्र की खेल संस्कृति को नई दिशा दे रहा है। यहां की मिट्टी ने हमेशा खिलाड़ियों को प्रेरणा दी है। वहीं अन्य अतिथियों में जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, वारासिवनी विधायक विवेक विक्की पटेल, सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, झामसिंह नागेश्वर, किशोर पालीवाल ने आयोजक समिति और उनकी पूरी टीम को सफल आयोजन के लिए बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं दी है।

ऑल इंडिया कबड्डी प्रतियोगिता का सफल आयोजन हेतु जताया आभार

प्रतियोगिता के संयोजक जाहिद खान, जाम के सरपंच सुरेंद्र बलोने ने बताया कि ऑल इंडिया कबड्डी प्रतियोगिता ने खेल प्रेमियों का दिल जीत लिया। इस आयोजन में देश के विभिन्न हिस्सों से आई टीमों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा और झारखण्ड, उत्तरप्रदेश बनारस और बिहार के दर्जनों टीमों के खिलाड़ियों ने मैट पर अपने उत्कृष्ट खेल और तकनीक से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही यह भी बताया कि बाहर से आने वाले खिलाड़ियों के लिए रूकने और भोजन की उच्च स्तरीय व्यवस्था की गई थी। हमारा लक्ष्य था कि खिलाड़ियों को घर जैसा वातावरण मिले, साथ ही पूरा खेल मैदान फ्लड लाइट्स दूधिया रोशनी से जगमगा रहा था, जिससे रात्रि मैचों का रोमांच दोगुना हो गया। मैदान पर तीन बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई गई थीं, ताकि दूर बैठे हजारों दर्शक भी मैच की हर बारीकी और रेड का भरपूर आनंद ले सके। समापन अवसर पर क्षेत्र के दिग्गज जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति ने गरिमा बढ़ाई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, वारासिवनी विधायक विवेक विक्की पटेल, जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, झामसिंह नागेश्वर, जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, पूर्व मंडी अध्यक्ष सत्येंद्र दमाहे, जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष भुरू पटेल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर, कांग्रेस नेता धर्मेंद्र ढांडे, शैलेश सोनी, सरपंचद्वय अनीश खान, बासुंदराव ढबाले, मोहनलाल गौतम, बलेश रहांगडाले, शैलेन्द्र धुर्वे, ओपी बिसेन, ब्लॉक किसान कांग्रेस अध्यक्ष मुनेंद्र ठाकरे, विधायक प्रति. सुमित स्वामी, शैलेश केकती, नितिन साखला, पूर्व जनपद सदस्य रिमेन्द्र पटले, अशोक नगपुरे, समाजसेवी भजन पटले उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का भरपूर उत्साहवर्धन किया। इस आयोजन में समिति के अध्यक्ष सुरेन्द्र बलोने, संयोजक जाहिद खान के नेतृत्व में पूरी ग्राम पंचायत और एनसीसी के कर्मठ साथियों में पूर्व सरपंच प्रति. देवराज ठकरेले, राजेश नगपुरे, रमेश चौहान, पंडित अखिलेश तिवारी, सत्यनारायण श्रीवास, डॉक्टर कपिल लिल्हारे, डॉक्टर सुरेश यादव, ईरशाद खान, उमेश तिवारी, सऊद खान, शैलेश लिल्हारे, नौशाद खान, गनपत तरवरे, कमलेश लिल्हारे, धर्मेंद्र धामडे, आशिक़ खान, विश्वास मेश्राम, चंद्रेश ताण्डेकर सहित समस्त ग्रामवासियों का सराहनीय योगदान रहा।

अरूणोदय स्कूल का कक्षा 5 वीं और 8 वीं की वार्षिक परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके अरूणोदय हायर सेकेंडरी स्कूल कनकी ने इस वर्ष भी अपनी गौरवशाली परंपरा को बरकरार रखते हुए वार्षिक परीक्षा 2025-26 में उत्कृष्ट सफलता अर्जित की है। विद्यालय की कक्षा 5 वीं और 8 वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। वहीं कक्षा 8 वीं अंग्रेजी माध्यम में भूमि डहरवाल और सानवी वाहने ने मारी बाजी जिसमे भूमि डहरवाल ने 96.66 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया है। अंजली टेम्भरे ने 91.33 प्रतिशत द्वितीय और विधान हाडगे 87.66 तृतीय स्थान पर रहे। इसी तरह कक्षा 5 वीं अंग्रेजी माध्यम में सानवी वाहने ने 91.25 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होकर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त की है। साक्षी बघेल ने 90.75 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान, लावन्या पांडे ने 84.75 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया है। वहीं हिन्दी माध्यम की कक्षा 8 वीं में लाली बिसेन ने 94.33 प्रतिशत अंक पाकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इनके अलावा खुशी कटरे ने 90.32 प्रतिशत, गीत पारधी ने 90 प्रतिशत, प्राची गौतम ने 89.83 प्रतिशत अंक ने कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कक्षा 5 वीं हिन्दी माध्यम में अपेक्षा डहरवाल ने 80 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम रही। मन्नत ठाकरे ने 83.75 प्रतिशत, विशाल कवरेडे ने 81.75 प्रतिशत, लक्ष्मी बघेल ने 80.75 प्रतिशत के साथ उच्च श्रेणी में सफलता प्राप्त किये है। इसी तरह विद्यालय के दर्जनों अन्य विद्यार्थियों ने भी 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का

लोहा मनवाया है, जिनमें प्रमुख रूप से संस्कृति ढाण्डे, समीर वट्टी, दक्ष कातुरे, आयशा सोनी, चारू शेण्डे, अवनि बिसेन, पलक नागपुरे, हर्षित निन्हावे, तनवी उइके और रचना दमाहे सहित अन्य विद्यार्थी शामिल हैं। वहीं विद्यार्थियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर शाला के प्राचार्य शिवराज लानगे एवं वरिष्ठ शिक्षक नरेन्द्र वाहने ने हर्ष व्यक्त किया है। जिसमें शिक्षक गिरीश टेम्भरे, प्रदीप डायरे, राजेन्द्र बिसेन, गरिमा सहारे, राजकुमार जर्वेकर, कंचन भोयर, पूजा डहरवाल, सुषमा दुबे, ललिता डहरवाल सहित अन्य शिक्षक है जिन्होने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

माँ सतबहनी मंदिर में आस्थापूर्वक मनाया गया चैत्र नवरात्र पर्व

पांढरवानी बड़ा तालाब के विसर्जन घाट में कलश और जवारों का हुआ विसर्जन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जगत जननी माता जगदम्बा आदिशक्ति का पर्व चैत्र नवरात्र पूरे क्षेत्र में श्रध्दा भक्तिभाव के साथ मनाया गया। पर्व के अंतिम दिन नवमीं पर 27 मार्च को माता मंदिरों व अपने-अपने घरों में स्थापित ज्योति कलशों एवं जवारों का भक्तजनों ने माँ के जयकारों के साथ स्थानीय नदी-तालाब में विसर्जन कर माता-रानी से क्षेत्र में शांति व सुख समृध्दि बनाये रखने की प्रार्थना की। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय स्थित माँ सतबहनी मंदिर में पिछले नौ दिनों से पूजा-अर्चना के पश्चात स्थापित ज्योति कलश व जवारे को विसर्जित करने के लिये भक्तों के द्वारा 27 मार्च को प्रात: 11 बजे मंदिर प्रांगण से धूमधाम से डीजे की धून व आकर्षक झांकियों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा नगर भ्रमण करते हुए बड़ा तालाब के विसर्जन घाट पहुंची जहां पं. अरविंद तिवारी के द्वारा विधिवत पूजन अर्चन करवाकर आरती संपन्न होने के पश्चात जवारों व कलशों का विसर्जन किया गया एवं शाम 7 बजे से नवयुवक भंडारा समिति के द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है और श्रध्दालुओं ने भंडारा रूपी महाप्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किये। इस कलश यात्रा में देवी-देवताओं के जीवंत झांकिया आकर्षण का केन्द्र रही। माँ सतबहनी मंदिर के सदस्य शैलेष केकती ने बताया कि गत 19 मार्च को 62 कलश व जवारे बोकर माता-रानी की आराधना की गई एवं 27 मार्च को मंदिर से कलशों की शोभायात्रा निकालकर जवारे विसर्जित किया गया एवं शाम में नवयुवक भंडारा समिति के द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। श्री केकती ने बताया कि इस नौ दिवसीय चैत्र नवरात्र पर्व पर क्षेत्रीय श्रध्दालुजन माता-रानी के दरबार में पहुंचकर पूजा पाठ कर धर्म लाभ अर्जित किये और माता-रानी से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में खुशहाली बनाये रखे। इस अवसर पर माँ सतबहनी मंदिर समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

पांढरवानी में हनुमान-शिव मंदिर के नवनिर्माण के लिये हुआ भूमिपूजन

ग्रामीणों ने रखी मंदिर की आधारशिला, जनसहयोग से भव्य रूप लेगा प्राचीन देवस्थान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र के ग्राम पांढरवानी स्थित प्राचीन हनुमान दुर्गा मंदिर परिसर में शुक्रवार 27 मार्च को रामनवमी के पावन पर्व पर भक्तिमय माहौल के बीच हनुमान-शिव मंदिर के नवनिर्माण हेतु शुभ मुहूर्त में प्रात: 9 बजे वैदिक मंत्रो%चार के साथ भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ और इसी के साथ मंदिर की आधारशिला रखी गई। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रध्दालु और ग्रामीणजन उपस्थित रहे। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि मंदिर परिसर में स्थित हनुमान और शिव मंदिर काफी दशक पुराना है। समय के साथ मंदिर का ढांचा जीर्ण-शीर्ण अर्थात् पुराना और कमजोर हो चुका था। जिसके कारण इसके नवनिर्माण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। ग्रामीणों और मंदिर समिति की बैठक में सर्वसम्मति से मंदिर के नवनिर्माण की रूपरेखा तैयार की गई, जिसके क्रियान्वयन की शुरूआत रामनवमी के शुभ अवसर पर की गई है। आगे बताया कि भूमिपूजन का मुख्य कार्यक्रम मंदिर के पंडित प्रमोद दुबे के सानिध्य में संपन्न हुआ। जिन्होने विधि-विधान से भूमि का पूजन करवाया और उपस्थित जनसमूह के साथ मंदिर निर्माण

के निर्विघ्न पूर्ण होने की प्रार्थना की है। कार्यक्रम के दौरान पूरा परिसर जय श्री राम और जय हनुमान के नारों से गुंजायमान रहा। मंदिर समिति और ग्रामीणों के द्वारा मंदिर निर्माण में सक्रिय योगदान दिया जा रहा है। समिति ने क्षेत्र के समाजसेवी, धर्मप्रेमी जनता और ग्रामीणों से इस पुनीत कार्य में तन-मन-धन से सहयोग करने की अपील की है। वहीं ग्रामीणों का संकल्प है कि सभी के प्रयासों से यहां एक भव्य और आकर्षक मंदिर का निर्माण किया जायेगा, जो आने वाले समय में आस्था का प्रमुख केंद्र बनेगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

विधायक अनुभा मुंजारे ने विसर्जन घाट रोड का किया लोकार्पण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा शुक्रवार को दोपहर में ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा के अंतर्गत मेन रोड से विसर्जन घाट की ओर जाने वाली सीमेन्ट सड़क का लोकार्पण किया गया। ज्ञात हो कि शारदेय नवरात्रि पर्व के अवसर पर बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा विसर्जन घाट पहुंच मार्ग स्वीकृत कर सड़क निर्माण का भूमिपूजन किया गया था। जिसका चैत्र नवरात्र पर्व के अवसर पर शुक्रवार को लोकार्पण किया गया है। विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने सभी को चैत्र नवरात्र पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विसर्जन घाट तक आने में श्रध्दालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को देखते हुए सरपंच के द्वारा लोगों की मांग पर जनहित में इस सड़क का निर्माण किया गया है जो एक सराहनीय कार्य है, इस तरह के काम हर पंचायत में होना चाहिए। साथ ही माता-रानी का आशीर्वाद सभी श्रध्दालुओं पर बना रहे है और प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में हमेशा सुख, समृध्दि एवं खुशहाली बनी रहे। चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि क्षेत्रीय विधायक अनुभा मुंजारे जी द्वारा अनुशंसा करके गौण खनिज फंड से ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा को 7.50 लाख की लागत से सीमेंट सड़क की स्वीकृति प्राप्त हुई थी, जो कार्य पूर्ण होने के बाद आज लोकार्पण किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि विसर्जन घाट मार्ग तक सीमेंट सड़क बनाने पूर्व में माँ सतबहिनी मंदिर समिति लालबर्रा एवं ग्रामीणजनों के द्वारा मांग की गई थी। जिनकी मांगे पूरी होने पर ग्रामीणजनो ने हर्ष व्यक्त किया है। वहीं विसर्जन घाट में प्रतिवर्ष कृष्ण जन्माष्टमी, फुलेरा, गणेश उत्सव, नवरात्रि पर्व, दुर्गा उत्सव इत्यादि पर्व में भारी संख्या में श्रध्दालु आते हैं और पक्की सड़क बनने से अब बरसात के दिनों में आवागमन में किसी प्रकार की कोई परेशानी नही होगी। इस अवसर पर विधायक अनुभा मुंजारे, सरपंच अनीस खान,

लालबर्रा विधायक प्रतिनिधि शैलेश केकती, सुमित स्वामी, नितिन सांखला, रामनाथ सोनी, श्री गुप्ता, रामचंद्र सिहोरे, पवन नामदेव, अधिवक्ता मनोज बंटी शर्मा, मनीष शास्त्री, शुभम गुप्ता, कैलाश, जयदीप, तपेश, अधिवक्ता विधान सराठे, रोशन सराठे, मनोज शास्त्री, ऋतिक कटारे, शिबू चौरसिया, पप्पू कुम्हरे, राजू मेहरबान, अंकित, मुक्कू शर्मा, शानू अग्रवाल, पटवारी अडमें, सहायक सचिव कृष्णा पंचेश्वर, शकील कुरैशी, पुलिसकर्मी सहित बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

आस-पास की खबरें

श्रीराम मंदिर में धूमधाम से मनाया गया रामनवमी पर्व

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। नगर में स्थित श्रीराम मंदिर में रामनवमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रात: 7 बजे भगवान श्रीराम

का श्रृंगार किया गया एवं दोपहर 12 बजे श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया गया। तत्पश्चात महाआरती की गई जिसके बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस राम जन्मोत्सव पर विविध कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। पद्मेश से चर्चा में राम मंदिर के सदस्यों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया जिसमें सुबह से ही विविध कार्यक्रम हुए जिसके बाद दोपहर 12 बजे भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाकर आरती की गई तत्पश्चात प्रसादी का वितरण किया गया। यह प्राचीन मंदिर है जिस समय वारासिवनी शहर नही बसा था उसके पहले का मंदिर है और जो भी भक्त जन आस्था के साथ भगवान के दरबार में माथा टेकते है तो उनकी मनोकामनाएं भी पूरी होती है। इस अवसर पर राम मंदिर सदस्य सहित गणमान्य नागरीको का सराहनीय योगदान रहा।

अज्ञात कारणों से लगी आग ने छीना किसान का निवाला

आगजनी में किसान की डेढ़ एकड़ की गेहूं की फसल जलकर खाक, 50 हजार का हुआ नुकसान

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम महाराजपुर में एक खेत में भीषण आग लगने से किसान की तैयार रखी गेहूं की फसल पूरी तरह जलकर राख हो गई। यह घटना 26 मार्च की शाम 6 बजे उस समय हुई जब किसान सुरेन्द्र पटले ने फसल काटकर सुरक्षित रख दी थी। इस घटना में पीड़ित किसान को लगभग प' चास हजार रुपये का आर्थिक नुकसान होने का अनुमान है। जिसकी पीड़ित किसान के द्वारा अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा फसल जलाने का आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दर्ज करवायी गई है।

यह है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम महाराजपुर निवासी अनिल पटले उम्र 36 वर्ष जो वर्तमान में रायपुर में मजदूरी का काम करते हैं। उनके खेत में उनके पिता सुरेन्द्र पटले खेती किसानी की देखरेख करते हैं। घटना दिनांक 26 मार्च की शाम करीब 6 बजे की है खेत में लगभग डेढ़ एकड़ की गेहूं की फसल कटकर रखी हुई थी जिसमें अचानक अज्ञात कारणों से आग लग गई। खेतों से वापस आ रहे किसानो के द्वारा देखा गया कि सुरेंद्र पटले के खेत से धुआँ निकल रहा है। वह जब पास आए तो आगजनी की घटना देखते ही उनके द्वारा तत्काल दूरभाष पर सुरेन्द्र पटले को आगजनी की सूचना दी। सूचना मिलते ही सुरेंद्र पटले के अपने खेत पहुंचे जहां उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया परंतु पूरी फसल जलकर राख हो गई। मामले में सुरेंद्र पटले के पुत्र अनिल पटले के द्वारा रायपुर से आते ही वारासिवनी थाने में घटना की शिकायत की गई। पुलिस ने घटना के संबंध में अनिल पटले की रिपोर्ट पर वारासिवनी पुलिस ने आगजनी क्रमांक 2/26कायम कर मामले को जांच में लिया है। कार्यवाहक प्रधान आरक्षक रामदयाल चौधरी के द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है ताकि आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। इस घटना से किसान परिवार गहरे सदमे में है क्योंकि उनकी मेहनत की गाढ़ी कमाई कुछ ही पलों में राख के ढेर में बदल गई।

अज्ञात लोगों के द्वारा फसल में आग लगाई गयी-अनिल पटले

प्रार्थी अनिल पटले ने बताया की डोंगरगांव रोड़ पर सड़क किनारे हमारा खेत है जहां डेढ़ एकड़ में गेहूं की फसल रबी में हमारे द्वारा लगवाई गई थी। मैं रायपुर में काम करता हूं खेती किसानी हमारे पिताजी देखते हैं खेत में लगी फसल की कटाई हमारे पिताजी के द्वारा करवाई गई थी। यह फसल कटाई 26 मार्च की शाम 4 बजे पूरी हुई थी जिसमें पूरी फसल को एक स्थान पर एकत्रित करके रख दिया गया था। फिर शाम 6 बजे कुछ अज्ञात लोगों के द्वारा उस फसल में आग लगा दी गई है जो पूरी तरह जलकर खाक हो गई है। इस दौरान हमें करीब 50 हजार रुपये का नुकसान हुआ है आग लगने के कारणों और अज्ञात व्यक्तियों का पता लगाने के लिए हमारे द्वारा थाने में रिपोर्ट दर्ज करवायी गई है। हमारी मांग है कि शासन हमें उचित मुआवजा प्रदान करें वही फसल बीमा योजना के तहत भी हमें लाभान्वित करें।

अधिवक्ता संघ के विजयी पदाधिकारियों ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल का सहयोग के लिये किया आभार व्यक्त

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पुरानी मान्यताओं अनेको मिथको को तोडकर विजयश्री हासिल करने वाले नवनिर्वाचित अधिवक्ता संघ 2026 के पदाधिकारियो ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के निवास पर आकर अप्रत्यक्ष रूप से चुनाव में सहयोग करने के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया। वहीं पूर्व मंत्री ने भी सभी विजयी पदाधिकारियों का शाल श्रीफल से सम्मान कर अधिवक्ताओं के हितो में रखी गयी मांगो को शीघ्र पूर्ण करने का आश्वासन प्रदान किया। इस साल अधिवक्ता संघ के चुनाव में बेहद कश्मकश व जीत हार के लिये जबरदस्त मेहनत देखी गयी। कुल 202 मतदाताओं में से 188 अधिवक्ताओं ने मतदान कर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव व सह सचिव के भाग्य का फैसला किया। इस बार पहली बार महिला अधिवक्ताओं ने भी अपने भाग्य को अजमाने का कार्य किया। जिसमें उपाध्यक्ष पद पर श्रीमती वंदना बनोटे व सह सचिव पद पर श्रीमती अनामिका शुक्ला प्रंचड मतो से विजयी हुयी। चुनाव परिणाम के बाद समर्थको ने अपने अपने प्रत्याशीयों की जीत हासिल होने पर उत्साह के साथ जीत का जश्न भी मनाया। इस दौरान अध्यक्ष संदीप नगपुरे, उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना बनोटे, सचिव अभिषेक शुक्ला, सहसचिव श्रीमती अनामिका शुक्ला, कार्यकारिणी सदस्य रितेश शुक्ला, अजय डहाके आदि का पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने शाल श्रीफल से सम्मान किया। चुनावी समर की अनेको उतार चढाव भरी चर्चा के बाद अध्यक्ष, उपाध्याक्ष, सचिव व सहसचिव ने पूर्व मंत्री के समक्ष अपनी विकास कार्यो की बात रखते हुये कहा की ई लायब्रेरी, अधिवक्ता कक्ष के उपर हाल, परिसर में गटटू निर्माण, अधूरी सडक

को पूर्ण करने जैसे अनेको विषयो में हमे गुडडा भैया से उनकी सोच के अनुरूप ही कार्य पूर्ण होने की उम्मीद है। जिस पर सभी कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के आश्वासन ने पुन विजयी पदाधिकारियो को प्रसन्नचित करने का कार्य कर दिया।

आस्था संस्कृति और शौर्य का संगम है कटंगी-गौरव पारधी

क्षेत्र में विविध आयोजनों में विधायक पारधी ने की सक्रिय सहभागिता

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कटंगी क्षेत्र में रामनवमी के पावन अवसर से लेकर ऐतिहासिक विरासत से जुड़े आयोजनों तक विभिन्न ग्रामों में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की समृद्ध श्रृंखला देखने को मिली। इन आयोजनों में विधायक गौरव सिंह पारधी ने सहभागिता कर ना केवल जनभावनाओं से जुड़ाव दिखाया बल्कि आस्था और परंपरा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। रामनवमी के पावन अवसर पर ग्राम पंचायत डोंगरिया में माता मंदिर के भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विधायक गौरव सिंह पारधी सम्मिलित हुए। उन्होंने माता रानी का पूजन अर्चन कर क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर श्रीमती दीपेश्वरी लिल्हारे, ढालसिंह लिल्हारे, स्वप्निल पटले, पलाश बिसेन एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्राम रानी मोहगांवघाट में रामनवमी के पावन पर्व पर आयोजित श्री राम कथा समापन हुआ। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्री राम के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और समस्त क्षेत्र के लिए सुख शांति एवं समृद्धि की कामना की। कथा के समापन अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरा वातावरण भक्ति आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत नजर आया। विधायक गौरवसिंह पारधी ने कहा कि श्री राम कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि यह जीवन को सही दिशा देने वाली प्रेरणादायक गाथा है जो हमें सत्य त्याग और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की सीख देती है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इस आयोजन को एक विशाल जनसमूह के आध्यात्मिक उत्सव में परिवर्तित कर दिया। वहीं ग्राम बोनकट्टा में कटंगी जनपद अध्यक्ष श्रीमती कविता अरविंद देशमुख के निवास पर सुंदरकांड के मंगलमय पाठ का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक गौरव सिंह पारधी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए जहां पूरे वातावरण में आस्था श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस दौरान विधायक गौरव सिंह पारधी ने भगवान श्री राम के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया और क्षेत्र की सुख.शांति व समृद्धि की कामना की। विशेष रूप से उन्होंने भजन मंडली के साथ बैठकर भावपूर्ण राम स्तुति गाकर अपनी श्रद्धा व्यक्त की जिससे उपस्थित श्रद्धालु भी भक्ति में भावविभोर हो उठे। रामनवमी के पावन अवसर पर कटंगी नगर में निकाली गई भव्य शोभायात्रा में विधायक गौरव सिंह पारधी सम्मिलित हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उत्साह और आस्था के साथ शोभायात्रा में शामिल हुए। विधायक गौरव सिंह पारधी ने श्रद्धालुओं के साथ सहभागिता करते हुए भगवान भगवान श्री राम के प्रति श्रद्धा व्यक्त की और सभी के जीवन में सुख.शांति की कामना की। पूरे नगर में जय श्रीराम के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

शीतला माता मंदिर से निकली 151 कलशों की शोभायात्रा

ज्वारा विसर्जन के बाद महाप्रसादी का हुआ वितरण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में स्थित प्राचीन शीतला माता मंदिर में 27 मार्च को प्रात:11 बजे 151 कलशों की शोभायात्रा निकाली गई। चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर 19 मार्च को 151 कलशों की स्थापना व 'वारे बोकर माता रानी के नौ रूपों की आराधना आस्था व भक्तिभाव से की गई। 26 मार्च को हवन पूजन कर अठवाईयां चढ़ाई गई एवं कन्याओं को भोज करवाया गया। 27 मार्च को मंदिर से प्रात: 11 बजे बैडबाजों व जस गायन के साथ 151 कलशों की भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो विभिन्न गलियों का भ्रमण करते हुए चन्दन नदी पहुंची। जहां कलश व ज्वारों का विधि विधान से पूजन अर्चन व आरती कर ज्वारों को विसर्जित किया गया। तत्पश्चात सभी भक्तजन वापस मंदिर पहुंचे जहां सभी को महाप्रसादी वितरण किया गया। इस अवसर पर शीतला माता मंदिर समिति पदाधिकारी सदस्य सहित गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

नौ दिवसीय पर्व में विविध कार्यक्रम हुए आयोजित-योगेंद्र मात्रे

मंदिर सदस्य योगेंद्र मात्रे ने बताया कि चैत्र नवरात्र पर्व आस्था पूर्वक मनाया गया। इस नौ दिवसीय पर्व में विविध कार्यक्रम कीर्तन भजन व जसों का भी आयोजन किया गया एवं अष्टमी पर 26 मार्च को हवन पूजन, 27 मार्च नवमी को कलश व ज्वारो की शोभायात्री निकाली गई। जो मंदिर से सीधे चन्दन नदी पहुंची जहां 'वारे विसर्जित की गई तत्पश्चात महाप्रसादी वितरण किया गया। श्री मात्रे ने बताया कि समिति के द्वारा शारदेय व चैत्र नवरात्र पर्व धूमधाम से मनाया जाता है आगामी समय में यह पर्व और भव्य रूप में मनाया जायेगा। यह मंदिर करीब 300 वर्ष से ज्यादा पुराना है जहां पर नगर वासियों की गहरी आस्था है,ग्राम देवी के रूप में यह मंदिर प्रसिद्ध है जहां से प्रत्येक व्यक्ति अपने शुभ कार्यों की शुरुआत करता है।

दुर्गा मंदिर में हवन पूजन संपन्न

नगर के सब्जी बाजार स्थित प्रसिद्ध श्री दुर्गा माता मंदिर में 27 मार्च को नवमी पर्व पर हवन पूजन कर ज्वारे का विसर्जन किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री दुर्गा माता मंदिर नगर का प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिर है जहां भक्तों की लंबी आस्था जुडी हुई है। मंदिर में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष चैत्र नवरात्र के अवसर पर 19 मार्च को ज्योति कलश प्रचलित कर नवरात्र पर्व हर्षोल्लाह के साथ मनाया गया। जहां बड़ी संख्या में सुबह शाम भक्तों के द्वारा उपस्थिति दर्ज कराकर मां भगवती का आशीर्वाद ग्रहण किया जाता रहा। 26 मार्च को महाष्टमी पर विशेष पूजा अर्चना की गई, वहीं 27 मार्च को नवमी पर्व पर मां भगवती की आराधना कर विधि विधान से हवन पूजन आरती कर ज्वारे का विसर्जन किया गया। कार्यक्रम के अंत में महाप्रसादी का वितरण कर चैत्र नवरात्र पर्व का समापन किया गया।

अमृत नगर में ज्वारों का किया विसर्जन

नगर के वार्ड नं. 1 अम्रत नगर में स्थित माँ सिहवाहिनी दुर्गा माता मंदिर में कलश व ज्वारे बोकर चैत्र नवरात्र पर्व धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया। 27 मार्च की सुबह 5 बजे से मंदिर में विशेष पूजा अर्चना कर हवन पूजा कर मनोकामना 'योति कलशों की शोभायात्रा निकालकर 'वारों का विसर्जन किया गया। इस 9 दिवसीय पर्व में में जस, भजन सहित अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये और भक्तजनों ने पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित किये। इस अवसर पर समिति सदस्य सहित भक्तजनों का सराहनीय योगदान रहा।

खंडवा में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का हुआ शुभारंभ

कलश यात्रा के साथ शुरू हुए विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम खंडवा में धार्मिक भक्ति की बयार बहने लगी है। जन जागृति महिला मंडल समिति खण्डवा के तत्वावधान में 27 मार्च से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का विधिवत मंगल शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के पहले दिन गाँव में भव्य दिव्य कलश यात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कलश यात्रा के पश्चात पीठ पूजन और माहात्म्य वर्णन के साथ कथा का श्रीगणेश किया गया। इस आयोजन में सुप्रसिद्ध कथावाचक पू'य धर्मेंद्र व्यास महाराज धर्माचार्य प्रमुख खातेगांव.तिवडिया अपनी अमृतमयी वाणी से भक्तों को श्रीमद् भागवत महापुराण का रसपान करा रहे हैं। कथा का समय प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक निर्धारित किया गया है। समिति के द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार आगामी दिनों में विभिन्न प्रसंगों का सजीव वर्णन किया जाएगा। 28 मार्च को शुकदेव आगमन, शिव विवाह उत्सव एवं कपिल देवहूति संवाद, 29 मार्च को समुद्र मंथन, वामन अवतार एवं अजामिल व्याख्या, 30 मार्च को श्री कृष्ण जन्मोत्सव, माखन चोरी एवं कालिया मर्दन, 31 मार्च को गोवर्धन पूजा महाराज, उद्धव संवाद एवं रुक्मणी मंगल, 1 अप्रैल को सुदामा चरित्र एवं परीक्षित मोक्ष, 2 अप्रैल को भागवत समापन, व्यास विदाई, हवन पूजन एवं विशाल महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में जन जागृति महिला मंडल की श्रीमती ज्योति राहंगडाले ,लिखवंती

सहारे ,संगीता नागेश्वर ,सरिता कुर्वे सहित समस्त ग्रामवासी एवं महिला मंडल की सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

गायत्री मंदिर में पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी लालबर्रा मार्ग पर स्थित गायत्री शक्तिपीठ मंदिर में 27 मार्च की प्रात: 10 बजे से पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रात: 11 बजे पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ व 16 संस्कार कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। उक्त कार्यक्रम संपन्न करवाने के साथ ही यह भी कहा कि व्यक्ति, परिवार, समाज व राष्ट्र का निर्माण एवं विजय के लिए निरंतर कार्य करते रहना चाहिए और विश्व गुरू की महंता को जन जन तक पहुंचाये भारत माता और भारतीय सांस्कृति का सदैव जय जय करते रहना चाहिए। इस दौरान गायत्री शक्तिपीठ मंदिर में चैत्र नवरात्र पर्व आस्था पूर्वक मनाया गया। 27 मार्च की दोपहर 1 बजे 121 कलश व 'वारों की मंदिर से शोभायात्रा निकालकर मंदिर परिसर में विसर्जन किया गया। तत्पश्चात भंडारा का आयोजन किया गया जिसमें हजारों भक्तजनों ने भंडारा ग्रहण कर गायत्री माता से आशिर्वाद प्राप्त किया। चर्चा में मंदिर सदस्यों ने बताया कि चैत्र नवरात्र पर्व धूमधाम से मनाया गया जिसमें 19 मार्च की सुबह 5 बजे 121 'योति कलश स्थापित व 'वारे बोये गये थे। इस अवसर पर विविध कार्यक्रम भी किये गये और 27 मार्च को पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ व विभिन्न संस्कार कायक्रम संपन्न हुआ। तत्पश्चात कलश व 'वारे विसर्जित कर महाभण्डारा का आयोजन किया गया। मंदिर ट्रस्ट के द्वारा शारदेय व चैत्र नवरात्र पर्व धूमधाम से मनाया जाता है एवं वारासिवनी सहित अन्य जिले के भक्तजन अपनी मनोकामना लेकर माता के दरबार में पहुंचते है गायत्री माता उनकी मनोकामना पूर्ण करती हैं। इस अवसर पर गायत्री मंदिर ट्रस्ट पदाधिकारी सदस्य सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

एक घंटा अंधेरा-भविष्य की सुनहरी रोशनी का वैश्विक संकल्प

प्रकृति और मनुष्य का रिश्ता आदिकाल से एक अटूट डोर से बंधा रहा है, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने उस डोर को इतना खींच दिया है कि अब उसके टूटने की आहट साफ सुनाई देने लगी है। इसी आहट को पहचानने और दुनिया को एक धागे में पिरोने का नाम है—अर्थ ऑवर। हर साल मार्च के आखिरी शनिवार को दुनिया भर के करोड़ों लोग अपनी मर्जी से अपने घरों और दफ्तरों की लाइटें एक घंटे के लिए बंद कर देते हैं। यह केवल बिजली बचाने का कोई तकनीकी काम नहीं है, बल्कि यह धरती के प्रति हमारी कृतज्ञता और चिंता का एक सामूहिक प्रदर्शन है। 28 मार्च की वह शाम जब घड़ी की सुइयां एक खास वक्त पर आकर ठहरेंगी और शहर की चकाचौंध को एक सुकून भरी खामोशी निगल लेगी, तब वह अंधेरा हमें डराएगा नहीं, बल्कि हमें आईना दिखाएगा। सोचिए, जिस सूरज की रोशनी और जिस हवा के झोंकों ने हमें जीवन दिया, आज वही हवा जहरीली हो रही है और वही मौसम बेईमान हो चुके हैं। हम एक ऐसी सभ्यता बन गए हैं जिसने उजाले की इतनी हसरत पाल ली कि हम सितारों भरी काली रातों का सौंदर्य ही भूल गए। अर्थ ऑवर हमें उसी प्राकृतिक सौंदर्य की याद दिलाता है। यह साठ मिनट का समय हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक तपती हुई धरती छोड़कर जा रहे हैं या एक सुरक्षित आशियाना? जब पेरिस के एफिल टॉवर से लेकर मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया तक की लाइटें गुल होती हैं, तो संदेश साफ होता है कि हम चाहे कितने भी आधुनिक क्यों न हो जाएं, कुदरत के नियमों से ऊपर नहीं हैं। नदी जैसे बहते इस जीवन में हम अक्सर भूल जाते हैं कि हर छोटी बूंद समंदर बनाती है। कई लोग सवाल करते हैं कि महज एक घंटा लाइट बंद करने से क्या होगा? क्या इससे ग्लोबल वार्मिंग रुक जाएगी? जवाब है—शायद तुरंत नहीं, लेकिन यह एक घंटा हमारे भीतर की सोई हुई चेतना को जगाने के लिए काफी है। यह एक ऐसी प्रतीकात्मक शुरुआत है जो हमें बताती है कि अगर हम एक घंटे के लिए पूरी दुनिया के साथ एकजुट हो सकते हैं, तो हम साल के बाकी दिनों में भी पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बन सकते हैं। यह अंधेरा दरअसल हमारी आत्मा का वह उजाला है जो हमें प्लास्टिक कम इस्तेमाल करने, पानी बचाने और हरियाली बढ़ाने की प्रेरणा देता है। आज जलवायु परिवर्तन कोई किताबी शब्द नहीं रह गया है, बल्कि यह हमारे दरवाजों पर दस्तक दे रहा है। कहीं बेमौसम बरसात हो रही है, तो कहीं रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है। पहाड़ों का पिघलना और समंदर का बढ़ता स्तर हमें लगातार चेतावनी दे रहा है। अर्थ ऑवर इसी चेतावनी को एक सकारात्मक आंदोलन में बदलने का जरिया है। यह वह समय है जब हम अपनी मशीनी दुनिया से कटकर अपनों के साथ बैठ सकते हैं और उस खामोशी को महसूस कर सकते हैं जिसे हम दिनभर के शोर-शराबे में अनसुना कर देते हैं। अखबारों की सुर्खियों में जब प्रदूषण की खबरें आती हैं, तो हम अक्सर सरकार और सिस्टम को दोष देकर पल्ला झाड़ लेते हैं। लेकिन अर्थ ऑवर हमें व्यक्तिगत जिम्मेदारी का एहसास कराता है। यह बताता है कि दुनिया बदलने की शुरुआत हमारे अपने घर के स्विच बोर्ड से होती है। हमें यह गहराई से समझना होगा कि यह धरती हमें पूर्वजों से मिली कोई जागीर नहीं है, बल्कि हमने इसे अपने बच्चों से उधार लिया है। और उधार ली गई चीज को हमेशा बेहतर स्थिति में ही वापस लौटाना चाहिए।

जेलों में मौतें, आत्महत्याएं, अव्यवस्थाएं -सलाखों के पीछे भी असुरक्षित जीवन?

सुप्रीम कोर्ट का नोटिस,राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का स्वत: संज्ञान- जेल व्यवस्था, मानवाधिकार और न्याय प्रणाली पर वैश्विक प्रश्नचिन्ह

वैश्विक स्तरपर आधुनिक लोकतांत्रिक समाज में जेल का उद्देश्य केवल अपराधी को दंडित करना नहीं, बल्कि उसे सुधारना और पुनर्वास के लिए तैयार करना भी होता है। परंतु जब जेलें स्वयं ही भय,बीमारी और उपेक्षा का केंद्र बन जाएं,तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम वास्तव में न्याय कर रहे हैं या एक और अन्याय को जन्म दे रहे हैं? सलाखों के पीछे भी सेफ नहीं?, यह केवल एक भावनात्मक प्रश्न नहीं,बल्कि कठोर वास्तविकता का दर्पण है।अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुसार,कैदियों से उनका स्वतंत्रता का अधिकार तो छीना जा सकता है,लेकिन उनका जीवन, स्वास्थ्य और गरिमा का अधिकार नहीं।इसके बावजूद भारत सहित दुनियाँ के कई देशों में जेलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित नेल्सन मंडेला नियम (यू एन स्टैंडर्ड मिनिमम् रूल्स फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ प्रिजनर्स) स्पष्ट रूप से कहते हैं कि कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार किया जाना चाहिए।उन्हें पर्याप्त भोजन,स्वच्छ पानी,स्वास्थ्य सुविधाएं और मानसिक स्वास्थ्य सहायता मिलनी चाहिए। लेकिन व्यवहारिक धरातल पर इन सिद्धांतों और वास्तविकता के बीच गहरी खाई दिखाई देती है। जेलें, जो सुधार गृह मानी जाती हैं,अक्सर प्रताड़ना, हिंसा और उपेक्षा के केंद्र बन जाती हैं। यह स्थिति केवल विकासशील देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित देशों में भी कई बार ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं।

साथियों बात अगर हम भारत में जेलों की भीड़-एक गंभीर संरचनात्मक संकट को समझने की करें तो,भारत की जेल व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या है,क्षमता से अधिक भीड़। कई राज्यों में जेलों की ऑक्यूपेंसी दर 150 प्रतिशत से लेकर 200 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। उदाहरण के तौर पर, दिल्ली की जेलों में 200 प्रतिशत तक कैदी भरे हुए हैं, जबकि उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में यह आंकड़ा 150 प्रतिशत से अधिक है। इस भीड़ का सबसे बड़ा कारण है विचाराधीन कैदियों की अत्यधिक संख्या। आंकड़ों के अनुसार, भारत के लगभग 73.5 प्रतिशत कैदी ऐसे हैं जिनका अभी दोष सिद्ध नहीं हुआ है और वे केवल ट्रायल का इंतजार कर रहे हैं। यह स्थिति न्यायिक प्रणाली की धीमी गति और मामलों के लंबित रहने का सीधा परिणाम है।

साथियों बात अगर हम विचाराधीन कैदी- न्याय से पहले सजा? इसको समझने की करें तो,विचाराधीन कैदी वह होते हैं जिन्हें अभी अदालत ने दोषी नहीं ठहराया है, फिर भी वे वर्षों तक जेल में बंद रहते हैं। यह स्थिति निर्दोषता की धारणा (प्रेसम्प्शन ऑफ इनोसेंस) के सिद्धांत के विपरीत है। न्यायिक देरी के कारण कई कैदी अपने संभावित सजा से अधिक समय जेल में बिता देते हैं। यह न केवल उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़ा करता है।जेलों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय है। डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों के लगभग 30-40 प्रतिशत पद खाली हैं।दिल्ली जैसी जगहों पर प्रति 200 कैदियों पर केवल एक डॉक्टर उपलब्ध है।इसका परिणाम यह होता है कि गंभीर बीमारियों का समय पर इलाज नहीं हो पाता। अस्वच्छता और भीड़भाड़ के कारण टीबी, एचआईवी और हेपेटाइटिस जैसी संक्रामक बीमारियां तेजी से फैलती हैं। वर्ष 2024 के पहले नौ महीनों में भारत में न्यायिक हिरासत में 1,558 मौतें दर्ज की गईं,यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, बल्कि एक गंभीर मानवीय संकट का संकेत है।इन मौतों के पीछे मुख्य कारण हैं,बीमारियां, आत्महत्याएं और चिकित्सा सुविधाओं की बहुत हद तक कमी।

साथियों बात अगर हम छत्तीसगढ़ का मामला- एक राज्य, कई सवाल इसको समझने की करें तो छत्तीसगढ़ की जेलों में पिछले चार वर्षों में 285 कैदियों की मौत का मामला पूरे देश को झकझोर देने वाला है। इनमें से 90 मौतें केवल 2022 में हुईं और 66 मौतें जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच दर्ज की गईं। राज्य सरकार ने इन मौतों के पीछे आत्महत्या और गंभीर बीमारियों को कारण बताया है।इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने स्वत: संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने जेलों में भीड़भाड़, डॉक्टरों की कमी और प्रशासनिक लापरवाही को संभावित कारण बताया है। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं,तो यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा।

साथियों बात अगर हम न्यायपालिका की सक्रियता- सुधार की दिशा में कदम को समझने की करें तो हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जेलों की स्थिति पर ताजा आंकड़े प्रस्तुत करने का निर्देश 26 मई 2026 तक सबमिट करने को दिया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने जेलों कीक्षमता भीड़भाड़ और महिला कैदियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का विस्तृत विवरण मांगा है।यह कदम दर्शाता है कि न्यायपालिका इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है। विशेष रूप से महिला कैदियों और उनके साथ रहने वाले बच्चों की स्थिति पर ध्यान देना एक सकारात्मक पहल है, क्योंकि यह वर्ग अक्सर नीति निर्माण में उपेक्षित रह जाता है।

साथियों बात अगर हम मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्याएं- अदृश्य संकट इसको समझने की करें तो जेलों में मानसिक स्वास्थ्य एक बड़ा लेकिन अनदेखा मुद्दा है। भीड़भाड़, पारिवारिक दूरी, सामाजिक कलंक और अनिश्चित भविष्य कैदियों को मानसिक रूप से कमजोर बना देता है। यही कारण है कि जेलों में आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।ग्लोबल प्रिजन ट्रेंड्स 2025 रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में जेलों के भीतर आत्महत्या और हिंसा के मामलों में वृद्धि हुई है। यह केवल एक देश की समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर जेल सुधार की आवश्यकता को दर्शाता है।

साथियों बात अगर हम संचार और मानवीय संपर्क- एक नई पहल इसको समझने की करें तो, कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए संचार के साधनों को बढ़ाना आवश्यक है। इसी दिशा में भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा एक प्रस्ताव लाया गया है, जिसमें कैदियों को अपने परिवारजनों से मुफ्त वीडियो और ऑडियो कॉल के माध्यम से संवाद करने की अनुमति देने की बात कही गई है।यह पहल कैदियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने और उनके सामाजिक संबंधों को बनाए रखने में मदद कर सकती है। आधुनिक तकनीक का उपयोग जेल सुधार के लिए एक प्रभावी माध्यम बन सकता है।

साथियों बात अगर हम सुधार की दिशा में आवश्यक कदम को समझने की करें तो जेल सुधार के लिए बहु आयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, न्यायिक प्रक्रिया को तेज करना होगा ताकि विचाराधीन कैदियों की संख्या कम हो सके। इसके लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट, डिजिटल सुनवाई और वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को बढ़ावा देना होगा।दूसरा, जेलों की क्षमता बढ़ाने और नए सुधार गृहों का निर्माण करना आवश्यक है। तीसरा, स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना होगा,डॉक्टरों की भर्ती, नियमित स्वास्थ्य जांच और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना होगा।चौथा कैदियों के लिए कौशल विकास और शिक्षा कार्यक्रम शुरू करने होंगे ताकि वे समाज में पुन: स्थापित हो सकें।पांचवां, जेल प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी, जिसमें स्वतंत्र निगरानी तंत्र की स्थापना महत्वपूर्ण होगी।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य- एक साझा चुनौती को समझने की करें तो जेलों की बदहाल स्थिति केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका,ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और फिलीपींस जैसे देशों में भी जेलों में भीड़भाड़, हिंसा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी जैसी समस्याएं मौजूद हैं।हालांकि, कुछ देशों ने सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। उदाहरण के लिए, नॉर्वे की जेल व्यवस्था को दुनिया में सबसे मानवीय माना जाता है, जहां कैदियों को पुनर्वास और कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यह मॉडल अन्य देशों के लिए प्रेरणा बन सकता है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि न्याय का असली अर्थ,जेलें किसी भी सभ्य समाज का दर्पण होती हैं। यदि जेलों में मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, तो यह पूरे समाज की विफलता का संकेत है। सजा का उद्देश्य प्रतिशोध नहीं, बल्कि सुधार और पुनर्वास होना चाहिए। सलाखों के पीछे भी सेफ नहीं? यह प्रश्न हमें आत्ममंथन करने के लिए मजबूर करता है। क्या हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां न्याय केवल कागजों तक सीमित है, या हम वास्तव में एक मानवीय और न्यायपूर्ण व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं?समय आ गया है कि जेल सुधार को प्राथमिकता दी जाए,क्योंकि न्याय केवल अदालतों में नहीं, बल्कि जेलों की दीवारों केभीतर भी सुनिश्चित होना चाहिए।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

समान नागरिक संहिता का गुजरात मॉडल-एक देश एक कानून की दिशा में निर्णायक कदम

गुजरात विधानसभा में पारित 'यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) विधेयक, 2026' केवल एक कानून नहीं, बल्कि भारतीय समाज की संरचना में एक व्यापक बदलाव का संकेत है। यह विधेयक उस लंबे विमर्श का परिणाम है, जो दशकों से समान नागरिक कानून की अवधारणा को लेकर देश में चलता रहा है। अब गुजरात ने इस दिशा में ठोस पहल करते हुए विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और लिव-इन संबंधों जैसे व्यक्तिगत मामलों में एक समान कानूनी ढांचा लागू करने का साहसिक निर्णय लिया है। यह कदम भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 की भावना के अनुरूप है, जो राज्य को सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में प्रयास करने का निर्देश देता है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा प्रस्तुत इस विधेयक का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कानून के सामने सभी नागरिक समान हों, चाहे उनका धर्म, आस्था या परंपरा कुछ भी हो। लंबे समय से भारत में अलग-अलग धार्मिक समुदायों के लिए अलग-अलग व्यक्तिगत कानून लागू होते रहे हैं, जिनमें विवाह, तलाक और संपत्ति से जुड़े नियम भिन्न-भिन्न रहे हैं। इससे कई बार सामाजिक और कानूनी असमानताएं उत्पन्न होती रही हैं, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के संदर्भ में। यूसीसी इन असमानताओं को समाप्त करने की दिशा में एक ठोस कदम माना जा रहा है।

इस विधेयक की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह सार्वजनिक कानून के रूप में सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होगा। इसका मतलब यह है कि अब व्यक्तिगत मामलों में भी राज्य एक समान नियम लागू करेगा, जिससे कानून की व्याख्या और क्रियान्वयन में एकरूपता आएगी। विवाह का अनिवार्य पंजीकरण, तलाक के लिए समान प्रक्रिया, और उत्तराधिकार में पुत्र-पुत्री को समान अधिकार—ये सभी प्रावधान इस बात को स्पष्ट करते हैं कि कानून अब व्यक्ति की धार्मिक पहचान के बजाय उसकी नागरिक पहचान को प्राथमिकता देगा।

विधेयक में लिव-इन संबंधों को भी कानूनी दायरे में लाया गया है, जो आधुनिक समाज की बदलती वास्तविकताओं को स्वीकार करने का संकेत है। ऐसे संबंधों का एक महीने के भीतर पंजीकरण अनिवार्य किया गया है, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और विवादों की स्थिति में कानूनी संरक्षण उपलब्ध होगा। यह प्रावधान विशेष रूप से महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि अनौपचारिक संबंधों में अक्सर महिलाएं कानूनी सुरक्षा से वंचित रह जाती थीं।

यूसीसी का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाया गया है। अब किसी भी विवाह को तभी वैध माना जाएगा, जब दोनों पक्षों में से किसी का कोई जीवित जीवनसाथी न हो। यह प्रावधान न केवल कानूनी स्पष्टता प्रदान करता है, बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, विधेयक में यह भी स्पष्ट किया गया है कि कोर्ट के बाहर लिए गए तलाक को मान्यता नहीं दी जाएगी, जिससे मनमाने और एकतरफा निर्णयों पर रोक लगेगी।

हालांकि यह कानून व्यापक रूप से लागू किया गया है, लेकिन अनुसूचित जनजातियों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है। यह निर्णय उनकी पारंपरिक जीवनशैली और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से लिया गया है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि सरकार ने समानता और सांस्कृतिक विविधता के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश की है।

गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने विधानसभा में चर्चा के दौरान स्पष्ट किया कि यह विधेयक किसी धर्म या आस्था के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह सामाजिक न्याय और समानता को सुनिश्चित करने का प्रयास है। उन्होंने यह भी बताया कि इस विधेयक को तैयार करने से पहले व्यापक जनपरामर्श किया गया, जिसमें लगभग 20 लाख सुझाव प्राप्त हुए। इनमें से अधिकांश सुझाव इस कानून के समर्थन में थे, जो यह दर्शाता है कि समाज में एक समान कानून की आवश्यकता को लेकर व्यापक सहमति बन रही है।

इस विधेयक के निर्माण में रंजना देसाई की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिशों को आधार बनाया गया है। यह तथ्य इस कानून को और अधिक विश्वसनीय बनाता है, क्योंकि इसमें न्यायिक दृष्टिकोण और विशेषज्ञता का समावेश है। समिति ने विभिन्न पहलुओं का गहन अध्ययन कर यह सुनिश्चित किया कि कानून व्यावहारिक, न्यायसंगत और संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप हो।

यूसीसी के तहत नियमों के उल्लंघन पर सख्त दंड का प्रावधान भी किया गया है। पंजीकरण नहीं कराने पर जुर्माना, बहुविवाह या धोखाधड़ी के मामलों में कठोर सजा, और अवैध तलाक पर दंड—ये सभी प्रावधान यह सुनिश्चित करते हैं कि कानून केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका प्रभावी क्रियान्वयन भी हो।

गुजरात का यह कदम राष्ट्रीय स्तर पर भी एक महत्वपूर्ण संदेश देता है। यह दर्शाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहमति हो, तो समान नागरिक संहिता जैसे जटिल विषय पर भी ठोस प्रगति की जा सकती है। आने वाले समय में यह मॉडल अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा बन सकता है और देशव्यापी यूसीसी लागू करने की दिशा में मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

अंतत:, यह कहा जा सकता है कि गुजरात में पारित यूसीसी विधेयक भारतीय लोकतंत्र के विकास की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। यह कानून न केवल समानता और न्याय के सिद्धांतों को मजबूत करता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि हर नागरिक को उसकी धार्मिक पहचान से परे एक समान कानूनी अधिकार मिले। यदि इसका प्रभावी क्रियान्वयन होता है, तो यह समाज में समरसता, न्याय और एकता को नई दिशा दे सकता है।

- कांतिलाल मांडोत

जलवायु परिवर्तन: भविष्य नहीं, वर्तमान का महाविनाशकारी संकट

-ललित गर्ग

आज मानव सभ्यता जिस सबसे बड़े संकट के सामने खड़ी है, वह युद्ध, महामारी या आर्थिक मंदी नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन है। दुनिया आज जलवायु संकट के ऐसे मोड़ पर खडी है, जहां हर नया आंकड़ा खतरे की घंटी बनकर सामने आ रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि 2015-2025 का दशक अब तक का सबसे गर्म दौर रहा है। यह केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि पृथ्वी के बदलते स्वभाव का गंभीर संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है और पृथ्वी का एनर्जी इम्बैलेंस लगातार बढ़ रहा है। महासागर, जो जलवायु संतुलन के सबसे बड़े नियंत्रक माने जाते हैं, अब 90 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त गर्मी सोख रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि पृथ्वी का तापमान केवल हवा में ही नहीं, जल और भूमि के भीतर भी बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन अब धीरे-धीरे आने वाली समस्या नहीं रही, बल्कि यह वर्तमान का संकट बन चुका है। दुनिया के अनेक हिस्सों में असामान्य गर्मी, बाढ़, सूखा, चक्रवात और जंगल की आग जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। प्रति का संतुलन बिगड़ रहा है और मौसम का मिजाज अनिश्चित होता जा रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है तो कहीं महीनों तक बारिश नहीं हो रही। यह असंतुलन सीधे-सीधे मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इस बदलते मौसम ने सबसे ज्यादा मनुष्य के स्वास्थ्य पर हमला किया है।

भारत के संदर्भ में यह संकट और भी गंभीर रूप लेता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेक शहरों में तापमान 48 से 50 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि पहले 45 डिग्री को ही अत्यधिक गर्मी माना जाता था। अब असामान्य गर्मी ने फरवरी और मार्च जैसे महीनों को भी झुलसाना शुरू कर दिया है। हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ रही हैं। इसका असर केवल स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि बिजली, पानी, खेती, श्रम, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी ने केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि वन्यजीव, पेड़-पौधे और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को भी संकट में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण मानव का विकास मॉडल है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को लगातार गर्म कर रहा है। आज वैश्विक तापमान लगभग एक लाख 25 हजार वर्षों के उच्चतम स्तर के आसपास पहुंच चुका है। यह स्थिति बताती है कि समस्या प्रकृति में नहीं, बल्कि मानव की जीवनशैली और विकास की दिशा में है।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां इस संकट को और अधिक खतरनाक बना रही हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध की स्थितियां बनी हुई हैं। युद्ध केवल मानव जीवन और अर्थव्यवस्था को ही नष्ट नहीं करते, बल्कि पर्यावरण को भी गहरा नुकसान पहुंचाते हैं। युद्ध में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक, रसायन, धातु, ईंधन और आग से वातावरण में भारी मात्रा में जहरीली गैसें फैलती हैं। तेल भंडारों में आग, रासायनिक संयंत्रों का नष्ट होना और सैन्य गतिविधियां वातावरण में कार्बन उत्सर्जन को कई गुना बढ़ा देती हैं। इस प्रकार युद्ध और जलवायु परिवर्तन मिलकर पृथ्वी को दोहरे संकट की ओर धकेल रहे हैं। भारत सहित दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत जिले किसी न किसी जलवायु जोखिम के दायरे में आ चुके हैं। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। दूसरी ओर समुद्र का जलस्तर बढ़ने से मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों पर खतरा मंडरा रहा है। यदि समुद्र स्तर इसी गति से बढ़ता रहा तो आने वाले दशकों में तटीय आबादी का बड़े पैमाने पर विस्थापन हो सकता है। यह केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट भी बन सकता है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह स्पष्ट है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कटौती नहीं की गई, तो तापमान के नए-नए रिकॉर्ड टूटते रहेंगे और पृथ्वी रहने योग्य स्थान कम होती जाएगी। जल संकट, खाद्य संकट, स्वास्थ्य संकट और प्रवासन जैसी समस्याएं बढ़ेंगी। दुनिया के अनेक वैज्ञानिक अब चेतावनी दे रहे हैं कि यदि तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का पारिस्थितिक संतुलन गंभीर रूप से बिगड़ सकता है। लेकिन इस संकट में ही अवसर भी छिपा हुआ है। यह समय विकास मॉडल को बदलने का है। ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। शहरों को कंक्रीट के जंगल बनाने के बजाय हरित शहर बनाना होगा। जल प्रबंधन को जन आंदोलन बनाना होगा। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और नदियों के संरक्षण पर गंभीरता से काम करना होगा। कृषि को जलवायु अनुकूल बनाना होगा, कम पानी वाली फसलों और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। साथ ही जिला स्तर पर हीट एक्शन प्लान, जल संरक्षण योजना, वृक्षारोपण अभियान और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम लागू करने होंगे। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई केवल सरकारें नहीं जीत सकतीं, इसके लिए समाज, उद्योग, वैज्ञानिक और आम नागरिक सभी को मिलकर काम करना होगा।

दुनिया की महाशक्तियों के लिए यह समय सबसे बड़ी परीक्षा का समय है। यदि वे केवल आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति की दौड़ में ही उलझी रहीं और पृथ्वी के भविष्य की चिंता नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियां उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्हें यह समझना होगा कि पृथ्वी बचेगी तो अर्थव्यवस्था भी बचेगी, मानव सभ्यता भी बचेगी और विकास भी बचेगा। यदि पृथ्वी ही तपती और असंतुलित हो गई, तो सारी प्रगति बेकार हो जाएगी। आज आवश्यकता है कि दुनिया की महाशक्तियां कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कठोर और बाध्यकारी नीतियां बनाएं, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करें, वनों की कटाई रोकें और हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दें। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ जाएगा कि अनेक क्षेत्र रहने योग्य नहीं रहेंगे। निश्चित तौर पर जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चुनौती नहीं, वर्तमान का संकट है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को एक असंतुलित और तपती हुई पृथ्वी विरासत में मिलेगी। यह तपती हुई पृथ्वी मानव जीवन के लिए विनाश का कारण भी बन सकती है। लेकिन यदि दुनिया समय रहते चेत गई, तो यही संकट एक नए, संतुलित और टिकाऊ विकास मॉडल की शुरुआत भी बन सकता है। पृथ्वी को बचाना अब विकल्प नहीं, मानव अस्तित्व की अनिवार्यता बन चुका है।

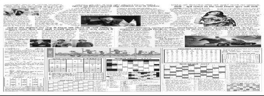

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय किराना बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। जीरे व शक्कर में मजबूती रही। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा, बाजार सुर्खी के रहे। रामनवमी के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार जीरे में आवकें कमजोर है। घरेलू उपभोक्ता माँग बनने लगी है। जिससे जीरे में बाजार सुधार के रहे। शक्कर में सुर्खी रही। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा ही रहा। बाजार मजबूती पर बने रहे। भाव इस प्रकार रहे -

किराना- शक्कर 4120-4180, खोपरा गोला 320-380, खोपरा बूरा 3800-7000 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 260-270, मीडियम 270-280, बेस्ट 290-295, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 280-290, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनकलीन 1200-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, बाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 450-1100, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 2000-2100, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 1675-1775, मीडियम 1825-1875, बेस्ट 1925-2050, एक्स्ट्रा बोल्ड 2250-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1575-1850, बेस्ट1900-2100, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 880-920, सिंगापुरी 820-840, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1500-1700, बेस्ट 1700-1800, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2800-2850, (160) 2800-2900, (200) 2900-3000, (250) 3000-3100

तेल- सींगदाना 1750-1770, मुम्बई 1780, राजकोट तेलिया 2750-2755, सोया साल्वेंट 1455-1460, सोया रिफाईंड 1515-1520, कपास्या 1390, धूलिया 1395, कड़ी 1400,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1725-1730, मुम्बई पाम 1450, मुम्बई सोया 1540,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2275, देवास-उज्जैन 2275, खंडवा-बुरहानपुर 2250, अकोला 3525 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7200, रायडा 5800-6200, सोयाबीन 5500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5400-5500, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबुली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5760-5800, एवरेज 5600-5700, मूंग देशी 8100-8200, पाला 8200-8300, चमकी 8300-8400, नायलोन 8300-8400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, तुअर महाराष्ट्र 7800-8000, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7200-7500, काली मुंछ 8800-9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रु. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 228000, चाँदी (99) 227000, टंच 226500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 147800,

मिडिल ईस्ट तनाव का असर, रुपया टूटा, 94 प्रति डॉलर के पार पहुंचा

मुंबई। एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी भू-राजनीतिक तनाव अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाल रहा है, और भारत भी इससे अछूता नहीं है। शुक्रवार को भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। दिन के कारोबार के दौरान रुपया 94.1575 प्रति डॉलर तक गिर गया, जो इससे पहले के 93.98 के रिकॉर्ड स्तर से भी नीचे है। पिछले कुछ हफ्तों में रुपया करीब 3.5 फीसदी तक कमजोर हो चुका है। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी है। मिडिल ईस्ट में संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका बनी हुई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं। भारत, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इस स्थिति से सीधे प्रभावित हो रहा है।

वैश्विक अनिश्चितता से गिरावट के साथ खुले भारतीय शेयर बाजार

मुंबई। एजेंसी। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच गिरावट के साथ खुला। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित युद्धविराम को लेकर जारी अनिश्चितता ने निवेशकों को सतर्क बना दिया है, जिसका असर घरेलू बाजार पर साफ दिखा। शुरुआती कारोबार में ही बीएसई सेंसेक्स 500 अंकों से अधिक गिरकर 74,883.79 पर खुला। खुलने के तुरंत बाद गिरावट और तेज हो गई। सुबह 9:27 बजे सेंसेक्स 784.99 अंक यानी 1.04 प्रतिशत टूटकर 74,488.46 पर कारोबार करता दिखा। इसी तरह निफ्टी 50 भी दबाव में रहा। निफ्टी 23,173.55 पर खुला, लेकिन

जल्द ही गिरावट गहराते हुए सुबह 9:31 बजे 270.05 अंक या 1.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,082.10 पर पहुंच गया। बाजार में गिरावट की एक बड़ी वजह इंडेक्स हैवीवेट शेयरों में बिकवाली रही। खासतौर पर एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में कमजोरी ने बाजार पर नकारात्मक दबाव डाला। इसके अलावा, डॉलर के मुकाबले रुपये में आई तेज गिरावट ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया है। कमजोर रुपये से विदेशी निवेशकों का भरोसा डगमगा सकता है, जिससे बाजार में पूंजी निकासी का जोखिम बढ़ जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार जब तक वैश्विक स्तर पर स्थिति स्पष्ट नहीं होती, तब तक बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। ऐसे में निवेशकों को सतर्क रहकर निवेश संबंधी फैसले लेने की सलाह दी जा रही है।

होर्मुज स्ट्रेट खुला लेकिन समुद्री बीमा प्रीमियम महंगा, शिपिंग लागत और जोखिम बढ़े

नई दिल्ली। एजेंसी। ईरान ने कहा है कि गैर-आक्रामक जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजर सकते हैं यदि वे ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करें। हालांकि यह कदम कुछ राहत देने वाला प्रतीत हो सकता है, बीमा विशेषज्ञों का मानना है कि क्षेत्रीय अनिश्चितता और हालिया तनावों के कारण समुद्री युद्ध बीमा प्रीमियम अभी भी ऊंचे रहेंगे। एक समुद्री विशेषज्ञ ने कहा कि हाल की घोषणाओं से प्रीमियम में कोई तत्काल कमी नहीं आएगी। स्थिति अस्थिर बनी हुई है और किसी भी नए हमले या तनाव से प्रीमियम फिर बढ़ सकते हैं। वर्तमान में युद्ध बीमा पर लगभग 0.5 प्रतिशत और समुद्री पतवार बीमा पर 5-7.5 प्रतिशत अतिरिक्त प्रीमियम लगाया जा रहा है। होर्मुज स्ट्रेट के माध्यम से दुनिया के लगभग एक-पांचवां तेल और एलएनजी शिपमेंट गुजरते हैं। हाल के हमलों और राजनीतिक तनाव ने कई पुनर्बीमाकर्ताओं को इस मार्ग को उच्च जोखिम क्षेत्र घोषित करने और बीमा दरें बढ़ाने के लिए मजबूर किया है। कई शिपिंग कंपनियों ने इस मार्ग से आवागमन भी रोक दिया है। लाल सागर और काला सागर के साथ यह क्षेत्र भी मौजूदा तनाव के कारण उच्च जोखिम वाला माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल ईरान की घोषणा से समुद्री युद्ध बीमा दरों में कमी संभव नहीं। स्थायी शांति और स्पष्ट राजनीतिक समाधान के बिना प्रीमियम ऊंचे बने रहेंगे। बीमा कंपनियों की नजर सतर्क रहेगी और समय के साथ स्थिरता दिखाई देने तक उच्च प्रीमियम जारी रहेंगे।

पेट्रोल पर तीन व डीजल पर 10 रुपए घटी एक्साइज ड्यूटी, तेल कंपनियों को फायदा

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर टैक्स और निर्यात नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए एक्साइज ड्यूटी में भारी कटौती की है। हालांकि इस फैसले से आम उपभोक्ताओं को तुरंत राहत मिलने की संभावना नहीं है, क्योंकि पेट्रोल-डीजल के रिटेल दामों में फिलहाल कोई कमी नहीं की गई है। सरकार का यह कदम ऊर्जा क्षेत्र में टैक्स ढांचे को सरल और तार्किक बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में बड़ा बदलाव किया है। पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जबकि डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की ड्यूटी को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार ये नए नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। हालांकि इस कटौती के बावजूद आम लोगों को पेट्रोल-डीजल के दामों में किसी तरह की राहत नहीं मिलेगी। इसकी मुख्य वजह यह है कि तेल विपणन कंपनियां इस कटौती से होने वाले लाभ का उपयोग अपने नुकसान की भरपाई करने में करेंगी। पिछले समय में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के कारण इन कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा था। ऐसे में अब लागत कम होने से उनके मुनाफे और कैश फ्लो में सुधार होगा। सरकार ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 2017 में भी संशोधन किया है। इसके तहत पेट्रोल, हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) और एटीएफ पर नियम 18 और 19 के प्रावधान लागू नहीं होंगे। हालांकि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों को पड़ोसी देशों नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका को ईंधन निर्यात करने पर पहले की तरह छूट मिलती रहेगी। निर्यात के मोर्चे पर भी सरकार ने अहम बदलाव किए हैं। हाई-स्पीड डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 18.5 रुपये प्रति लीटर तय किया गया है, जबकि पेट्रोल के निर्यात पर इस शुल्क को शून्य रखा गया है। इससे पेट्रोल निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा निर्यात और विदेशी एयरलाइंस को ईंधन आपूर्ति के मामलों में बुनियादी उत्पाद शुल्क और कृषि उपकर को हटाने का फैसला किया गया।आज मानव सभ्यता जिस सबसे ब?े संकट के सामने ख?ी है, वह युद्ध, महामारी या आर्थिक मंदी नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन है। दुनिया आज जलवायु संकट के ऐसे मो? पर ख?ी है, जहां हर नया आंक?ा खतरे की घंटी बनकर सामने आ रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि 2015-2025 का दशक अब तक का सबसे गर्म दौर रहा है। यह केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि पृथ्वी के बदलते स्वभाव का गंभीर संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है और पृथ्वी का एनर्जी इम्बैलेंस लगातार ब? रहा है। महासागर, जो जलवायु संतुलन के सबसे ब?े नियंत्रक माने जाते हैं, अब 90 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त गर्मी सोख रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि पृथ्वी का तापमान केवल हवा में ही नहीं, जल और भूमि के भीतर भी ब? रहा है। जलवायु परिवर्तन अब धीरे-धीरे आने वाली समस्या नहीं रही, बल्कि यह वर्तमान का संकट बन चुका है। दुनिया के अनेक हिस्सों में असामान्य गर्मी, बा?, सूखा, चक्रवात और जंगल की आग जैसी घटनाएं तेजी से ब? रही हैं। प्रकृति का संतुलन बिग? रहा है और मौसम का मिजाज अनिश्चित होता जा रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा से बा? आ रही है तो कहीं महीनों तक बारिश नहीं हो रही। यह असंतुलन सीधे-सीधे मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इस बदलते मौसम ने सबसे ज्यादा मनुष्य के स्वास्थ्य पर हमला किया है।

भारत के संदर्भ में यह संकट और भी गंभीर रूप लेता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेक शहरों में तापमान 48 से 50 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि पहले 45 डिग्री को ही अत्यधिक गर्मी माना जाता था। अब असामान्य गर्मी ने फरवरी और मार्च जैसे महीनों को भी झुलसाना शुरू कर दिया है। हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता दोनों ब? रही हैं। इसका असर केवल स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि बिजली, पानी, खेती, श्रम, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी प? रहा है। ब?ती गर्मी ने केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि वन्यजीव, पे?-पौधे और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को भी संकट में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन के पीछे सबसे ब?ा कारण मानव का विकास मॉडल है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को लगातार गर्म कर रहा है। आज वैश्विक तापमान लगभग एक लाख 25 हजार वर्षों के उच्चतम स्तर के आसपास पहुंच चुका है। यह स्थिति बताती है कि समस्या प्रकृति में नहीं, बल्कि मानव की जीवनशैली और विकास की दिशा में है।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां इस संकट को और अधिक खतरनाक बना रही हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध की स्थितियां बनी हुई हैं। युद्ध केवल मानव जीवन और अर्थव्यवस्था को ही नष्ट नहीं करते, बल्कि पर्यावरण को भी गहरा नुकसान पहुंचाते हैं। युद्ध में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक, रसायन, धातु, ईंधन और आग से वातावरण में भारी मात्रा में जहरीली गैसें फैलती हैं। तेल भंडारों में आग, रसायनिक संयंत्रों का नष्ट होना और सैन्य गतिविधियां वातावरण में कार्बन उत्सर्जन को कई गुना ब?ा देती हैं। इस प्रकार युद्ध और जलवायु परिवर्तन मिलकर पृथ्वी को दोहरे संकट की ओर धकेल रहे हैं। भारत सहित दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत जिले किसी न किसी जलवायु जोखिम के दायरे में आ चुके हैं। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। दूसरी ओर समुद्र का जलस्तर ब?ने से मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों पर खतरा मंडरा रहा है। यदि समुद्र स्तर इसी गति से ब?ता रहा तो आने वाले दशकों में तटीय आबादी का ब?े पैमाने पर विस्थापन हो सकता है। यह केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट भी बन सकता है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह स्पष्ट है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कटौती नहीं की गई, तो तापमान के नए-नए रिकॉर्ड टूटते रहेंगे और पृथ्वी रहने योग्य स्थान कम होती जाएगी। जल संकट, खाद्य संकट, स्वास्थ्य संकट और पलायन जैसी समस्याएं ब?ेंगी। दुनिया के अनेक वैज्ञानिक अब चेतावनी दे रहे हैं कि यदि तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का पारिस्थितिक संतुलन गंभीर रूप से बिग? सकता है। लेकिन इस संकट में ही अवसर भी छिपा हुआ है। यह समय विकास मॉडल को बदलने का है। ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा को ब?ावा देना होगा। शहरों को कंक्रीट के जंगल बनाने के बजाय हरित शहर बनाना होगा। जल प्रबंधन को जन आंदोलन बनाना होगा। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और नदियों के संरक्षण पर गंभीरता से काम करना होगा। कृषि को जलवायु अनुकूल बनाना होगा, कम पानी वाली फसलों और प्राकृतिक खेती को ब?ावा देना होगा। साथ ही जिला स्तर पर हीट एक्शन प्लान, जल संरक्षण योजना, वृक्षारोपण अभियान और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम लागू करने होंगे। जलवायु परिवर्तन से ल?ाई केवल सरकारें नहीं जीत सकतीं, इसके लिए समाज, उद्योग, वैज्ञानिक और आम नागरिक सभी को मिलकर काम करना होगा।

दुनिया की महाशक्तियों के लिए यह समय सबसे ब?ी परीक्षा का समय है। यदि वे केवल आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति की दौ? में ही उलझी रहीं और पृथ्वी के भविष्य की चिंता नहीं की, तो आने वाली पी?ियां उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्हें यह समझना होगा कि पृथ्वी बचेगी तो अर्थव्यवस्था भी बचेगी, मानव सभ्यता भी बचेगी और विकास भी बचेगा। यदि पृथ्वी ही तपती और असंतुलित हो गई, तो सारी प्रगति बेकार हो जाएगी। आज आवश्यकता है कि दुनिया की महाशक्तियां कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कठोर और बाध्यकारी नीतियां बनाएं, जीवाश्म

मेष- आज आप पूरी लगन और मेहनत के साथ अपने कामों में जुटे रहेंगे, जिसका परिणाम भी आपको अच्छा मिलेगा। आपके अधूरे काम आसानी से पूरे हो सकते हैं। हालांकि, संतान की संगति पर थोड़ा विशेष ध्यान रखना जरूरी रहेगा। काम के सिलसिले में आपको बाहर आना-जाना भी लगा रहेगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोग आज अपनी पढ़ाई और प्रयासों पर पूरा ध्यान देंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके जीवन स्तर में सुधार लेकर आने वाला है। कार्यक्षेत्र में किसी काम को पूरा करने के लिए आपको अपने जूनियर की मदद लेनी पड़ सकती है। आप अच्छे भोजन और खान-पान का आनंद लेंगे, लेकिन पेट से जुड़ी छोटी-मोटी समस्या परेशान कर सकती है। घर में किसी नए इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीदारी भी हो सकती है। आपके अच्छे कार्यों के लिए समाज या कार्यक्षेत्र में आपको सम्मान मिलने के योग बन रहे हैं।

मिथुन- आज का दिन आर्थिक दृष्टि से आपके लिए काफी अच्छा रहने वाला है। आय के नए रास्ते खुल सकते हैं और आपके मन में काम को लेकर नए-नए विचार भी आएंगे। हालांकि किसी भी फालतू या बेवजह के मामले में बोलने से बचना आपके लिए बेहतर रहेगा। पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा और जीवनसाथी हर कदम पर आपका साथ देंगे। हालांकि किसी बात को लेकर थोड़ी नाराजगी हो सकती है, लेकिन आप प्यार और समझदारी से स्थिति को संभाल लेंगे।

कर्क- आज का दिन थोड़ा चिंता भरा रह सकता है। आप अपने कामों में बदलाव करने की सोचेंगे, लेकिन फिलहाल वह निर्णय ज्यादा लाभदायक नहीं रहेगा। बढ़ते खर्चों को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा और उनसे आपको बिजनेस से जुड़ी कुछ उपयोगी सलाह भी मिल सकती है। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति के साथ धन का लेन-देन करने से बचना ही समझदारी होगी।

सिंह- आज का दिन आपको अपने कामों में पूरी एकाग्रता के साथ जुटने की सलाह देता है। कुछ खास लोगों से आपकी मुलाकात हो सकती है, जो भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित होगी। हालांकि अपनी वाणी पर संयम बनाए रखना जरूरी है। परिवार के बड़े सदस्यों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए काफी व्यस्तता भरा रहने वाला है। एक साथ कई काम आने से थोड़ी बेचैनी और भागदौड़ बढ़ सकती है। दोस्तों के साथ आप किसी छोटी पार्टी या मिलन समारोह की योजना बना सकते हैं। जल्दबाजी में कोई फैसला लेने से बचें, वरना परिवार में किसी सदस्य के साथ बहस हो सकती है। व्यापार से जुड़े निर्णय भी आपको सोच-समझकर लेने होंगे।

तुला- आज आपके विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आप अपनी समझदारी से परिस्थितियों को संभाल लेंगे। आपकी आय के नए स्रोत बन सकते हैं। हालांकि कोई काम बनते-बनते बिगड़ सकता है, इसलिए ध्यान और फोकस बनाए रखना जरूरी है। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है, जिसमें सभी सदस्य व्यस्त रहेंगे।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह खोलने वाला है। एक के बाद एक अच्छी खबरें मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आप अपने बिजनेस से जुड़ी योजनाओं को लेकर बिल्कुल भी लापरवाही नहीं करेंगे। पुरानी समस्याओं से राहत मिल सकती है। साथ ही आप अपनी संतान को अच्छे संस्कार और परंपराओं का महत्व भी समझाएंगे। आज आप अपने लिए नए कपड़े या कोई नया गैजेट भी खरीद सकते हैं।

धनु- आज का दिन खर्चों से भरा रह सकता है, इसलिए आपको अपने बजट का खास ध्यान रखना होगा। यदि आपका कहीं धन अटका हुआ था, तो उसके वापस मिलने की संभावना बन रही है। प्रेम संबंधों में भी मिठास बढ़ेगी। किसी पारिवारिक मामले को लेकर माता-पिता से बातचीत करनी पड़ सकती है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। यदि लंबी यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो माता-पिता की अनुमति लेकर ही जाना बेहतर रहेगा।

मकर- व्यापार से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन काफी अच्छा रहने वाला है। किसी दूर रह रहे रिश्तेदार से खुशखबरी मिलने के संकेत हैं। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी, जिससे आपको गर्व महसूस होगा। हालांकि किसी भी जरूरी जानकारी को दूसरों के साथ साझा करने से बचें। पढ़ाई-लिखाई से जुड़ी कोई समस्या थी तो उसका समाधान मिल सकता है।

कुंभ- आज यदि आपका कोई काम लंबे समय से रुका हुआ है तो उसे पूरा करने में थोड़ी मुश्किल आ सकती है। नौकरी में भी कुछ चुनौतियां सामने आ सकती हैं, लेकिन धैर्य बनाए रखें। आप परिवार के किसी सदस्य से किया हुआ वादा निभाने की पूरी कोशिश करेंगे। समय का सही उपयोग करना आपके लिए बहुत जरूरी रहेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए आध्यात्मिक कार्यों से जुड़कर सम्मान और पहचान प्राप्त करने वाला है। आपको अपने आसपास के लोगों को समझने और छिपे हुए विरोधियों को पहचानने की जरूरत है। मन में किसी के प्रति ईर्ष्या या द्वेष की भावना न रखें। आज आप अपने शौक और मनोरंजन की चीजों पर अच्छा खासा खर्च कर सकते हैं।

शब्दजाल - 8211

शब्दजाल में रणजी ट्राफी में तिहरा शतक बनाने वाले 10 नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

सु	रा	मा	त	र	र	अ	ट	गु	क	वि
दी	नी	सू	ह	का	ल	जी	दि	ल	को	ज
वा	र	ल	द	अं	त	त	मा	मो	ल	य
सं	वि	दा	गा	ल	क	वा	हा	ह	व	म
य	ज	न	ष	व	म	डे	डी.	म्म	सी	चें
दि	य	य	स	जि	स्क	क	इ	द	म	ट
ने	ह	बु	मां	या	म	र	ह	र	जा	श
श	जा	ब	ला	ज	र	सौ	डी.	ट	फ	धी
मों	रे	त	सू	ह	रे	दा	ने	जे.	र	र
गि	ल	च	त्त	र	ट	क	बें	न	गां	थ
या	र	म	न	लां	बा	इ	र	म्हे	ह	धी

विजय मर्चेंट, सुनील गावस्कर, रमन लांबा, संजय मांजरेकर, गुल मोहम्मद, विजय हजारे, वसीम जाफर, दिनेश मोंगिया,अजीत वाडेकर, डी. जे. गांधी

शब्दजाल - 8210 का हल

गु	मी	रा	कु	मा	र	अ	फा	न	प	रा
न	ला	क	प	इं	ड्रे	र्जु	शि	या	इ	म
अ	दा	म	ला	र	ग	न	द	द	प	वि
प्र	ग	ल	न	ब	दू	सिं	प	या	लि	ला
त	ण	अ	सौ	बी	रा	ह	कि	नि	ला	स
आ	इ	व	मो	व	आ	व	त	धि	लू	पा
ग	जी	ल	मु	व	प	जा	न	मा	प्र	स
र	रि	भा	र	ख	प	स	द	र	सा	वा
क	म	ल	ना	थ	जी	ज	जी	न	द	न
न	ट	व	र	सिं	ह	ब्रा	रु	अ	प	श
ब	शि	वा	जी	पा	टि	ल	त्ता	प	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.52 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृष	08.32 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.30 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.43 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.59 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	17.11 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.22 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.37 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.53 बजे से
		मकर	01.58 बजे से
		कुंभ	03.44 बजे से
		मीन	05.17 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 87 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 08.46 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 14.50 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 20.06 बजे को समाप्त।
करण गर 08.46 बजे तदनन्तर वणिज 20.14 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 8.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 02° 54'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872662
जूलियन दिन 2461127.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 08

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7155

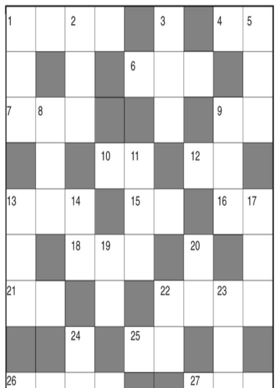

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षय, रवीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
२. 'आँखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
८. अनिल कपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
९. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-३
११. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'बन्नो तेरी आँखियाँ' गीत वाली सनी, जैकी, मनीषा की फिल्म-३
१४. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यारा है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
१९. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी?-२
२०. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी?-२
२२. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
२४. जाकिर, शबाना, अरूणा की 'बादल चाँदी बरसाये' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
४. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सीमा की फिल्म-२
६. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
९. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१२. बलराज साहनी, नूतन की 'तु प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, पुजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वालीफिल्म-२
१६. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
१८. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
२१. अमिताभ वाली फिल्म 'याराना' की नायिका कौन थी-२
२२. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
२५. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'अल्हड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-४
२७. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7154

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सेवा ही सच्चा धन है

सबसे बड़ा धनकाशी के एक सेठ के दो बेटे थे। एक दिन सेठ की मृत्यु हो गई। क्रियाकर्म संपन्न हो जाने के बाद छोटे बेटे ने अपने बड़े भाई से कहा, 'भइया, जिस बक्से में पिताजी का सारा धन सुरक्षित है, उसे अब खोलना चाहिए।' तभी बड़ी बहू ने कहा, 'पहले यह तय कर लिया जाए कि किसके हिस्से में कितना धन आएगा।' इस पर छोटे भाई ने कहा, 'आप ही तय कर दीजिए।' बड़ी बहू ने कहा, 'तुम्हारे बड़े भाई ने पिताजी की सेवा सबसे अधिक की है इसलिए धन का बड़ा हिस्सा हमें मिलना चाहिए।' छोटी बहू बोली, 'यह कैसे हो सकता है, मैंने पिताजी की सेवा में रात-दिन एक किए। इसलिए धन का बड़ा भाग हमारा होगा।' बड़ी बहू ने कहा, 'आप ने तो उनका खाना पीना हराम कर दिया था। मेरे पति ही उनको जेब खर्च देते थे। कपड़े सिलवाते थे।' छोटी बहू ने कहा, 'आप ने उन्हें हमेशा नौकरों की तरह समझा। उनकी चारपाई तक कोठरी में लगवा दी, जिसमें हवा तक नहीं जाता है।' दोनों बहुओं में बहस जब बढ़ गई तो बड़े भाई ने कहा, 'तुम दोनों ने क्या तमाशा मचा रखा है। कोई सुनेगा तो क्या कहेगा। हमें ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए जिससे पिताजी की आत्मा को दुख पहुंचे।' छोटे भाई ने इसका समर्थन किया और कहा, 'आप ईमानदारी से जो फैसला करेंगे, वह हमें स्वीकार होगा।' बड़े भाई ने निर्णय सुनाया, 'हम सारा धन बराबर-बराबर बांट लेंगे।' बक्सा खोला गया तो उसके अंदर एक और बक्सा रखा मिला। उसे खोला गया तो एक और छोटा बक्सा मिला। जब उसे भी खोला गया तो उसमें से एक थैली निकली। थैली के अंदर सिर्फ कागज का एक पुर्जा था। बड़े भाई ने उसे पढ़ा। उसमें लिखा था, 'तुम दोनों ने मेरी सेवा की है, वही तुम्हारा सच्चा धन है। इसे ही बराबर-बराबर बांट लो और अगली पीढ़ी के लिए सुरक्षित कर दो। सेवा ही सबसे बड़ा धन है।'

सूडोकु नवताल- 7464

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
■ *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
■ *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
■ *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -7463 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली - 8679

बाएँ से दाएँ

1.कथा,गाथा-3
3.भगौना-3
5.पुष्पहार-2
6.वायदा,कसम-2
8.अभिष्ट इच्छापूर्ति,वर-4
11.योग्य,उपयुक्त-3
13.चिंतन,सोच-विचार-3
14.ताश का एक खेल-2
15.संजय दत्त की पहली फिल्म-2
16.चेहरा,शक्ल-3
18.चाकू,खंजर-3
20.उकसाना,चकमा देना -4
23.लक्ष,सौ हजार-2
25.ईश्वर,भगवान-2
26.विदा,गमन-3
27.लेखनी,पेन-3

ऊपर से नीचे

1.हुनर,फन-2
2.शांति,वीराना-3
3.चिलमन,ओट,घूंघट-3
4.ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ-2
5.माजरा,मुद्दा-3
7.आंगन,बरामदा-3
9.भागना (अंग्रेजी-2)
10.चटपटा,क्षारीय-4
12.कारनामा,करिश्मा-4
16.अच्छे सुर का ज्ञाता-3
17.मालिक,स्वामी-2
19.प्रेम प्रतिद्वंदी(उर्दू-3)
21.बेदखल करना-3
22.फिजूल,व्यर्थ-2
24.गधा,गर्दभ -2
25.एक प्रकार की विदेशी शराब-2

शब्द पहेली -8678 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नई शराब दुकान के लिए तैयार किया जा रहा था टीन शेड

जनप्रतिनिधियों व वार्ड वासियों के विरोध के बाद प्रशासन ने शराब दुकान के लिए बनाए जा रहे ढांचे को हटाया

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर के भिलाई मार्ग पर रिहायशी ईलाकें में अवैध रूप से देशी विदेशी शराब दुकान खोले जाने को लेकर वार्ड पार्षद सौरभ मोनू पशीने सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, एवं वार्ड वासियों ने सीधा विरोध जताते हुये अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को शिकायत आवेदन प्रस्तुत कर बिना नगर परिषद के एनओसी के शराब दुकान खोली जा रही है जिसे तत्काल हटाया जाये जिस पर 27 मार्च को राजस्व अमला, नगरीय प्रशासन के द्वारा पुलिस विभाग के सहयोग से उक्त नव निर्मित शराब दुकान का ढांचा हटाया गया है। बतादे कि वार्ड पार्षद सौरभ मोनू पशीने, पूनम शरद आसटकर, मुकेश रणदिवे सहित स्थानीय वार्ड वासियों एवं जनप्रतिनिधि ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लांजी को 27 मार्च को एक शिकायत प्रस्तुत की गई विषयान्तर्गत लेख है वार्ड क्रमांक 11 में भिलाई मार्ग पर स्थित डबल मनी वालों की प्रतिबंधित भूमि पर अतिक्रमण कर अवैध रूप से खोली जा रही नवीन शराब दुकान को नगर परिषद के अनापत्ति प्रमाण पत्र के बगैर खोली जा रही है जिसे तत्काल रोका जाये। आवेदन में यह भी लेख है हम सभी वार्ड वासी वार्ड क्रमांक 03, 11, 12 के समस्त नागरिक एवं पार्षद गण ने कहा कि नगर परिषद लांजी के वार्ड क्रमांक 11 में भिलाई मार्ग पर महाराष्ट्र बैंक के पास में डबल मनी के आरोपी कंकरायेने परिवार बोलेगांव की रकबा नंबर 0.10/0.041 हेक्टेयर भूमि खाली पड़त भूमि है। जो शासन के द्वारा खरीदी बिक्री हेतु प्रतिबंधित कर रखी है उक्त वर्णित भूमि स्वामी हक की खाली भूमि पर बेजा कब्जा करने अनिल शिवहरे एण्ड कंपनी ग्वालियर के द्वारा देशी विदेशी शराब की बिक्री नवीन दुकान बगैर नगर परिषद के अनापत्ति प्रमाण पत्र लिये अवैध रूप प्रारंभ की जा रही थी तथा इस हेतु टीन शेड का निर्माण किया जा रहा था जबकि उक्त भूमि से लगकर ही बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा लांजी 10 मीटर के भीतर ही है तथा 100 मीटर के अन्दर ही छोटे छोटे बच्चो का स्कूल साकेत पब्लिक स्कूल लांजी संचालित है। जहां कक्षा 1 से 12 तक के बच्चो का प्रतिदिन आना जाना होता है तथा लगभग 150 मीटर की दुरी में माँ गायत्री देवी का मंदिर स्थापित है जहां भक्तो का दैनिक आना जाना होता उक्त भूमि के चारो ओर रहवासी क्षेत्र है, इस क्षेत्र में नवीन शराब दुकान प्रारंभ होने से वार्ड का माहौल गंदा हो जायेगा तथा शराबियों का उक्त स्थान पर आने जाने से एवं शराबियों की गाली गलौच आदि से वार्ड का माहौल खराब होता रहेगा तथा स्कूली बच्चो पर उक्त शराब दुकान के खुलने से निश्चित रूप से बुरा असर पड़ेगा। तथा हम वार्ड वासी भी नही चाहते की हमारे वार्ड मे शराब दुकान प्रारंभ हो इस कारण शराब की अवैध दुकान को उक्त स्थान पर खोले जाने से रोका जाना नितांत आवश्यक है।

उल्लेखनीय है उक्त भूमि वर्तमान मे डबल मनी के फरार आरोपी कंकरायेने परिवार बोलेगांव की है। जिसका फायदा शराब कंपनी के ठेकेदार के द्वारा लिया जा रहा है। नवीन दुकान खोले जाने हेतु ठेकेदार के द्वारा भूमि स्वामी से कोई अनुमति या सहमति भी प्राप्त नही की गई है। ऐसी स्थिती में भी उक्त शराब दुकान को प्रारंभ करने से रोका जाना नितांत आवश्यक है।

राजस्व विभाग, नगरीय प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने की त्वरित कार्यवाही

शिकायत आवेदन प्राप्त होते ही अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के द्वारा तहसीलदार लांजी, सहित नगरीय प्रशासन को उक्त संपूर्ण विषय जांच कर उचित कार्यवाही किये जाने के आदेश दिये गये जिस में नगरीय प्रशासन सीएमओ मयूर वाहने के राजस्व अमले एवं पुलिस प्रशासन का सहयोग लेकर मौका स्थल पर पंहुचकर पंचनामा आदि कार्यवाही पूर्ण कर यह देखा की बिना अनुमति के शराब निविदाकार के द्वारा उक्त वर्णित भूमि पर लोहे का ढांचा खड़ा किया जा रहा है जिस पर कार्यवाही करते हुये उक्त भूमि से लोहे से बना शेड हटाया गया। इस दौरान थाना प्रभारी दीप सिंह परमार एवं पुलिस बल लांजी, सीएमओ मयूर वाहने एवं नगरीय प्रशासन अमला सहित आरआई पटवारी उपस्थित रहे।

प्रशासन की त्वरित कार्यवाही को सराहा

स्थानीय पार्षद, वार्ड वासियों के द्वारा दी गई शिकायत पर त्वरित कार्यवाही होने के चलते वार्ड वासियो ने प्रशासन के इस कार्य की सराहना की है उन्होने कहा कि बिल्कुल बर्दाश्त नही किया जाता यदि यह शराब दुकान उक्त स्थान पर खुल जाती तो। शराब दुकाने खोले जाने से पहले सोचना समझना चाहिये की हम कहा शराब दुकान खोल रहे है और इससे स्थानीय वार्ड वासियों को स्कूल कॉलेज के बच्चो को कितनी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वार्ड पार्षद सहित वार्ड वासियो ने उक्त कार्यवाही पर प्रशासन का आभार व्यक्त किया है साथ ही यह भी कहा कि प्रशासन इस बात का भी ध्यान रखे की ऐसे ही कोई अन्य स्थान पर भी शराब दुकान खोली ना जाये, शराब दुकान खोले जाने को लेकर मध्यप्रदेश आबकारी एवं राजस्व विभाग के जो नियम कानून लागू होते है उसी अनुसार दुकानें संचालित की जाये।

शीतल जल केन्द्र प्याऊ का किया शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में गर्मी का असर अब धीरे धीरे तेज होने लगा है बढते तापमान को देखते हुये विभिन्न संस्थाओं एवं समाज सेवियों के द्वारा नगर के प्रमुख चौक चौराहो सहित चिन्हित स्थानों में शीतल जल केन्द्र प्याऊ का शुभारंभ किया जा रहा है जिससे क्षेत्र की जनता राहगीरों को बडी शीतल राहत मिलेगी।

श्रीराम नवमी के पावन पर्व पर डॉ व्ही एन रणदिवे की स्मृति में प्याऊ शुभारंभ

लांजी क्षेत्र के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ व्ही एन रणदिवे जी स्मृति में ग्राम साडरा में श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर शीतल जल प्याऊ केन्द्र का शुभारंभ डॉ राजेश रणदिवे के हस्ते किया गया है। प्याऊ में जल की व्यवस्था माँ दुर्गा मंदिर साडरा एवं केसरी ट्रेडर्स साडरा के द्वारा की गई है। इस दौरान ग्राम से भोलाराम रणदिवे, शेखर जांभुरे उपसरपंच, रवि घोरमारे, डॉ प्रकाश नगपुरे, जगदीश बापुरे, दशरथ बिल्लारे, भोजाराम भोंगाड़े, डुडेश्वर सांडे, रमेश हटीले, कुलदीप भारद्वाज, राकेश घोरमारे, योगेन्द्र दल्लेमाल तथा स्थानीय गणमान्य गण उपस्थित रहे। सभी के द्वारा इस पुनीत कार्य की सराहना की गई जिससे राहगीरो को रोजाना शीतल जल प्रदाय हो सकेगा।

लांजी बस स्टैण्ड में जयकारा कैटर्स के द्वारा प्याऊ का शुभारंभ

नगर के व्यापारी जयकारा टी स्टॉल एवं कैटर्स के संचालक के द्वारा 27 मार्च श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर स्व. श्री शंकरलाल जी एवं स्व. दौलत किरनापुरे की स्मृति में नगर के सुभाष चौक बस स्टैण्ड में सार्वजनिक शीतल पेयजल प्याऊ का शुभारंभ किया गया है। बतादे कि भीषण गमी के इस दौर में नगर मुख्यालय में शीतल जल प्याऊ का खुलना अतिआवश्यक था, लांजी नगर में चारो दिशाओ से लोगो को आना जाना रहता है जिससे उन्हे समय समय पर शीतल पेयजल की आवश्यकता होती है जिसे दिखते हुये उक्त प्याऊ का शुभारंभ किरनापुरे परिवार के द्वारा किया गया है। स्थानीय जनो के द्वारा उक्त कार्य की सराहना की गई है।

शासकीय महाविद्यालय का तीन दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय महाविद्यालय लांजी में 24 से 26 मार्च 2026 तक तीन दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक, साहित्यिक, ललित कला एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ 24 मार्च को ललित कला, क्रीड़ा तथा साहित्यिक प्रतियोगिताओं के साथ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती अर्चना खोंगल जनपद पंचायत अध्यक्ष, लांजी, अजय अवसरे जनपद पंचायत उपाध्यक्ष, श्रीमती ज्योति ईश्वर उमरे जिला पंचायत सदस्य, मोनू पशीने पार्षद, नगर परिषद लांजी, युगेश रामटेक्कर जनभागीदारी समिति अध्यक्ष तथा उज्जवल श्रीवास्तव विधायक प्रतिनिधि की उपस्थिति में किया गया। प्राचार्या डॉ. गौतमा कठाने की अध्यक्षता में सर्वप्रथम माँ सरस्वती एवं बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिताओं में पुष्प सज्जा, रंगोली, मेहंदी, पोस्टर, कार्टून, निबंध लेखन, प्रश्नमंच आदि विधाओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दूसरे दिन 25 मार्च को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. गौतमा कठाने ने की। मुख्य अतिथि के रूप में राजकुमार कर्राहे विधायक, लांजी/किरनापुर उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले नगर परिषद अध्यक्ष, लांजी, युगेश रामटेक्कर, श्रीमती मोना कौर सिद्धू भाजपा जिला मंत्री, कैलाशपुरी गोस्वामी, आलोक चौरसिया भाजपा मंडल अध्यक्ष, लांजी, देवेश ऐड़े भाजपा मंडल अध्यक्ष, बिसोनी, गौरव बैस तथा राकेश रामटेक्कर सांसद प्रतिनिधि मौजूद रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत एकल गायन, समूह गायन, एकल नृत्य, समूह नृत्य तथा युगल नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं। तीसरे दिन 26 मार्च को पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. गौतमा कठाने ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में कमल सिंहसार अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व, लांजी उपस्थित रहे।

विशिष्ट अतिथियों में संतोष पटले डीएसपी, हॉकफोर्स, खुदीराम सनोडिया एसडीओ., कृषि विभाग, तथा मयुर वाहने सीएमओ, नगर परिषद लांजी शामिल थे। समारोह की शुरुआत माँ सरस्वती एवं बाबासाहेब अम्बेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुई। छात्र आकाश गोस्वामी ने मधुर स्वर में स्वागत गीत प्रस्तुत किया। सुरेन्द्र चिखले ने वंदना गाई। इसके बाद विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं तथा स्नेह सम्मेलन में सराहनीय योगदान देने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। समापन अवसर पर प्राचार्या डॉ. गौतमा कठाने एवं स्टॉफ सदस्यों ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम प्रभारी महेन्द्र कुमार तलवरे ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रो. सुरेन्द्र कुमार चिखले, प्रो. रितेश सोनवाने, प्रो. शेखर दल्लेमाल, डॉ. जसपाल सिंह सिद्धू एवं समस्त महाविद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा।

ज्योति कलशों की शोभायात्रा निकालकर किया ज्वारों का विसर्जन

पद्मेश न्यूज। लांजी। धर्म नगरी लांजी में चैत्र नवरात्र पर्व की नवमी पर पुरा नगर धर्ममय नजर आया। संध्या में नगर के देवीधामों एवं मंदिरों से बैण्ड-बाजों व डीजे के साथ ज्योति कलशों की शोभायात्रा निकाली गई। इन ज्योति कलशों की शोभायात्रा के दर्शन के लिए मां लंजकाई मंदिर से गणेशी तालाब तक रोड़ के दोनो ओर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। ज्योति कलशों की शोभायात्रा गणेशी तालाब पहुंचने पर वहां आरती उपरान्त जवारों का विसर्जन किया गया। अनेक देवी मंदिरों एवं घरों में नवमी पर्व पर हवन-पूजन कर नौ कन्याओं को भी भोज कराया गया। इसी तरह मां गायत्री मंदिर में हवन-पूर्णाहूति के पश्चात मंदिर परिसर में ही ज्योति कलशो का विसर्जन किया तद्उपरान्त कन्याओं को भोज कराकर महाप्रसादी का वितरण किया गया। संध्या में नगर के देवी मंदिरों में आरती पूजन के पश्चात ज्योति कलशों को जलदर्शन कराने का क्रम दोपहर से शुरू हुआ जो कि रात्रि 9 बजे तक चलते रहा।

इन देवी मंदिरो से निकली कलश शोभा यात्रा

लांजी नगर सहित क्षेत्र के प्रमुख मंदिरों में स्थापित मनोकामना ज्योति कलशो का विसर्जन 27 मार्च को भक्ति भाव के साथ शोभा यात्रा निकाल कर की गई। बतादे कि लांजी नगर के माँ लंजकाई मंदिर में 558, माँ गायत्री शक्तिपीठ में 67, त्रिशक्ति दुर्गा मंदिर, माँ शीतला मंदिर में 108, माँ दुर्गा मंदिर नीमटोला 77, शीतला माता मंदिर नीमटोला 42 इन

कलशो का विसर्जन देवीधाम से शोभा यात्रा निकालकर गणेशी सरोवर में ज्वारा विसर्जन किया गया इसके अलावा, माँ पांढरी पाट देवी धाम में स्थापित 2575 कलशो का विसर्जन खराड़ी जलाशय में तथा दुर्गा मंदिर बिसोनी में 361 कलश, भाडरासुर में 3, दुर्गा मंदिर भुरसाडोंगरी, मां दुर्गा मंदिर बोलेगांव में मां शीतला माता मंदिर बोलेगांव, माता मंदिर साडरा में 35 में स्थापित मनोकामना ज्योति कलशो का विसर्जन स्थानीय सरोवर जल स्त्रोतो में किया गया। इस दौरान स्थानीय पंचायत एवं समितियो के द्वारा संपूर्ण व्यवस्थाक की गई थी।

गणेश सरोवर में नगर परिषद ने की बैठक व प्रकाश व्यवस्था

वर्षो की परम्परानुसार नगर परिषद द्वारा गणेशी तालाब में कलश व जवारे विसर्जन के लिए बैठक एवं प्रकाश की समुचित व्यवस्था की गई। सुबह से ही कर्मचारियों द्वारा गणेशी तालाब के परिसर को गोबर से लीपकर व साफ-सफाई कर कलश रखने के लिए चौक डाली गई। तालाब में विसर्जन के लिए समुचित प्रकाश व्यवस्था की गई। इसके अलावा मां लंजकाई मंदिर से गणेशी तालाब तक कलश शोभायात्रा वाले मार्ग को टेंकर से पानी डालकर धोया गया।

पुलिस प्रशासन की रही चाक चौबंद व्यवस्था-

लांजी नगर में मनोकामना ज्योति कलश शोभा यात्रा का अपना ही एक अलग महत्व है। कलश यात्रा को देखने के लिये हजारो की संख्या में भक्त गण लांजी पंहुचते है और इस कलश शोभा यात्रा का भक्ति भाव के साथ आनंद प्राप्त करते है। वहीं इस संपूर्ण यात्रा के दौरान पुलिस प्रशासन का भी विशेष महत्व रहता है जिसके लिये पुलिस विभाग के द्वारा तैयाारियॉ भी की जाती है यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिये, कलश यात्रा मार्ग मे कोई ना आये भी सुनिश्चित करना होता है तालाब में कलश विसर्जन के पश्चात वापस मंदिरो में यात्रा सुरक्षित पंहुचे इस पर भी प्रशासन को ध्यान देना होता है जिसको लेकर एसडीओपी लांजी एवं थाना प्रभारी लांजी सहित संपूर्ण पुलिस बल तैनात नजर आया। उक्त संपूर्ण व्यवस्था लांजी एसडीएम कमलचंद सिंहसार के मार्गदर्शन में की गई।

मंदिरों में अभिषेक पूजन कर मनाया गया भगवान श्री राम का जन्मोत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी। धर्म नगरी लांजी में एवं क्षेत्र के समस्त ग्रामों में स्थित श्री राम मंदिरों में राम लला का जन्मोत्सव बड़े ही धूम धाम व भक्ति भाव के साथ आतिशबाजी कर मनाया गया। जय जय श्री राम के नारो से धर्म नगरी लांजी गुंजायमान थी। नगर के नये श्री राम मंदिर में विशेष अभिषेक पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों सहित अन्य भक्त जनों एवं पुजारी के द्वारा विशेष अभिषेक पूजन किया गया। साथ ही आदर्श महिला मण्डल के द्वारा श्रीराम जी भक्ति में विशेष भजनों की प्रस्तुती दी गई। श्रीराम दरबार की पूजा अर्चना के साथ मंदिर में स्थापित श्री हनुमान जी, श्री गणेश, लक्ष्मी नारायण, शिवलिंग का भी पूजन अर्चन आरती कर प्रसाद वितरण किया।

पुराने श्री राम मंदिर में विशेष पूजन अर्चन

श्रीराम लला का जन्मोत्सव नगर के पुराने राम मंदिर में भक्ति भाव के साथ मनाया। पुजारी लक्ष्मीनारायण वैष्णव सहित अन्य भक्त गणो के द्वारा विशेष अभिषेक पूजन आरती की गई तथा आतिशबाजी कर श्री राम जन्मोत्सव मनाया गया। स्थानीय जनों के द्वारा बारी बारी श्री राम जी के दर्शनो के लियें पंहुचते नजर आये, श्रीराम जन्मोत्सव व नवरात्र पर्व की नवमी पर मंदिरों में दिन भर भक्तों की भीड़ बनी रही। सभी जय श्री राम के नारों के साथ दर्शन करते नजर आ रहे थे। यहां सिद्ध हनुमानजी के समक्ष ज्योति कलश

स्थापित किए गए थे जिन्हें दोपहर 2 बजे के उपरांत विसर्जन किया गया।

डीजे के साथ भगवान का डोला निकालकर किया नगर भ्रमण

नगर के पुराना राममंदिर में राम जन्मोत्सव पर 27 मार्च को पारंपरिक प्रथा अनुसार शाम 4 बजे से श्रीराम जी का डोला निकालकर कर नगर में भ्रमण करवाया जाता जिसके दर्शनों के लियें श्रद्धालु भक्तों की भीड लगी रहती है। श्रीराम जी का डोला मुख्य मार्गो से होकर नगर के राजारानी तालाब में पहुंचता है। जंहा मंहत श्री लक्ष्मीनारायणदास वैष्णव, केवट, कहार ढीमर समाज द्वारा श्रीराम जी का स्नान आदि कर आरती पूजन किया जाता है। तत्पश्चात ग्राम देवी मॉ शीतला माता से श्रीराम जी भेंट करते है। वहीं भक्तों को प्रसाद वितरण भी किया जाता है। मॉ शीतला मंदिर में श्रीराम की भेंट पश्चात श्रीराम जी का डोला आगे की ओर प्रस्थान करता है। मार्ग पर जितने भी मंदिर होते है उन मंदिरो मे भगवान श्रीराम जी के द्वारा श्रीफल भेंट किया जाता है। डोला नगर के मुख्य स्थल बस स्टैण्ड पंहुचकर वापस श्रीराम मंदिर के लिये प्रस्थान करते है। हजारो की संख्या मे श्रृद्धालु गण श्रीराम जी के डोले के दर्शन कर डोले के नीचे से सर नवाते हुये निकलते है एवं श्रीराम जी का आशिर्वाद प्राप्त कर मन इच्छित फल मंगाते है। श्रीराम जी का डोला मॉ लंजकाई मंदिर, नये राम मंदिर, संतोषी माता मंदिर, गणेश मंदिर, हनुमान मंदिर मे भी श्री रामजी का डोला भेंट करते हुये आगे बढता है।

केवट समुदाय ने डीजे बाजे गाजे के साथ निकाली रामजी की सवारी

श्रीराम जी के डोले के विशेषता यह होती है कि इस डोले को केवट/ढीमर समाज के लोग ही उठाते है मान्यता है कि राम जी को केवट ने ही नदी पार करवाया था इसी उद्देश्य से यह प्रथा चली आ रही है जिसमे सदियो से पुराने राम मंदिर से निकलने वाले डोला केवटो द्वारा ही उठाया जाता है प्रारंभ से अंत तक एवं श्रीरामजी के डोला यात्रा के दौरान भक्तो को धनिया पंजरी से बना प्रसाद ही वितरण किया जाता है। प्रतिवर्ष की अपेक्षा केवट समुदाय के द्वारा इस वर्ष रामजी की सवारी डीजे बाजे गाजे के साथ निकाली गई केवट समुदाय के सभी लोगो के द्वारा नारे लगाते हुये एक ही नारा एक ही नाम जय श्रीराम जय श्रीराम के उद्घोष के साथ रामजी का डोला उठाते हुये चले एवं श्रृद्धालु भक्तो को दर्शन करवाया गया।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा मध्यप्रदेश - मुख्यमंत्री

11.6 प्रतिशत विकास दर के साथ एमपी अव्वल; सिंहस्थ-2028 में आएंगे 40 करोड़ श्रद्धालु, सरकार ने कसी कमर

नई दिल्ली/इंदौर । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय मीडिया समूह की टाइम्स नाउ समिट-2026 को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश आज देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले राज्य के रूप में उभरा है। प्रदेश 11.60 प्रतिशत की शानदार विकास दर के साथ प्रगति कर रहा है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार के पास लाड़ली बहना और किसान सम्मान निधि जैसी 106 जन-कल्याणकारी योजनाओं के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि बीते दो वर्षों में प्रदेश में 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर उतरा है, जो औद्योगिक विकास की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

उज्जैन में होने वाले आगामी सिंहस्थ को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक समागम होगा। अनुमान है कि दो माह की अवधि में यहाँ 40 करोड़ श्रद्धालु आएंगे। सरकार बाल बराबर कष्ट न हो, इस ध्येय के साथ अधोसंरचना और सुविधाओं का जाल बिछा रही है। इसके साथ ही, उन्होंने नदी जोड़ो परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि पार्वती-कालीसिंध-चंबल योजना से मध्यप्रदेश और राजस्थान के करोड़ों लोगों का जीवन बदलेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि चिकित्सा क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। जहाँ 55 साल में केवल 5 मेडिकल कॉलेज थे, आज प्रदेश में 40 कॉलेज हैं, जिनमें से 10 कॉलेज पिछले दो साल में ही खोले गए हैं। वन्य-जीव संरक्षण पर उन्होंने कहा कि एमपी टाइगर स्टेट के साथ चीता स्टेट भी बन गया है। कूनो में चीतों की संख्या 20 से बढ़कर 53 हो गई है और अब असम से जंगली भैंसे लाने की तैयारी है।

डॉ. यादव ने सेना के मनोबल और राष्ट्रीय मुद्दों पर विपक्ष के रवैये की आलोचना की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि आज होर्मुज स्ट्रेट जैसे संकटग्रस्त क्षेत्रों से भी भारतीय जहाज तिरंगे की आन-बान-शान के साथ सुरक्षित निकल रहे हैं। उन्होंने अंत्योदय के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में उजाला लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एक अप्रैल से औसतन 16 प्रतिशत कलेक्टर गाइडलाइन दर बढ़ाने का फैसला

जमीन खरीदने के साथ मकान बनाना भी हुआ महंगा

भोपाल । प्रदेश में एक अप्रैल से मकान, जमीन खरीदना महंगा हो जाएगा। जिला मूल्यांकन समितियों से प्राप्त कलेक्टर गाइडलाइन बढ़ाने के प्रस्तावों को केंद्रीय मूल्यांकन समिति ने मान्य करने का फैसला लिया। इसके अनुसार प्रदेश में अब अचल संपत्ति की रजिस्ट्री औसत 16 प्रतिशत अधिक दर पर होगी। वहीं, करीब पांच साल बाद पक्के मकान की निर्माण लागत दर में एक हजार रुपये प्रति वर्गमीटर की वृद्धि की गई है। इसका असर भी प्रॉपर्टी की कीमत पर पड़ेगा। महानिरीक्षक पंजीयन अमित तोमर की अध्यक्षता में केंद्रीय मूल्यांकन समिति की गुरुवार को बैठक हुई। इसमें सभी जिला मूल्यांकन समिति के प्रस्तावों पर विचार करके उन्हें मान्य किया गया। सूत्रों का कहना है कि प्रदेश में मकान, जमीन औसत 16 प्रतिशत महंगा हो जाएगा। एक अप्रैल से जो भी रजिस्ट्री होगी, उसके लिए अधिक दर चुकानी होंगी। प्रदेश में एक लाख पांच सौ स्थान हैं, जिनके लिए गाइड लाइन पर विचार हुआ। इसमें से 65 हजार 300 स्थानों पर गाइड लाइन बढ़ाने का फैसला लिया गया। इसका असर उन लोगों पर पड़ेगा जो मकान निर्माण के आधार पर संपत्ति की रजिस्ट्री करवाते हैं। पहली बार प्रीमियम अपार्टमेंट के रेट को सामान्य अपार्टमेंट से अलग किया गया है। ऐसे अपार्टमेंट जिनमें स्विमिंग पूल या गेम आदि की सुविधाएं हैं, वहां सामान्य मल्टीस्टोरी की तुलना में मूल्यांकन 10 प्रतिशत बढ़ाया जाएगा। टीन शेड और कच्चे मकान की निर्माण लागत में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

स्कूलों में कंप्यूटर खरीदी और मेंटनेंस के नाम पर घोटाला

मंत्री की नाराजगी के बाद कलेक्टरों को सौंपी गई जांच की जिम्मेदारी

भोपाल। मप्र के स्कूल शिक्षा विभाग और माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) द्वारा पिछले तीन वर्षों में जारी किए गए टेंडरों को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि 2023 से 2025 के बीच कंप्यूटर, यूपीएस और इंटरैक्टिव बोर्ड की खरीद में करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार हुआ है। इस बीच प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग में कंप्यूटर खरीदी और मेंटनेंस के नाम पर बड़ा घोटाला सामने आया है। स्कूलों में कंप्यूटर खरीदी और मेंटनेंस के नाम पर हुए घोटाले को गंभीरता से लेते हुए आयुक्त लोक शिक्षण ने कलेक्टरों को मामले की जांच की जिम्मेदारी दी है।

जानकारी के अनुसार, प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग में कंप्यूटर खरीदी और मेंटनेंस के नाम पर बड़ा घोटाला हुआ है। विभागीय मंत्री ने इस मामले को लेकर नाराजगी जाहिर की है। इसके बाद आयुक्त लोक शिक्षण शिल्पा गुप्ता ने एक पत्र सभी जिलों के कलेक्टर को लिखा है कि वे बीते 3 साल में हुए कामों की जांच करके प्रतिवेदन भेजें। इसमें तीन साल के भीतर जो भी बजट आवंटित हुआ है और उसमें जो निर्माण कार्य हुए हैं, उनकी पूरी जांच करना है। हालांकि इसमें इंटरएक्टिव पैनल के मामले को शामिल नहीं किया है, जबकि इसको लेकर भी कई शिकायतें विभागीय मंत्री और अफसरों को हो चुकी हैं। जांच के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई है।

कलेक्टरों ने बनाई जांच कमेटी

उधर, जिलों में इस पत्र के बाद कलेक्टरों की तरफ से जांच कमेटी बनाई जा रही है, जो कि कलेक्टरों की निगरानी में ही पूरे मामले की जांच करेगी। दरअसल, मप्र में तीन साल में स्कूलों में जमकर मेंटनेंस काम हुआ है। बीते साल ही करीब 149 करोड़ रुपए स्कूलों में मेंटनेंस के लिए भेजे गए थे, लेकिन इसके लिए भोपाल की ही फर्म को काम दे दिया गया। जिला शिक्षा अधिकारी

को बायपास करके बीईओ और प्राचार्य स्तर पर काम कराया गया। रीवा, मैहर और सतना जिले में बिना काम के भुगतान करने का मामला सामने आया। जांच में आरोप सही पाए गए। इसके बाद यह मामला विधानसभा में उठाया गया और मंत्री ने इसमें जांच के निर्देश दिए।

अभी तक तीन पर गिरी गाज

हालांकि इस पूरे मामले में मंत्री उदय प्रताप सिंह के निर्देश के बाद तीन अफसरों को हटाने की कार्रवाई कर दी गई है। इनमें डीएस कुशवाह संचालक लोक शिक्षण को सीमेट (राज्य शैक्षिक प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान) का संचालक बनाकर भेजा गया है। वहीं प्रमोद कुमार सिंह सीमेट को लोक शिक्षण में संचालक बनाया गया है। साथ ही विभाग में उप सचिव बनाया गया है। इसके अलावा पीके सिंह बघेल जो कि उप संचालक लोक शिक्षण थे को राज्य शिक्षा केंद्र में पदस्थ किया गया है। गौरतलब है कि विभागीय मंत्री ने आईएएस अफसर की निगरानी में कमेटी बनाकर जांच के आदेश दिए थे, लेकिन फिलहाल इस समिति को बनाने का मामला होल्ड हो गया है। कमाल की बात यह है कि इस पूरे मामले में वित्तीय स्वीकृति देने वाले लोक शिक्षण संचालनालय के वित्त अधिकारी राजेश मोर्य व उन फर्म से सवाल-जवाब नहीं हुए, जिनके ऊपर बिना काम किए भुगतान लेने के आरोप हैं। विभागीय अफसरों ने बताया कि कलेक्टरों की रिपोर्ट आने के बाद ही मामले में कुछ आगे होगा।

वन्यजीवों को बेचा, खरीदा या पाला तो 7 वर्ष की जेल

- 313 कछुए जब्त करने के बाद वन विभाग की चेतावनी

भोपाल। मध्य प्रदेश में प्रतिबंधित वन्यजीवों की अवैध बिक्री और पालन को रोकने के लिए वन विभाग ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने साफ कहा है कि ऐसे मामलों में कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हाल ही में फरवरी 2026 में स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स और वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में 313 जीवित कछुए जब्त किए गए थे। ये कछुए अनुसूची-1 प्रजाति के थे, जिनका व्यापार पूरी तरह प्रतिबंधित है। इस मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और एक संगठित गिरोह का भी खुलासा हुआ। वन विभाग ने बताया कि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत प्रतिबंधित जीवों का शिकार करना, खरीदना, बेचना, पालना या उनका परिवहन करना अपराध है। इसके बावजूद कुछ पेट शॉप और एक्वेरियम दुकानों में कछुए, पक्षी और अन्य जीवों की अवैध बिक्री की शिकायतें मिल रही हैं। विभाग ने दुकानदारों को निर्देश दिए हैं कि बिना अनुमति किसी भी प्रतिबंधित प्रजाति का व्यापार न करें और अपने पास मौजूद जीवों के सभी जरूरी दस्तावेज रखें। साथ ही सोशल मीडिया या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ऐसे जीवों की बिक्री या प्रचार करने से भी मना किया गया है। आम लोगों से भी अपील की गई है कि वे प्रतिबंधित वन्यजीवों को न खरीदें और न ही घर में पालें। अगर कहीं ऐसी गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत वन विभाग या पुलिस को सूचित करें। इसके लिए वन विभाग ने टोल-फ्री नंबर 0755-2524000 भी जारी किया है। वन विभाग ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। इसमें 7 साल तक की जेल और जुर्माने का प्रावधान है। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एल. कृष्णामूर्ति ने नागरिकों, दुकानदारों और मीडिया से वन्यजीवों की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने की अपील की है।

लॉरेंस गैंग और हैरी बॉक्सर की धमकियां की जांच करेगी एसआईटी

- मप्र में संगठित अपराधों पर होगा बड़ा एक्शन, जल्द होगी बड़ी कार्रवाई और गिरफ्तारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में संगठित अपराधों पर बड़ा एक्शन होगा। भोपाल, इंदौर, खरगोन में हुए संगठित अपराधों की जांच होगी। प्रदेश के डीजीपी कैलाश मकवाना ने मध्य प्रदेश एसटीएफ को जिम्मेदारी सौंपी है। एसटीएफ की निगरानी में एक स्पेशल टीम बनाई गई। इस टीम में नौ अधिकारियों को रखा गया है। एडीजी एसआईटी डी श्रीनिवास वर्मा की देखरेख में इन सभी अपराधों की जांच होगी। प्रदेशभर में लॉरेंस गैंग और उनके गैंग के हैरी बॉक्सर के नाम से आ रही करोड़ों की वसूली की धमकियां की सभी केस की जांच एसटीएफ करेगी। जल्द बड़ी कार्रवाई और गिरफ्तारी की उम्मीद है। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम से व्यापारियों को एक्सटॉर्शन की धमकी दी गई थी। इंदौर के तुकोगंज थाने में लॉरेंस बिश्नोई गैंग की धमकी का मामला सामने आया था। भोपाल के कोलार थाने में भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम से 10 करोड़ रुपए की सर्राफा व्यापारी से मांगी गई थी। खरगोन जिले में किसान कारोबारी दिलीप सिंह राठौड़ के घर पर फायरिंग की घटना हुई थी। इस फायरिंग की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। गैंग के मेंबर हैरी बॉक्सर और आरजू बिश्नोई ने सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि की थी। बाइक सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने घर के बाहर गोलियां चलाई थीं, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। इसके अलावा करीब एक महीने पहले अशोकनगर में बिल्डर और कारोबारी अंकित अग्रवाल को भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी मिली थी और 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई थी।

भोपाल में पराली जलाने पर रोक

एडीएम ने 3 महीने के लिए प्रतिबंध लगाया; उल्लंघन पर होगी एफआईआर

भोपाल। भोपाल में पराली जलाने पर रोक लगा दी गई है। एडीएम सुमित कुमार पांडेय ने आदेश जारी किया। इसके मुताबिक, अगले 3 महीने तक पराली यानी, नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। उल्लंघन करने पर थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) के आदेश का पालन करते हुए यह रोक लगाई गई है, जो पूरे भोपाल जिले में लागू रहेगी। एडीएम पांडेय ने सभी एसडीएम को पराली जलाने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

वर्तमान में कई किसान गेहूं की कटाई में लगे हैं। इस कारण खेतों में पराली जलाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। कई किसान फसल काटने के बाद खेतों में आग लगा देते हैं। इससे भूमि की उर्वरा शक्ति भी खत्म हो रही है। इसलिए एडीएम ने यह आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि खेत की आग के अनियंत्रित होने पर जनसंपत्ति एवं प्राकृतिक वनस्पति, जीव-जन्तु नष्ट हो जाते हैं। जिससे नुकसान होता है। खेत की मिट्टी की उर्वरा शक्ति खत्म हो जाती है। जिससे उत्पादन प्रभावित होता है। खेत में पड़ा कचरा, भूसा, डंठल सड़ने के बाद भूमि को प्राकृतिक रूप से उपजाऊ बनाते हैं। इन्हें जलाकर नष्ट करना ऊर्जा को नष्ट करना है। आग लगाने से हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है। जिससे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जिले में कई किसान रोटावेटर एवं अन्य साधनों से डंठल खेत से हटा रहे हैं। यह सुविधा जिले में उपलब्ध हो गई है।

जून तक रहेगा आदेश

एडीएम ने यह आदेश अगले 3 महीने यानी, जून तक लगाया है। तब भोपाल में मानसून एक्टिव हो जाता है। इससे पराली जलाने की घटनाएं नहीं होती है। एडीएम ने आदेश में लिखा कि यह एक पक्षीय पारित किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील होगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

डीएफओ के आदेश पर 11 दिन बाद भी अमल नहीं

भोपाल । भोपाल वन मंडल के परिक्षेत्र समर्ध्रा में पदस्थ स्थाई कर्मी ताज मोहम्मद के विरुद्ध डीएफओ भोपाल सामान्य वन मंडल के आदेश के 11दिन बाद भी परिक्षेत्र समर्धा से हटाने के आदेश पर परिक्षेत्राधिकारी ने कार्यवाही नहीं ककी है। मप्र सर्वजन न्याय मंच ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है अवैध वसूली करने वाले स्थाई कर्मी ताज मोहम्मद के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाए। मप्र सर्वजन न्याय मंच के जिलाध्यक्ष सन्तोष सेन एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत द्विवेदी ने बताया कि परिक्षेत्र समर्धा में पदस्थ ताज मोहम्मद स्थाई कर्मी द्वारा लंबे समय से केरवा एवं कोलार बेरियार में वनरक्षक की वर्दी पहनकर वाहन से अवैध वसूली की जा रही थी। जिसकी शिकायत थाना रातीबड़ की महिला पुलिसकर्मी विद्या ने वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से की थी। जिस पर वन मंडला अधिकारी भोपाल ने जांच भोपाल के एसडीओ आरके चौधरी को सौंपी है। 16 मार्च को जांच भी हुई थी और जांच में प्रारंभिक रूप से शिकायत सही पाए जाने पर डीएफओ भोपाल ने स्थाई कर्मी ताज मोहम्मद को परिक्षेत्र समर्धा से भोपाल ईकाई में पदस्थ करने के आदेश जारी किए हैं। लेकिन परिक्षेत्र अधिकारी समर्धा ने डीएफओ के आदेश के 11 दिन बाद आदेश पर अमल नहीं किया है और स्थाई कर्मी ताज मोहम्मद अभी भी गुलबदर केरवा कोलार बेरियार में अवैध वसूली कर रहा है। सर्वजन न्याय मंच ने निर्णय लिया है कि अवैध वसूली करने वाले स्थाई कर्मी ताज मोहम्मद के विरुद्ध तीन दिवस में सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो मंच मुख्य वन संरक्षक भोपाल के कार्यालय के समक्ष ध्यान आकर्षण प्रदर्शन करके ज्ञापन सौंपेगा।

ऐतिहासिक ईदगाह मस्जिद की पार्किंग में मोबाइल टावर निर्माण को लेकर विवाद

भोपाल। राजधानी भोपाल की ऐतिहासिक ईदगाह मस्जिद की पार्किंग में मोबाइल टावर निर्माण को लेकर जोरदार हंगामा हो गया। इसकी जानकारी लगते ही ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान और पार्टी कार्यकर्ताओं तुरंत मौके पर जा पहुंचे और निर्माण कार्य का विरोध करते हुए वहां काम कर रही लेबर को रोक दिया। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। हालांकि यह जानकारी सामने आई की यहॉ जारी निर्माण कार्य सभी आवश्यक अनुमति के साथ किया जा रहा था, जिसकी मंजूरी मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड ने भी दी है। लेकिन एआईएमआईएम ने इस आदेश का भी विरोध करते हुए मौके पर ही धरना प्रदर्शन किया जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। मौके पर पहुचें पुलिस अफसरो ने पार्टी कार्यकर्ताओं को समझाइश देने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान और कार्यकर्ताओं की पुलिस अधिकारियों से तीखी बहस हो गई। पार्टी कार्यकर्ताओं ने तुरंत ही काम रोकने की मांग की और बात नहीं मानने पर धरना देने की चेतावनी दी। काफी देर चले हंगामे के बाद निर्माण कार्य को फिलहाल रोक दिया गया जिसके बाद मामला शांत हो सका। विवाद शांत होने के बाद मीडियो से चर्चा करते हुए मोहसिन अली खान ने कहा कि वक्फ संपत्तियों की हिफाजत करना उनका फर्ज है। उन्होंने आरोप लगाया कि वक्फ बोर्ड द्वारा टेंडर जारी कर एयरटेल को टावर लगाने की अनुमति दी गई है, जिसका विरोध किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि वक्फ की जमीन का एक इंच भी किसी को नहीं लेने दिया जाएगा और इसके लिए कानूनी लड़ाई भी लड़ी जाएगी। उन्होने साफ तौर पर कहा की आज के दौर में जहॉ किसी खास मौके पर नमाजियो के सड़कों पर थोड़ी देर की नमाज पढ़ने पर सरकार उस पर रोक लगाने लगाने के साथ ही सख्त कदम उठाने की बात करती है। और वही इबादत गाहो के वक्फ की गई जमीन पर बलपूर्वक अतिक्रमण कराया जा रहा है। उन्होंने इस काम की अनुमति दिए जाने को लेकर वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनव्वर पटेल पर भी निशान साधते हुए कहा कि मौजूदा दौर में पूंजीपतियों के साथ मिलकर वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण किया जा रहा है, जो बिल्कुल भी जायज नहीं है।

वन्यजीवों को बेचा, खरीदा या पाला तो 7 वर्ष की जेल

- 313 कछुए जब्त करने के बाद वन विभाग की चेतावनी

भोपाल। मध्य प्रदेश में प्रतिबंधित वन्यजीवों की अवैध बिक्री और पालन को रोकने के लिए वन विभाग ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने साफ कहा है कि ऐसे मामलों में कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हाल ही में फरवरी 2026 में स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स और वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में 313 जीवित कछुए जब्त किए गए थे। ये कछुए अनुसूची-1 प्रजाति के थे, जिनका व्यापार पूरी तरह प्रतिबंधित है। इस मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और एक संगठित गिरोह का भी खुलासा हुआ। वन विभाग ने बताया कि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत प्रतिबंधित जीवों का शिकार करना, खरीदना, बेचना, पालना या उनका परिवहन करना अपराध है। इसके बावजूद कुछ पेट शॉप और एक्वेरियम दुकानों में कछुए, पक्षी और अन्य जीवों की अवैध बिक्री की शिकायतें मिल रही हैं। विभाग ने दुकानदारों को निर्देश दिए हैं कि बिना अनुमति किसी भी प्रतिबंधित प्रजाति का व्यापार न करें और अपने पास मौजूद जीवों के सभी जरूरी दस्तावेज रखें। साथ ही सोशल मीडिया या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ऐसे जीवों की बिक्री या प्रचार करने से भी मना किया गया है। आम लोगों से भी अपील की गई है कि वे प्रतिबंधित वन्यजीवों को न खरीदें और न ही घर में पालें। अगर कहीं ऐसी गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत वन विभाग या पुलिस को सूचित करें। इसके लिए वन विभाग ने टोल-फ्री नंबर 0755-2524000 भी जारी किया है। वन विभाग ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। इसमें 7 साल तक की जेल और जुर्माने का प्रावधान है। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एल. कृष्णामूर्ति ने नागरिकों, दुकानदारों और मीडिया से वन्यजीवों की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने की अपील की है।

स्कूल शिक्षा के बाद अब ट्राइबल शिक्षकों की बारी

भोपाल । मध्य प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग के बाद अब जनजातीय कार्य विभाग में पदस्थ शिक्षकों के लिए भी शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्य कर दी गई है। नए निर्देशों के अनुसार ट्राइबल विभाग के करीब 65 हजार शिक्षकों को यह परीक्षा देनी होगी, जिससे बड़ी संख्या में शिक्षकों के सामने नौकरी को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है। जानकारी के अनुसार विभाग में करीब 95 हजार शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें से करीब 65 हजार को पात्रता परीक्षा देनी होगी।

जनजातीय कार्य विभाग के आयुक्त तरुण राठी द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में लिया गया है। सिविल अपील क्रमांक 1385/2025, 1386/2025 समेत अन्य मामलों में दिए गए आदेशों के आधार पर यह व्यवस्था लागू की जा रही है। साथ ही शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रावधानों के तहत पात्रता परीक्षा को अनिवार्य बनाया गया है।

दो साल में पास करनी होगी परीक्षा

निर्देशों के अनुसार प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के शिक्षकों को यह पात्रता परीक्षा दो वर्षों के भीतर अनिवार्य रूप से उत्तीर्ण करनी होगी। इसके लिए विभाग ने जुलाई-अगस्त 2026 में विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित कराने की तैयारी भी शुरू कर दी है। सभी संभागीय उपायुक्त, सहायक आयुक्त और जिला संयोजकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पदस्थ शिक्षकों को परीक्षा की जानकारी दें और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करें।

सभी अपात्र शिक्षकों को देना होगा मौका

विभाग ने स्पष्ट किया है कि जो शिक्षक अभी निर्धारित योग्यता पूरी नहीं करते हैं, उन्हें इस परीक्षा में शामिल होकर पात्रता हासिल करनी होगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि इस प्रक्रिया में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए और आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए।

एमपी में खत्म होगा 24 साल पुराना दो बच्चों का नियम

तीन या अधिक संतान वालों को भी मिलेगी सरकारी नौकरी

भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरी से जुड़ा करीब 24 साल पुराना दो बच्चों वाला नियम अब खत्म होने की तैयारी में है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर लिया है, जिसे मुख्यमंत्री से सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। अब इसे जल्द ही कैबिनेट में पेश किया जाएगा। अगर कैबिनेट से मंजूरी मिलती है, तो तीन या उससे अधिक बच्चों वाले लोगों को सरकारी नौकरी से न तो बाहर किया जाएगा और न ही नौकरी पाने से रोका जाएगा। अभी तक इस नियम के कारण कई कर्मचारी और उम्मीदवार प्रभावित हो रहे थे।

साल 2001 में तत्कालीन सरकार ने सिविल सेवा नियमों में बदलाव कर यह प्रावधान लागू किया था। इसके तहत दो से ज्यादा बच्चे होने पर सरकारी नौकरी में नियुक्ति या नौकरी जारी रखने में दिक्कत आती थी। यानी उनको अपात्र माना जाता था। इस बदलाव का सबसे ज्यादा फायदा शिक्षा विभाग को मिलेगा। जानकारी के अनुसार, बड़ी संख्या में शिक्षक ऐसे हैं जो इस नियम से प्रभावित थे। नया नियम लागू होने के बाद उनकी नौकरी सुरक्षित हो जाएगी। इसके अलावा स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग में भी हजारों मामले लंबे समय से लंबित हैं, जिन्हें अब सुलझाया जा सकेगा।

पुराने मामलों पर भी होगा फैसला

सरकार उन कर्मचारियों को भी राहत देने पर विचार कर रही है, जिन्हें तीसरी संतान के कारण नौकरी से हटाया गया था या जिनके मामले कोर्ट में चल रहे हैं। कैबिनेट इन सभी मामलों पर अंतिम निर्णय ले सकती है। बता दें पिछले कुछ वर्षों में इस नियम को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता के खिलाफ बताया गया और बदलते सामाजिक हालात के हिसाब से इसे पुराना माना गया। इसी बीच जनसंख्या संतुलन को लेकर भी चर्चा तेज हुई, जिसके बाद सरकार ने इस पर पुनर्विचार शुरू किया।

दूसरे राज्यों में पहले ही बदलाव

मध्य प्रदेश से पहले राजस्थान और छत्तीसगढ़ इस नियम को खत्म कर चुके हैं। वहां तीन या उससे अधिक बच्चों वाले लोग बिना किसी रोक-टोक के सरकारी सेवा में बने रह सकते हैं। सरकार इस प्रस्ताव को जल्द ही कैबिनेट में रख सकती है, जिसके बाद इस नियम को आधिकारिक रूप से लागू कर दिया जाएगा।

आईपीएल 2026 का आगाज आज से, ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी

पहले मैच में आरसीबी और एसआरएच होंगें आमने-सामने

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का बहुप्रतीक्षित आगाज शनिवार, 28 मार्च से होने जा रहा है। इस सीजन का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के प्रतिष्ठित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होगा, जहां फैंस को एक रोमांचक शुरुआत की उम्मीद है।

हालांकि इस बार आईपीएल के उद्घाटन समारोह में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आमतौर पर टूर्नामेंट की शुरुआत भव्य ओपनिंग सेरेमनी के साथ होती है, जिसमें कई बड़े सितारे शामिल होते हैं, लेकिन इस बार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ओपनिंग सेरेमनी आयोजित नहीं करने का फैसला किया है। इसके पीछे एक संवेदनशील कारण बताया जा रहा है। पिछले सीजन में आरसीबी की जीत के बाद आयोजित विक्ट्री परेड के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसमें कई फैंस की जान चली गई थी। इसी दुखद घटना को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने इस बार सादगी के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत करने का निर्णय लिया है, ताकि दिवंगत प्रशंसकों को श्रद्धांजलि दी जा सके।

मैच के समय की बात करें तो आरसीबी और एसआरएच के बीच यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। वहीं, टॉस के लिए दोनों टीमों के कप्तान शाम 7 बजे मैदान पर उतरेंगे। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि यह सीजन की शुरुआत का मैच है।

प्रसारण की बात करें तो इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर विभिन्न भाषाओं में किया जाएगा, जिससे देशभर के दर्शक अपनी पसंदीदा भाषा में मैच का आनंद ले सकेंगे। वहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा, दर्शक लाइव स्कोर और अपडेट्स के लिए विभिन्न क्रिकेट वेबसाइट्स और ऐप्स का सहारा ले सकते हैं।

आईपीएल 2026 का यह पहला मुकाबला न सिर्फ टूर्नामेंट की दिशा तय करेगा, बल्कि दोनों टीमों के इरादों का भी संकेत देगा। जहां आरसीबी अपनी खिताबी लय को बरकरार रखना चाहेगी, वहीं सनराइजर्स हैदराबाद जीत के साथ नई शुरुआत करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। ऐसे में यह मुकाबला फैंस के लिए रोमांच से भरपूर होने की पूरी उम्मीद है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिलिप साल्ट, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, यश दयाल, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, अभिनंदन। सिंह, विक्की ओस्तवाल, सात्विक देसवाल।

सनराइजर्स हैदराबाद

ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, स्मरण रविचंद्रन, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, कामिंडु मेंडिस, नितीश कुमार रेड्डी, पैट कमिंस (कप्तान), ईशान मलिंगा, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल, सलिल अरोड़ा, प्रफुल्ल हिंगे, लियाम लिविंगस्टोन, शिवम मावी, जैक एडवर्ड्स, ब्रायडन कार्स, साकिब हुसैन, जीशान अंसारी, अनिकेत वर्मा, अमित कुमार, क्रेन्स फुलेट्रा।

आईपीएल 2026 : आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणी, ऑरेंज कैप की रेस में जायसवाल-गिल आगे

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 19वें सीजन के आगाज के साथ ही एक बार फिर बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। इस सीजन में जहां युवा खिलाड़ियों से बड़े प्रदर्शन की उम्मीद है, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों पर भी अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव रहेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने ऑरेंज कैप और पर्पल कैप के संभावित दावेदारों को लेकर अपनी भविष्यवाणी साझा की है। आकाश चोपड़ा ने अपने विश्लेषण में ऑरेंज कैप के लिए भारतीय बल्लेबाजों पर भरोसा जताया है। उन्होंने यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल को इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबसे आगे माना है। दोनों बल्लेबाज पहले भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और ऑरेंज कैप जीतने का अनुभव रखते हैं। चोपड़ा का मानना है कि टी20 क्रिकेट में आमतौर पर सलामी बल्लेबाजों को ज्यादा मौके मिलते हैं, इसलिए इन दोनों खिलाड़ियों की दावेदारी मजबूत है। उन्होंने खास तौर पर यशस्वी जायसवाल को लेकर कहा कि यह उनके लिए 'ब्रेकआउट सीजन' साबित हो सकता है। पिछले कुछ समय में जायसवाल ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह उन्हें इस रेस में सबसे आगे खड़ा करता है। चोपड़ा ने यह भी कहा कि शुभमन गिल रन बनाने की भूख के साथ मैदान पर उतरेंगे, जिससे उनके बड़े स्कोर बनाने की संभावना और बढ़ जाती है। इसके अलावा विराट कोहली और केएल राहुल को भी ऑरेंज कैप के दावेदारों में शामिल किया गया है। कोहली पहले ही दो बार यह खिताब जीत चुके हैं और उनका अनुभव उन्हें इस दौड़ में मजबूत बनाता है। वहीं चोपड़ा का मानना है कि अगर दिल्ली कैपिटल्स अच्छा प्रदर्शन करती है, तो केएल राहुल भी इस रेस में आगे निकल सकते हैं। आकाश चोपड़ा के अनुसार, ऑरेंज कैप जीतने के लिए किसी बल्लेबाज को कम से कम 600 से 650 रन बनाने होंगे। उन्होंने जायसवाल के हालिया आंकड़ों का जिक्र करते हुए बताया कि वह लगातार रन बना रहे हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी शानदार है।

गंभीर की आक्रामकता ही उनकी ताकत, विरोधियों के लिए 'खलनायक' लेकिन टीम के लिए हीरो- डु प्लेसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फैफ डु प्लेसी ने भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा कोच गौतम गंभीर की तीखी प्रतिस्पर्धात्मक भावना की जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि गंभीर का यही आक्रामक रवैया उन्हें कई बार विरोधियों की नजर में 卐कहानी का खलनायक卐 बना देता है, लेकिन उनकी टीम के लिए यही सबसे बड़ी ताकत साबित होता है। डु प्लेसी ने बताया कि जब आप गंभीर के खिलाफ खेलते हैं, तो उनकी ऊर्जा और जुनून उन्हें अलग बनाते हैं। वह ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं होती कि लोग उन्हें पसंद करते हैं या नहीं। उनका पूरा ध्यान सिर्फ जीत और टीम के प्रदर्शन पर रहता है। यही वजह है कि वह एक मजबूत लीडर के रूप में उभरते हैं और ड्रेसिंग रूम में उच्च मानक स्थापित करते हैं।

गौतम गंभीर की कप्तानी में कोलकाता नाईट राईडर ने 2012 और 2014 में आईपीएल खिताब जीते थे। इसके अलावा, मेंटोर के रूप में उनके मार्गदर्शन में टीम ने 2024 में तीसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की। डु प्लेसी का मानना है कि यह सफलता केवल खिलाड़ियों की वजह से नहीं, बल्कि नेतृत्व की स्पष्ट सोच और अनुशासन का नतीजा है। उन्होंने यह भी कहा कि एक कप्तान के रूप में जब आप गंभीर के खिलाफ मैदान में उतरते हैं, तो स्वाभाविक रूप से उन्हें हराने की इच्छा होती है, लेकिन साथ ही उनके नेतृत्व और उच्च मानकों का सम्मान भी किया जाता है। यही गुण उन्हें एक प्रभावशाली नेता बनाता है। डु प्लेसी ने फ्रेंचाइजी क्रिकेट में नेतृत्व की व्यापक भूमिका पर भी जोर दिया। उनके अनुसार, टीम की सफलता केवल कप्तान पर निर्भर नहीं होती, बल्कि इसमें मालिक, कोच और टीम मैनेजमेंट की भी अहम भूमिका होती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाईट राईडर जैसी सफल टीमों का जिक्र किया, जहां मजबूत नेतृत्व समूह ने निरंतर सफलता दिलाई। डु प्लेसी ने कप्तान और कोच के बीच तालमेल को भी बेहद महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना है कि यदि कप्तान मजबूत हो तो वह टीम को दिशा देता है, लेकिन अगर ऐसा नहीं है, तो कोच को नेतृत्व की जिम्मेदारी उठानी पड़ती है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि गौतम गंभीर ने कोच और मेंटोर दोनों भूमिकाओं में खुद को बेहद प्रभावी साबित किया है, जो किसी भी टीम की सफलता की कुंजी होती है।

दिल्ली कैपिटल्स की नई शुरुआत, अभिषेक पोरेल की प्यारी हरकत ने जीता दिल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की टीम नए जोश और मजबूत इरादों के साथ मैदान में उतरने को तैयार है। पिछले सीजन में टीम ने शानदार शुरुआत की थी, लेकिन बाद में लय खोने के कारण खिताब की दौड़ से बाहर हो गई थी। ऐसे में इस बार टीम का लक्ष्य साफ है पहली बार ट्रॉफी जीतना। इसके लिए खिलाड़ी जमकर अभ्यास कर रहे हैं और अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

कड़ी मेहनत के बीच खिलाड़ी हल्के-फुल्के पलों का भी आनंद ले रहे हैं। हाल ही में टीम के एक प्रैक्टिस सेशन के दौरान ऐसा ही एक दिलचस्प और भावुक दृश्य देखने को मिला, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। अभ्यास के दौरान अचानक एक कुत्ता मैदान पर आ गया और पिच तक पहुंच गया। इस स्थिति में युवा खिलाड़ी अभिषेक पोरेल ने तुरंत आगे बढ़कर जिम्मेदारी दिखाई। उन्होंने कुत्ते को प्यार से अपनी गोद में उठाया और उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया।

अभिषेक की इस संवेदनशील और प्यारी हरकत ने टीम के अन्य खिलाड़ियों के चेहरे पर मुस्कान ला दी। मैदान पर मौजूद सभी लोग इस दृश्य को देखकर खुश नजर आए। यही नहीं, पोरेल का यह 'डॉग लव' सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। इस घटना ने यह भी दिखाया कि खिलाड़ी मैदान के बाहर भी अपनी मानवीय संवेदनाओं को नहीं भूलते। आईपीएल 2026 में दिल्ली

कैपिटल्स का पहला मुकाबला 1 अप्रैल को लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ खेला जाएगा। यह मैच लखनऊ में आयोजित होगा, जिसके लिए टीम अभी से तैयारियों में जुटी हुई है। फिलहाल दिल्ली की टीम अपने घरेलू मैदान अरुण जेटली स्टेडियम में अभ्यास कर रही है, जहां खिलाड़ी अपनी रणनीतियों को धार दे रहे हैं।

इस बार दिल्ली कैपिटल्स का स्क्वॉड संतुलित और मजबूत नजर आ रहा है, जिसमें अनुभव और युवा जोश का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिल रहा है। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि खिलाड़ी इस बार अपनी पिछली गलतियों से सबक लेकर बेहतर प्रदर्शन करेंगे। आईपीएल में दिल्ली का सफर अब तक उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जहां टीम कई बार खिताब के करीब पहुंचकर चूक गई। लेकिन इस सीजन में टीम इतिहास रचने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

दिल्ली कैपिटल्स का स्क्वाड- केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पाथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी शॉ, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, समीर रिज़्वी, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, अजय मंडल, त्रिपुरान विजय, माधव तिवारी, आकिब डार, नीतीश राणा, मिचेल स्टार्क, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन और कुलदीप यादव.

15 के हुए वैभव सूर्यवंशी, धमाकेदार प्रदर्शन से सुर्खियों में

- एक ओवर ने बदली करीम जनत की किस्मत

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी 27 मार्च को 15 साल के हो गए हैं और इसके साथ ही उनके लिए सीनियर क्रिकेट में आगे बढ़ने का रास्ता और साफ हो गया है। बिहार के समस्तीपुर जिले से ताल्लुक रखने वाले वैभव ने बेहद कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा लिया था। उन्होंने महज 12 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू कर सबको चौंका दिया था और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर तेजी से पहचान बनाई। उनकी काबिलियत को देखते हुए आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया। अपने पहले ही आईपीएल सीजन में वैभव ने धमाकेदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। खास तौर पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मैच में उन्होंने सिर्फ 35 गेंदों में शतक जड़कर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया और 'वंडर बॉय' के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर ली। हालांकि इसी सीजन का एक और पहलू भी काफी चर्चा में रहा, जिसमें उनके प्रदर्शन ने एक अन्य खिलाड़ी के करियर पर गहरा असर डाला। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2025 में अफगानिस्तान के ऑलराउंडर करीम जनत को 75 लाख रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा था। राजस्थान के खिलाफ मैच में उन्हें डेब्यू का मौका मिला, लेकिन यह मैच उनके लिए बेहद मुश्किल साबित हुआ। उस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी के सामने गेंदबाजी करते हुए करीम जनत पूरी तरह दबाव में नजर आए। वैभव ने उनके एक ही ओवर में 3 छक्के और 3 चौके लगाते हुए कुल 30 रन बटोर लिए। इस ओवर के बाद टीम के कप्तान शुभमन गिल ने करीम को फिर गेंदबाजी का मौका नहीं दिया। इतना ही नहीं, पूरे सीजन में वह प्लेइंग इलेवन से बाहर ही रहे और बाद में आईपीएल 2026 के लिए उन्हें टीम से रिलीज भी कर दिया गया।

हालांकि आईपीएल में यह अनुभव उनके लिए निराशाजनक रहा, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करीम जनत अफगानिस्तान टीम के लिए अहम खिलाड़ी बने हुए हैं। उन्होंने अब तक 2 टेस्ट, 3 वनडे और 75 टी20 मुकाबले खेले हैं। टेस्ट और वनडे में भले ही उन्हें सफलता नहीं मिली हो, लेकिन टी20 फॉर्मेट में उनके नाम 42 विकेट दर्ज हैं, जो उनकी उपयोगिता को साबित करता है।

बेन डकेट ने नाम लिया वापस, दो साल के बैन की संभावना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत से ठीक पहले दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के लिए ओपनिंग करने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट ने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे समय पर लिया गया यह फैसला दिल्ली की तैयारियों पर सीधा असर डाल सकता है, जब सभी टीमें अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप दे रही हैं। डकेट के इस कदम के बाद बीसीसीआई उनके खिलाफ सख्त रुख अपना सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टूर्नामेंट से अचानक हटने के कारण उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया जा सकता है, जिससे वह आगामी दो सीजन में आईपीएल का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। इससे पहले हैरी ब्रूक पर भी इसी तरह की कार्रवाई की जा चुकी है।

दिल्ली कैपिटल्स के एक सूत्र ने पुष्टि की है कि डकेट ने फ्रेंचाइजी को अपनी अनुपलब्धता के बारे में सूचित कर दिया है। टीम प्रबंधन अब उनके विकल्प की तलाश में जुट गया है और जल्द ही नए खिलाड़ी के नाम की घोषणा की जा सकती है। नीलामी में डकेट को 2 करोड़ रुपये में खरीदा गया था और उनसे उम्मीद थी कि वह केएल राहुल के साथ टीम को मजबूत शुरुआत देंगे। डकेट ने अपने फैसले के पीछे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को प्राथमिकता देने की वजह बताई है। उन्होंने हालिया प्रदर्शन को निराशाजनक बताते हुए कहा कि वह अपने करियर पर दोबारा ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। एशेज सीरीज में उनका प्रदर्शन औसत रहा था, वहीं टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला, जिसने उनके फैसले को और मजबूती दी। 31 वर्षीय डकेट ने इस फैसले को मुश्किल बताते हुए दिल्ली के प्रशंसकों से माफी भी मांगी। उन्होंने कहा कि आईपीएल जैसे बड़े मंच पर खेलने का मौका उनके लिए खास था, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में उन्हें यह कदम उठाना पड़ा।

आईपीएल 2026 से पहले राहत- पैट कमिंस की वापसी की तैयारी, एसआरएच को मिला बड़ा अपडेट

नई दिल्ली। सनराईज हैदराबाद के लिए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले राहत भरी खबर सामने आई है। टीम के नियमित कप्तान पैंट कमिंस, जो लंबे समय से बैक इंजरी से जूझ रहे थे, अब धीरे-धीरे फिटनेस की ओर लौट रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी वापसी के संकेत देते हुए बताया कि मैदान पर लौटना उन्हें अच्छा लग रहा है। कमिंस ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में भी अपनी रिकवरी को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वह अब नेट्स में गेंदबाजी शुरू कर चुके हैं और तय रिहैब प्लान के अनुसार धीरे-धीरे अपना वर्कलोड बढ़ा रहे हैं। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वह टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में उपलब्ध नहीं रहेंगे, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ज्यादा समय तक बाहर नहीं रहना पड़ेगा। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ने कहा कि वह फिलहाल हर तीसरे दिन गेंदबाजी कर रहे हैं और टीम मैनेजमेंट के साथ मिलकर ऐसा प्लान तैयार किया गया है, जिससे वह टूर्नामेंट के दूसरे हिस्से तक पूरी तरह फिट हो सकें। उनका लक्ष्य है कि लीग के अंतिम चरण और संभावित प्लेऑफ मुकाबलों में टीम के लिए उपलब्ध रहें। गौरतलब है कि कमिंस को यह चोट पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान लगी थी, जिसके कारण वह टी20 वर्ल्ड कप में भी हिस्सा नहीं ले पाए थे। उनकी गैरमौजूदगी में सनराइजर्स हैदराबाद ने ईशान किसन को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी है। इस बीच टीम को एक और झटका लगा है, क्योंकि ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स पैर की चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। ऐसे में कमिंस की वापसी टीम के लिए और भी अहम हो जाती है। आईपीएल में कमिंस के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने अब तक 72 मैचों में 79 विकेट लिए हैं। इसके अलावा बल्ले से भी उन्होंने 600 से ज्यादा रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 34 रन देकर 4 विकेट रहा है। ऐसे में अगर वह टूर्नामेंट के दूसरे चरण में वापसी करते हैं, तो यह एसआरएच के लिए गेम चेंजर साबित हो सकता है।

एसआरएच का स्काड

पैट कमिंस, ईशान किशन, सलील अरोड़ा, ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन, रविचंद्रन स्मरण, अनिकेत वर्मा, अभिषेक शर्मा, ब्रायडन कार्स, हर्ष दुबे, क्रेयंस फुलेट्रा, लियाम लिविंगस्टन, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, शिवम मावी, शिवांग कुमार, जैक एडवर्ड्स, अमित कुमार, प्रफुल्ल हिंगे, एशान मलिंगा, डेविड पेन, साकिब हुसैन, ओमकरा तरमले, जयदेव उदानकत, जीशान अंसारी।

ओलंपिक में ट्रांसजेंडर महिलाओं की एंट्री पर रोक, आईओसी ने बदली नीति

नई दिल्ली । इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) ने ट्रांसजेंडर एथलीटों को लेकर एक बड़ा और अहम फैसला लिया है। नई नीति के तहत 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 और भविष्य के सभी ओलंपिक खेलों में ट्रांसजेंडर महिलाएं महिला कैटेगरी के इवेंट्स में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। इस निर्णय का उद्देश्य महिलाओं के खेलों में निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करना बताया गया है। आईओसी की नई गाइडलाइन के अनुसार, अब केवल बायोलॉजिकल महिलाओं, यानी जन्म से महिला खिलाड़ियों को ही महिला वर्ग में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए खिलाड़ियों को जीन टेस्ट से गुजरना होगा, जिसमें थूक, ब्लड सैंपल या गाल के जरिए सैंपल लिया जा सकता है। हालांकि, जो एथलीट जन्म के समय महिला थे और बाद में खुद को ट्रांसजेंडर के रूप में पहचानते हैं, उन्हें महिला स्पर्धाओं में भाग लेने की छूट दी गई है।

आईओसी की अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने इस फैसले को विज्ञान और चिकित्सा सलाह पर आधारित बताया है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक जैसे उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं में जीत और हार के बीच बहुत कम अंतर होता है, ऐसे में प्रतिस्पर्धा का निष्पक्ष होना बेहद जरूरी है। उनके मुताबिक, बायोलॉजिकल पुरुषों का महिला वर्ग में मुकाबला करना न केवल अनुचित है, बल्कि कुछ खेलों में सुरक्षा के लिहाज से भी जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हर एथलीट के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाएगा और इस प्रक्रिया के तहत खिलाड़ियों को अपने करियर में केवल एक बार स्क्रीनिंग करवानी होगी। आईओसी का यह कदम सभी खेलों के लिए एक समान नियम लागू करने की दिशा में उठाया गया है, ताकि अलग-अलग खेल संघों द्वारा अलग-अलग मानदंड तय करने की स्थिति समाप्त हो सके।

गौरतलब है कि इससे पहले आईओसी ट्रांसजेंडर महिलाओं को टेस्टोस्टेरोन स्तर के आधार पर प्रतिस्पर्धा में भाग लेने की अनुमति देता था या यह निर्णय संबंधित खेल संघों पर छोड़ दिया जाता था। हालांकि अब आईओसी एक समान और स्पष्ट नीति लागू करना चाहता है। इस बीच, कई अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों ने पहले ही ट्रांसजेंडर एथलीटों की भागीदारी पर प्रतिबंध लगा दिया है।

आईपीएल के पहले ही मैच में रिकार्ड बना सकते हैं भुवनेश्वर

मुम्बई । आईपीएल के 19 सत्र के पहले ही मैच में रॉयल चैलेंजस बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार एक नया रिकार्ड बना सकते हैं। भुवनेश्वर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले पहले मैच में दो विकेट लेने के साथ ही इस लीग में 200 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बन जाएंगे। अभी तक इस लीग में स्पिनर यजुवेन्द्र चहल के नाम ही 200 विकेट हैं पर कोई भी तेज गेंदबाज यहां तक नहीं पहुंचा है। भुवनेश्वर ने अब तक 190 आईपीएल मैचों में 198 विकेट लिए हैं, उनका औसत 27.33 रहा है। इस दौरान उन्होंने 2 बार 5 विकेट और 2 बार 4 विकेट भी लिए हैं1 आईपीएल में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं तेज गेंदबाजों की बात करें तो जसप्रीत बुमराह सूची में दूसरे नंबर पर हैं, उनके नाम 183 विकेट हैं। वहीं वेस्टइंडीज के डवेन ब्रावो के नाम भी इतने ही विकेट हैं। आरसीबी ने इस सत्र में भुवनेश्वर को 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। पिछले सत्र में उन्होंने 14 पारियों में 17 विकेट लिए थे। भुवनेश्वर कुमार का पावरप्ले में रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने आईपएल में अपने 79 विकेट पावरप्ले में लिए हैं, जो किसी भी गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा हैं। इस दौरान उनकी इकॉनमी 6.46 रही है।

आईपीएल 2026 का पूरा शेड्यूल जल्द होगा जारी, बीसीसीआई ने दिए संकेत

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत में अब कुछ ही दिन शेष हैं, लेकिन पूरे टूर्नामेंट के शेड्यूल का इंतजार अभी भी बना हुआ है। 28 मार्च से सीजन का आगाज तय है और क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह चरम पर पहुंच चुका है। इसी बीच बीसीसीआई ने संकेत दिया है कि शेष मुकाबलों का कार्यक्रम जल्द ही घोषित किया जाएगा, जिससे टूर्नामेंट की पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी।

फिलहाल लीग के पहले चरण के 20 मैचों का ऐलान किया जा चुका है, जो 28 मार्च से 12 अप्रैल के बीच खेले जाएंगे। बाकी 54 मुकाबलों के शेड्यूल का इंतजार है, जिसे इस सप्ताह जारी किए जाने की संभावना है। बीसीसीआई सचिव देवाजीत साइकिया ने पुष्टि करते हुए कहा कि अगले कुछ दिनों में पूरा कार्यक्रम सामने आ जाएगा। माना जा रहा है कि उद्घाटन मैच के दिन ही शेड्यूल जारी किया जा सकता है। शेड्यूल में देरी की मुख्य वजह उन राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव रहे, जहां आईपीएल के मुकाबले आयोजित होने हैं। वेस्ट बंगल, असम और तमिलनाडु में चुनावी कार्यक्रम के चलते मैचों की तारीखों को अंतिम रूप देने में समय लगा। अब चुनाव आयोग द्वारा तारीखों की घोषणा के बाद बीसीसीआई के लिए पूरा शेड्यूल तय करना आसान हो गया है।

इस सीजन में कुल 74 मैच 65 दिनों के भीतर खेले जाएंगे। पहले टूर्नामेंट को 84 मैचों तक विस्तारित करने की चर्चा थी, लेकिन फिलहाल इस योजना को टाल दिया गया है। अब लीग के विस्तार की संभावना 2027 के बाद ही देखी जा रही है। सीजन की तैयारियों के तहत मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में सभी 10 टीमों के कप्तानों की बैठक भी आयोजित की गई। इस दौरान मैच रेफरी प्रमुख जवांगल श्रीनाथ और अंपायर पैनल के प्रमुख नितिन मेनन ने खिलाड़ियों को नियमों की जानकारी दी। बोर्ड ने स्पष्ट किया कि इस सीजन में सभी मौजूदा नियम लागू रहेंगे।

इन नियमों में इम्पैक्ट प्लेयर, प्रति ओवर दो बाउंसर, 60 सेकंड का इनिंग्स टाइमर, कन्कशन सब्स्टीट्यूट, बैट चेक और गेंद बदलने जैसे प्रावधान शामिल हैं। कुछ कप्तानों ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर आपत्ति जताई, लेकिन बीसीसीआई ने साफ कर दिया है कि यह नियम कम से कम 2027 तक जारी रहेगा। साथ ही, ओस के प्रभाव को कम करने के लिए दूसरी पारी में 10 ओवर के बाद गेंद बदलने का नियम भी इस बार लागू रहेगा। अब फैंस को सिर्फ पूरे शेड्यूल के ऐलान का इंतजार है, जिसके बाद आईपीएल 2026 का रोमांच पूरी तरह से परवान चढ़ेगा।

एशियाई खेलों में पदक जीतना रहेगा लक्ष्य = मीराबाई चानू

रायपुर (ईएमएस)। भारत की ओलंपिक पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने कहा है कि वह राष्ट्रमण्डल खेलों में 48 किलोग्राम वर्ग में ही उतरेंगी पर उसके बाद उन्हें इसे एशियाई खेलों के लिए बदलना होगा। चानू के अनुसार वह आज तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पायी हैं , इसलिए उनका लक्ष्य इस बार पदक जीतना रहेगा। इस खिलाड़ी के अनुसार बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए वजन वर्गों में जरुरत के अनुसार बदलाव करना होता है। गौरतलब है कि चानू वह एक दशक से भी अधिक समय से भारत की ओर से विश्व स्तर पर भरोत्तोलन में पदक जीतती रही हैं। इसमें टोक्यो ओलंपिक्स के रजत पदक के साथ ही, तीन विश्व चैंपियनशिप पदक शामिल रहे हैं पर वह अभी तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पायी हैं।

मीराबाई ने पहली बार 19 साल की उम्र में पहली बार एशियाई खेलों में भाग लिया था और 2014 के इंचियोन एशियन गेम्स में वह नौवें स्थान पर रहीं थीं। बाद में पीठ की चोट के कारण उन्हें 2018 के जकार्ता एशियन गेम्स से हटना पड़ा था। वह साल 2022 के हांगझोऊ एशियाई खेलों में पदक के सबसे करीब पहुंची थीं पर फिट नहीं होने के कारण बीच में ही बाहर हो गयी थीं। इसके बाद वह पांच महीने तक खेल से दूर थीं। इस खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया था पर वह पदक जीतने में असफल रहीं थीं। अब उनका लक्ष्य इस बार एशियाई खेलों में पदक जीतना रहेगा।

बॉम्बे हाई कोर्ट से अडानी और अंबानी को बड़ी राहत

गैस चोरी और सौर ऊर्जा भ्रष्टाचार केस में सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका खारिज

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने बड़े उधोगपति मुकेश अंबानी और गौतम अडानी को बड़ी राहत दी है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) द्वारा ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) के कुओं से 1.55 बिलियन यानी करीब 13,700 करोड़ रुपये की नेचुरल गैस चोरी के आरोपों की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायाधीश सुमन श्याम की बेंच ने अपना फैसला सुनाया। इस केस में याचिकाकर्ता का इरादा साबित नहीं हुआ है। जनहित याचिका दाखिल करते समय याचिकाकर्ता का इरादा नेक होना चाहिए। लेकिन, इस केस में ऐसा नहीं देखा गया। इसी बात को हाईलाइट करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने याचिकर्ता को कोई राहत देने से मना करते हुए याचिका खारिज कर दी।

क्या थी याचिका ?

सिलवासा के रहने वाले जितेंद्र पी. मारू (61) ने बॉम्बे हाई कोर्ट में एक याचिका दाखिल की थी, जिसमें रिलायंस के चेयरमैन मुकेश धीरूभाई अंबानी और कंपनी के डायरेक्टर्स पर चोरी, गलत काम और भरोसा तोड़ने का आरोप लगाया गया था। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि 2004 से 2013-14 के बीच आंध्र प्रदेश के तट पर कृष्णा-गोदावरी बेसिन से गैस चोरी हुई थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि रिलायंस ने बिना किसी परमिशन के पड़ोसी ओएनजीसी के कुओं में ड्रिलिंग करके अपने गहरे समुद्र के कुओं से गैस चुराई थी। यह एक संगठित धोखाधड़ी था और एक बड़ी पहले से प्लान की गई साज़िश का हिस्सा था। इसमें कई वरिष्ठ अधिकारी भी रिश्वत देकर शामिल थे। आरोप लगाया गया था कि आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के अधिकारियों को 2000 करोड़ रुपये बांटे गए थे। पूरी साज़िश मुंबई में रची गई थी, इसलिए बॉम्बे हाई कोर्ट में प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग करते हुए एक याचिका दाखिल की गई थी। ओएनजीसी के अधिकारियों को 2013 में चोरी का पता चला और उन्होंने तुरंत केंद्र सरकार को इसकी जानकारी दी। लेकिन मुआवजा मांगने के अलावा अभी तक कोई क्रिमिनल एक्शन नहीं लिया गया है। अपना दावा साबित करने के लिए याचिकाकर्ता ने न्यूयॉर्क की एक कोर्ट से मिले कुछ कागजात बॉम्बे हाई कोर्ट में जमा किए थे।

सीबीआई की भूमिका

बॉम्बे हाई कोर्ट में सीबीआई के वकील अमित मुंढे ने कहा, इस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट बेंच का दिया गया ऑर्डर साफ है। उस ऑर्डर में एफआईआर दर्ज करने का कोई निर्देश नहीं है। इसलिए, कंप्लेंट बंद कर दी गई और एप्लीकेंट को 30 सितंबर 2025 के इस फैसले के बारे में बताया गया। भारत सरकार ने इस मामले में केस दर्ज करने की कोई मांग नहीं की है। साथ ही, ओएनजीसी ने भी ऐसी कोई मांग नहीं की है। अगर उन्हें सही लगता है, तो उनके पास इस मामले में एफआईआर दर्ज करने के लिए सीबीआई से संपर्क करने का विकल्प है। इसलिए, यह याचिका न तो कानून के हिसाब से स्वीकार्य है और न ही फैक्ट्स पर आधारित है।

क्या है रिलायंस का दावा ?

रिलायंस ने इस याचिका का विरोध किया था और बॉम्बे हाई कोर्ट में इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया था। उनका दावा था कि यह गैस माइग्रेटेड थी, यानी यह अपने आप उनके कुओं में आई थी। इसलिए, रिलायंस को इसे निकालने का पूरा अधिकार था। हालांकि, फर्म डी एंड एम (डी-गोलायर और मॅक-नॉटन) की जांच में रिलायंस ने माना था कि उसने बिना अनुमति के गैस निकाली थी। इसके बाद, केंद्र सरकार की अपील में बॉम्बे हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया कि रिलायंस का माइग्रेटेड गैस का दावा झूठा था।

क्या है मामला?

यह मामला 2000 के दशक की शुरुआत में शुरू हुआ था। इस दौरान, रिलायंस और ओएनजीसी को केजी बेसिन में ब्लॉक दिए गए थे। ओएनजीसी के पास मौजूद बड़े ब्लॉक के आस-पास रिलायंस के 12 ब्लॉक थे। साल 2013 में, ओएनजीसी ने देखा कि उसके गैस रिज़र्व धीरे-धीरे कम हो रहे हैं। बाद में, जब उन्होंने डीप इंस्पेक्शन किया, तो उन्हें यह बात पता चली। मामले की जांच करने वाली एपी शाह कमेटी ने तय किया है कि गैस चोरी की रकम 1.55 बिलियन या भारतीय करेंसी में लगभग 13,700 करोड़ रुपया है, और इस पर ब्याज 174.9 मिलियन या लगभग 1,458 करोड़ रुपया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने फरवरी 2025 में रिलायंस को राहत देते हुए कहा था कि यह दावा पब्लिक पॉलिसी के खिलाफ है। इस मामले में हाई कोर्ट में राहत मांगते हुए याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि यह सिर्फ एक सिविल विवाद नहीं बल्कि एक अपराध है। चोरी, बेईमानी और विश्वासघात से जुड़े कानून की धाराएं लगाई जानी चाहिए। इस याचिका पर संज्ञान लेते हुए हाई कोर्ट ने सीबीआई और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर सभी संबंधित दस्तावेज कोर्ट में जमा करने का निर्देश दिया था। इसके अनुसार, बॉम्बे हाई कोर्ट में इस याचिका पर विस्तृत सुनवाई हुई। जिसमें दोनों पक्षों की दलीलें सुनी गईं और रिलायंस के पक्ष में फैसला सुनाया गया।

क्या था अडानी मामला ?

याचिका में दावा किया गया है कि सोलर पावर कॉन्ट्रैक्ट में 2,000 करोड़ रुपये की रिश्वत के बदले, संबंधित अधिकारियों का इरादा बढ़ी हुई दरों पर बिजली खरीदने और सप्लाई करने का था। इस रिश्वत से जुड़े पेमेंट इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में रिकॉर्ड किए गए थे। इन डिवाइस को अडानी ग्रीन के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सागर अडानी ने अपने पास रखा था। पिटीशन में यह भी दावा किया गया है कि यूएस फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआईद्ध) ने भी इन डिवाइस को सबूत के तौर पर जब्त करके यूएस कोर्ट में जमा किया था। आरोपी भारतीय कंपनियों के हेड हैं। इसलिए, याचिकाकर्ता ने दावा किया कि चूंकि रिश्वत भारतीय सरकारी एजेंसियों और बिजली डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के साथ कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी थी, इसलिए सीबीआई से इस मामले में कानूनी कार्रवाई करने की उम्मीद थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनी गईं और अडानी के पक्ष में फैसला सुनाया गया।

पेड पीरियड लीव
कर्नाटक सरकार के आदेश के खिलाफ कोर्ट पहुंची 15 कामकाजी महिलाएं

बेंगलुरु,। कर्नाटक में कामकाजी महिलाओं के लिए पेड पीरियड लीव को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। राज्य की कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर 2025 को सभी सरकारी और निजी सेक्टर की महिलाओं को हर महीने एक दिन की पेड पीरियड लीव देने का आदेश दिया था। इस आदेश के तहत महिलाओं को उस दिन की सैलरी भी मिलेगी। हालांकि, कर्नाटक सरकार के आदेश के खिलाफ अब बेंगलुरु की 15 निजी कंपनियों में मैनेजर पद पर कार्यरत महिलाओं ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इन महिलाओं का तर्क है कि पुरुष और महिला के बीच अलग नियम बनाना कार्यस्थल पर समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। उनका कहना है कि इस तरह की अनिवार्य छुट्टी महिलाओं को कमजोर दिखाने वाली सोच को बढ़ावा देती है और नियोक्ता उन्हें पुरुषों से कम सक्षम समझ सकते हैं।

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह नीति भलाई के नाम पर भेदभाव को बढ़ावा देती है और महिलाओं को उनकी जैविक प्रक्रिया के आधार पर अलग दिखाकर उन्हें कम उत्पादक या ज्यादा छुट्टी लेने वाली समझा को दिखाता है। इससे नौकरी बाजार में उनकी छवि प्रभावित हो सकती है और समान अवसर के अधिकार पर असर पड़ सकता है। उन्होंने इस आदेश को संविधान के अनुच्छेद-14 के उल्लंघन के रूप में भी पेश किया है, जो सभी नागरिकों को समानता का अधिकार देता है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी पूरे देश में पेड पीरियड लीव की मांग वाली याचिकाओं पर टिप्पणी की थी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा था कि अनिवार्य पीरियड लीव लागू करने से नियोक्ता महिलाओं को नौकरी देने से बच सकते हैं, जिससे उनके करियर और रोजगार के अवसरों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। अब यह मामला जस्टिस अनंत रामनाथ हेगड़े के सामने है, जो पहले से ही इस सरकारी आदेश के खिलाफ नियोक्ता संगठनों की याचिकाओं की सुनवाई कर रहे हैं। कोर्ट के आदेश का इंतजार है, जो तय करेगा कि पेड पीरियड लीव की नीति जारी रहेगी या रद्द की जाएगी। इस विवाद में महिलाओं के अधिकार, कार्यस्थल की समानता और रोजगार सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की चुनौती सामने है।

2 महीने में 70 बार नोटबंदी के नियम बदले

नईदिल्ली । भारत मे 2016 मैं नोटबंदी की गई थी। नोटबंदी की घोषणा होने के बाद दो माह में 70 बार नियमों में बदलाव काफी तेजी से और बार-बार किए गए थे। सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक ने स्थिति के अनुसार रोजाना नियमों में बदलाव किया।

8 नवंबर 2016 से दिसंबर 2016 मे ही लगभग 70 बार नियमों में बदलाव करते हुए बार-बार स्पष्टीकरण जारी किए गए। जिसके कारण लोगों को बहुत परेशानी हुई। वही बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी बार-बार नियम बदलने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ा था।

नोटबंदी के दौरान बार-बार जिन नियमों में बदलाव हुआ। उसमे नकद निकासी एटीएम, बैंक लिमिट पुराने नोट जमा करने

शादी, अस्पताल, खेती आदि के लिए विशेष छूट देने के लिए नियमों में बदलाव किए गए थे।

एटीएम से निकासी सीमा ?2000 से बढाकर ?2500 फिर ?4500 किया गया।

बंद नोट के बदलने करने की सीमा ?4000 से ?4500 फिर ?2000 की गई।

अचानक नोटबंदी के निर्णय से कई समस्याएँ सामने आईं। नोटबंदी के दौरान लाइन में लगकर कई लोगों की मौत भी हो गई।

बैंकों और एटीएम में नगदी की कमी

ब्लैक मनी कन्वर्शन को रोकने के लिए सरकार ने नोटबंदी की थी तथा नोट बदलने के नियम कड़े किए थे।अलग-अलग सेक्टर किसान, व्यापारी, मरीज एवं कई मामलों मे राहत देने के लिए बार-बार नियमों में बदलाव किए गए। नोटबंदी के बाद नोट बदलने के लिए बहुत कम समय करीब 50 दिन दिए गए थे जिसके कारण बड़ी अराजकता फैली। सारे देश में अफरा तफरी का माहौल रहा। लोगों को इस दौरान काफी परेशानी हुई। 50 दिन में ही

60 से अधिक बार नियम बदले गए। भारत मे महज 50 दिनों में सबसे अधिक बार नियमों को संशोधित किया गया जिसके कारण लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। सरकार ने नोटबंदी के लिए जो कारण बताए थे। 9 साल से अधिक बीत जाने के बाद भी सरकार ने जिन कारणों से नोटबंदी की थी। उनमें एक भी उद्देश्य पूरा नहीं हुआ। जितने नोट रिजर्व बैंक ने जारी किए थे वह सब वापस आ गए। ब्लैक मनी खत्म होने की जो बात कही गई थी। यह उद्देश्य भी आज तक पूरा नहीं हुआ। नोटबंदी के कारण ब्लैक मनी भी बैंक में आकर वाइट मनी के रूप में कन्वर्ट हो गई इससे सरकार को टैक्स भी नहीं मिला। सारा काला धन सफेद धन में परिवर्तित हो गया। रिजर्व बैंक और सरकार नोटबंदी के आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं करती है। नए नोट छापने में सरकार के हजारों करोड रुपए खर्च हुए। सरकार ने अब ?2000 के नोट प्रचलन से बाहर किए हैं। 2000 के नोटों को अभी तक पूर्ण रूप से बंद नहीं किया गया है। जिसके कारण नोटबंदी का निर्णय आज भी चर्चाओं में बना हुआ है। सबसे बड़ी बात यह है कि 50 दिन में 60 से अधिक बार नियमों में परिवर्तन करने का रिकॉर्ड वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक का है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने रेप के आरोपी को नहीं दी जमानत, भरोसा तोड़ना भी माना अपराध

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार के आरोपी को जमानत देने से इंकार किया है। जस्टिस गिरीश कठपालिया की बेंच ने आदेश में कहा कि यह मामला केवल बलात्कार तक सीमित नहीं है, बल्कि रिश्ते में भरोसे को तोड़ना भी अपराध है। पीड़िता ने आरोपी को अपना भाई मानकर राखी बांधी थी और पीड़िता उस पर भरोसा करती थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने बताया कि एफआईआर में पीड़िता ने घटना विस्तार से बताकर कहा कि उसने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने पीड़ित को काबू कर कपड़े से मुंह बंद कर दिया। जस्टिस कठपालिया ने कहा, 卐यह सिर्फ बलात्कार का मामला नहीं है। पीड़िता ने आरोपी को अपना भाई माना और उस पर भरोसा किया। इन परिस्थितियों को देखकर जमानत देना उचित नहीं है। मामला साल 2021 का है, जब 13 साल की नाबालिग ने आरोप लगाया कि आरोपी ने बहाने से होटल ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। उसी साल रेप का केस दर्ज होने के बाद आरोपी हिरासत में था। मार्च 2026 में उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

आरोपी के वकील विवेक त्रिपाठी ने जमानत का आधार पर बताया कि आरोपी बीते साढ़े चार साल से हिरासत में है। वहीं, दिल्ली पुलिस की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक संजीव सभरवाल ने अपराध की गंभीरता को देखकर जमानत देने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि ट्रायल कोर्ट में पीड़िता की गवाही पूरी तरह से अभियोजन के पक्ष में है और अब केवल दो औपचारिक गवाहों की जांच बाकी है। दिल्ली हाईकोर्ट के इस आदेश से यह स्पष्ट हो गया कि नाबालिग के प्रति भरोसे का उल्लंघन भी गंभीर अपराध माना जाएगा। अदालत ने कहा कि जमानत देने से न्याय के अधिकार और पीड़िता के विश्वास की रक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है। याचिका खारिज कर दी गई।

कोविड-19 का एक नया वेरिएंट अमेरिका के आधे हिस्सों और कम से कम 22 अन्य देशों में फैला

नई दिल्ली। कोविड-19 का एक नया वेरिएंट, जिसमें म्यूटेशन की संख्या असामान्य रूप से ज़्यादा है, दुनिया भर के पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट्स का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। हालिया सर्विलांस रिपोर्ट के अनुसार, क्र3.2 नाम का यह वेरिएंट अब अमेरिका के आधे हिस्सों और कम से कम 22 अन्य देशों में पाया गया है।

रिसर्चर्स ने इस वेरिएंट को अनौपचारिक रूप से सिकाडा नाम दिया है। यह उस कीड़े का नाम है जो ज़मीन के नीचे लंबे समय तक रहने के बाद बाहर निकलता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह नाम इस संभावना को दर्शाता है कि निगरानी प्रणालियों में सामने आने से पहले, यह वायरस चुपचाप विकसित हो सकता था। शुरुआती विश्लेषणों से पता चलता है कि क्र3.2 में लगभग 75 म्यूटेशन हैं, जो पिछले कई वेरिएंट्स की तुलना में कहीं ज़्यादा हैं।

इस वैरिएंट से जुड़े जो लक्षण सामने आ रहे हैं, वे आम वायरल या फ्लू जैसे ही हो सकते हैं। शरीर में अचानक तेज बुखार आना और ठंड लगना इसके शुरुआती संकेत हो सकते हैं। सूखी खांसी, गले में दर्द या जलन महसूस होना आम लक्षणों में शामिल है। बिना ज्यादा काम किए भी शरीर में कमजोरी और थकावट महसूस होना। लगातार सिर भारी रहना और मांसपेशियों में दर्द होना। कुछ लोगों में पेट से जुड़ी समस्या या भूख में कमी भी देखी जा सकती है।

प्रयोगशाला अध्ययनों से संकेत मिलता है कि क्र3.2 में इम्यून एस्केप (प्रतिरक्षा से बचने की क्षमता) बढ़ गई है। इसका मतलब है कि मौजूदा कोविड -19 वैक्सीन या पिछले संक्रमण से बनी एंटीबॉडीज़ वायरस को बेअसर करने में कम प्रभावी साबित होती हैं। क्र3.2 वंश का पता सबसे पहले नवंबर 2024 में दक्षिण अफ्रीका में लिए गए एक श्वसन नमूने में चला था। कई महीनों तक, यह वेरिएंट जीनोमिक डेटाबेस में शायद ही कभी दिखाई दिया; इसके बाद, 2025 और 2026 की शुरुआत में, यह धीरे-धीरे अलग-अलग क्षेत्रों के निगरानी तंत्रों में सामने आने लगा।

एक्साइज ड्यूटी में कटौती का फैसला आम नागरिकों के लिए बड़ी राहत- गृहमंत्री शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ईंधन की वैश्विक कमी और बढ़ती कीमतों के बीच केंद्र सरकार के फैसले की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश जहां पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा रहे हैं, वहीं मोदी सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती का फैसला आम नागरिकों के लिए बड़ी राहत है। ये कदम सरकार की जन-केंद्रित सोच और संवेदनशील निर्णय क्षमता को दर्शाता है। अमित शाह ने इस फैसले के लिए पीएम को बधाई देते हुए कहा कि यह निर्णय लोगों के हित में उठाया गया अहम कदम है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती पर हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि राम नवमी के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। हम सभी को भगवान राम के आदर्शों का पालन करना चाहिए। पीएम मोदी ने आज एक ऐतिहासिक फैसला लिया है और आम आदमी को राहत प्रदान की है। पीएम मोदी इस कठिन समय में हमेशा भारत की जनता के साथ खड़े हैं।

वहीं कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने सरकार के एक्साइज ड्यूटी कम करने के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस कटौती से आम लोगों को कोई राहत नहीं मिलेगी और न ही ईंधन सस्ता होगा।

भारत की सैन्य ताकत में होगी और अधिक बढ़ोतरी

नई दिल्ली। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने शुक्रवार को विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जिसके तहत लगभग 2.38 लाख करोड़ रुपये की लागत के सैन्य हार्डवेयर खरीदे जाएंगे। भारतीय सेना के लिए एयर डिफेंस ट्रैक्ड सिस्टम, आर्मर्ड पियर्सिंग टैंक एम्यूनिशन, उच्च क्षमता के रेडियो रिले, धनुष गन सिस्टम और रनवे इंडिपेंडेंट एरियल सर्विलांस सिस्टम की खरीद की मंजूरी दी गई है। एयर डिफेंस ट्रैक्ड सिस्टम रियल-टाइम में वायु रक्षा नियंत्रण और रिपोर्टिंग क्षमता प्रदान करेगा। जबकि, उच्च क्षमता वाला रेडियो रिले भरोसेमंद और त्रुटि-रहित संचार सुनिश्चित करेगा।

धनुष गन सिस्टम से तोपखाने की क्षमता बढ़ेगी और सभी क्षेत्रों में लंबी दूरी के लक्ष्यों को अधिक प्रभावी और सटीक ढंग से निशाना बनाया जा सकेगा। रनवे इंडिपेंडेंट एरियल सर्विलांस सिस्टम सैन्य इकाइयों को निगरानी की क्षमता देगा और आर्मर्ड पियर्सिंग टैंक एम्यूनिशन टैंक रोधी हथियारों की क्षमता को बढ़ाएगा। भारतीय वायु सेना के लिए मध्यम परिवहन विमान, लंबी दूरी की सतह-से-वायु मिसाइल प्रणाली एस-400, दूर से नियंत्रित हमलावर विमान और सुखोई-30 एयरो इंजन के कलपुर्जों की मरम्मत और ओवरहाल (इंजन के सभी हिस्सों की पूरी तरह जांच करना, खराब या घिसे हुए हिस्सों को बदलना और उसे फिर से पूरी क्षमता के साथ चलाने के योग्य बनाना) के प्रस्ताव मंजूर किए गए हैं। मध्यम परिवहन विमान के शामिल होने से एएन-32 और आईएल-76 के पुराने परिवहन बेड़े को बदलने से वायु सेना की रणनीतिक, सामरिक हवाई परिवहन की सभी आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकेगा। एस-400 प्रणाली दुश्मन के लंबी दूरी के हवाई हमलों को रोकने में मदद करेगी, जबकि दूर से नियंत्रित हमलावर विमान हमले और समन्वित हवाई संचालन करने के साथ-साथ गुप्त खुफिया, निगरानी और पहचान कार्यों में सक्षम होगा।

सेना के लिए रूस से एयर डिफेंस सिस्टम

रक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी है कि रूस की सरकारी एजेंसी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के साथ 445 करोड़ रुपये का करार हुआ है। इसके तहत भारतीय सेना के लिए तुंगुस्का एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम खरीदा जाएगा। यह आधुनिक सिस्टम दुश्मन के विमानों, ड्रोन और क्रूज मिसाइलों को हवा में ही मार गिराने में सक्षम है। इस समझौते से भारत-रूस के बीच रणनीतिक रक्षा साझेदारी को भी बल मिलेगा।

नौसेना के पी-8आई विमानों का होगा रखरखाव

मंत्रालय ने दूसरा समझौता बोइंग इंडिया डिफेंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया है। यह सौदा 413 करोड़ रुपये का है। इस करार का मुख्य मकसद भारतीय नौसेना के पी8आई लंबी दूरी के समुद्री निगरानी विमानों का मेंटेनेंस यानी रखरखाव करना है। यह समझौता बाई इंडियन श्रेणी के तहत किया गया है। इसके तहत विमानों की मरम्मत का काम स्वदेशी तकनीक और सुविधाओं के जरिए भारत में ही पूरा किया जाएगा।

दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा तय करने डोजियर-आधारित लाइसेंस प्रणाली लागू

पूरे देश में एक ही तरह के दस्तावेज जमा करने होंगे, लाइसेंसिंग में आएगी पारदर्शिता

नई दिल्ली। भारत सरकार ने दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देश भर में एकसमान डोजियर-आधारित लाइसेंस प्रणाली लागू की है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के इस कदम से राज्यों की अलग-अलग व्यवस्था खत्म हो जाएगी। अब कंपनियों को एक ही बार में दवाओं की जांच रिपोर्ट, उत्पादन और गुणवत्ता से जुड़े दस्तावेज जमा करने होंगे। पूरे देश में एक ही तरह के दस्तावेज जमा करने होंगे, जिससे लाइसेंसिंग में पारदर्शिता आएगी। आवेदन को दो हिस्सों में बांटकर जांच की जाएगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटिया दवाओं के निर्माण पर रोक लगेगी और फार्मा कंपनियों की जवाबदेही बढ़ेगी। यह आदेश आयुष दवाओं, कॉस्मेटिक्स और मेडिकल डिवाइसेज पर लागू नहीं होगा। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य दवाओं के निर्माण में एकसमान मानक सुनिश्चित करना है। यह बदलाव दवा उत्पादन की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और नियंत्रित बनाने के लिए किया गया है। सीडीएससीओ ने 2026 में भारत में दवा लाइसेंसिंग प्रक्रिया को एक समान बनाने के लिए, डोजियर आधारित प्रणाली लागू की है, जो कई राज्यों की अलग-अलग प्रक्रियाओं को समाप्त करती है। अब फार्मा कंपनियों को पूरे देश में दवा उत्पादन के लिए गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभाव से जुड़ी जानकारी एक साथ जमा करनी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक अलग-अलग राज्यों के अलग-अलग नियम समाप्त हो गए हैं और अब पूरे देश में एक जैसे नियम लागू होंगे। कंपनियों को एक ही बार में, एक ही जगह विस्तृत दस्तावेज़ (डोजियर) जमा करने होंगे। डोजियर की गहराई से जांच के बाद ही स्थानीय औषधि नियंत्रक विभाग द्वारा लाइसेंस देने या न देने की सिफारिश करेगा। यह पहल दवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और फार्मा कंपनियों की जवाबदेही बढ़ाने के लिए की गई है। कंपनियों को ऑनलाइन राष्ट्रीय दवा लाइसेंस प्रणाली पोर्टल पर विस्तृत डेटा जमा करना होगा। यह नियम आयुष दवाओं, सौंदर्य प्रसाधन और चिकित्सा उपकरणों पर लागू नहीं होता है। यह नई व्यवस्था देश भर में दवाओं की गुणवत्ता में एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा की गई है, जो अब तक राज्यों के अलग-अलग नियमों के कारण भिन्न थी।

आईएएस के फार्महाउस पर जुआ पकड़ने वाले टीआई सस्पेंड; मामला पहुँचा हाईकोर्ट

इंदौर । इंदौर के मानपुर में आईएएस वंदना वैद्य के फार्महाउस पर हुई जुआकांड की कार्रवाई अब कानूनी और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बन गई है। इस मामले में सस्पेंड किए गए थाना प्रभारी (टीआई) लोकेंद्र सिंह हिहोरे ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की शरण ली है। टीआई ने अपनी याचिका में सनसनीखेज आरोप लगाया है कि उन्हें नियम सम्मत कार्रवाई करने की सजा दी गई है। हिहोरे का दावा है कि उन पर एफआईआर में घटनास्थल का नाम बदलने और वास्तविक तथ्यों को छिपाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भारी दबाव बनाया गया था, जिसे मानने से इनकार करने पर उन्हें निलंबित कर दिया गया।

हाईकोर्ट ने शासन से मांगा जवाब

गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रमुख सचिव (गृह), डीजीपी, आईजी और एसपी ग्रामीण सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को पक्षकार बनाया है। न्यायालय ने इन सभी से पूरे घटनाक्रम पर विस्तृत जवाब तलब किया है। याचिकाकर्ता के अनुसार, उनके विरुद्ध की गई निलंबन की कार्रवाई पूरी तरह से वरिष्ठों के प्रभाव में आकर की गई है, जो प्रशासनिक शक्तियों के दुरुपयोग का सीधा उदाहरण है। मामले की अगली सुनवाई अब 1 अप्रैल को निर्धारित की गई है।

अनजान थे आईएएस की संपत्ति से, दबिश के बाद शुरू हुआ दबाव

लोकेंद्र सिंह हिहोरे ने याचिका में स्पष्ट किया कि 10 और 11 मार्च की दरमियानी रात जब उन्होंने मानपुर स्थित फार्महाउस पर दबिश दी थी, तब उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि यह संपत्ति आईएएस वंदना वैद्य की है। जैसे ही यह तथ्य उजागर हुआ, उनके पास फोन कॉल्स और संदेशों के जरिए दबाव बनाने का सिलसिला शुरू हो गया। टीआई ने एएसआई रेशम गिरवाल के निलंबन पर भी सवाल उठाए हैं, जो उस समय बीमारी की छुट्टी पर थीं। एसपी यांगचेन डोलकर भूटिया द्वारा की गई इस कार्रवाई के खिलाफ अब पहली बार किसी पुलिस अधिकारी ने विभाग के भीतर के सिस्टम को चुनौती दी है।

एक अप्रैल को होगी निर्णायक सुनवाई

टीआई हिहोरे की वकील मिनी रवीन्द्रन ने बताया कि प्रकरण वर्तमान में माननीय न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मामला कोर्ट में होने के कारण सुनवाई से पहले विस्तृत टिप्पणी करना उचित नहीं होगा, लेकिन 1 अप्रैल की सुनवाई इस पूरे जुआकांड और पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली के लिए बेहद निर्णायक साबित हो सकती है।

न्यूज गैलरी

शादी तोड़ने की साजिश का मामला
अश्लील मैसेज भेजने पर आईटी एक्ट में केस दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिला थाना बालाघाट में एक युवती की शादी टूटने के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात नंबर से अश्लील संदेश भेजने के आरोप में आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बैहर क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने महिला थाना बालाघाट में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि उसकी बहन की शादी सिवनी जिले में एक युवक के साथ 28 सितंबर 2025 को तय हुई थी तथा 5 अक्टूबर को दोनों पक्षों के बीच पारंपरिक भटा-भात कार्यक्रम भी संपन्न हुआ था।शिकायत के मुताबिक शादी तय होने के बाद उसकी बहन और उसके मंगेतर के बीच मोबाइल पर बातचीत शुरू हुई। इसी दौरान मंगेतर ने उसकी बहन को बताया कि एक अज्ञात मोबाइल नंबर से अश्लील मैसेज और वीडियो भेजे गए हैं। जिससे युवती के चरित्र पर संदेह जताया गया। युवती के परिजनों ने आरोप लगाया कि यह साजिश शादी तोड़ने के उद्देश्य से रची गई है और मंगेतर व उसके साथियों की भूमिका संदिग्ध है। वहीं युवती के मंगेतर ने अपने बयान में कहा कि उसका मोबाइल खराब था। इसलिए मैसेज उसके मित्र के मोबाइल पर आए थे।जांच के दौरान मित्र ने भी पुलिस को बताया कि 14 और 18 नवंबर 2025 को उसके मोबाइल पर उक्त नंबर से आपत्तिजनक मैसेज और वीडियो आए थे।जिन्हें उसने युवक को दिखाया था।पुलिस ने संबंधित मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल रिकॉर्ड और इंटरनेट प्रोटोकॉल डिटेल की जांच कराई। जिसमें उक्त नंबर से मैसेज भेजे जाने की पुष्टि हुई। हालांकि, व्हाट्सएप से विस्तृत जानकारी एफआईआर के बिना उपलब्ध नहीं हो सकी।प्रथम दृष्टया साक्ष्य पाए जाने पर पुलिस ने अज्ञात मोबाइल नंबर के धारक के विरुद्ध आईटी एक्ट की धारा 67 और 67ए के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिले में बढ़ते सड़क हादसे, सुरक्षा दावे कागजों तक सीमित

ब्लैक स्पॉट कम होने के दावों के बीच लगातार दुर्घटनाएं, साइन बोर्ड और सुरक्षा व्यवस्था का अभाव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में बीते कुछ दिनों से सड़क दुर्घटनाओं में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। हालात यह हैं कि आए दिन हो रहे हादसों ने कई परिवारों की खुशियां छीन ली हैं। किसी का सहारा छिन गया तो कहीं घर का चिराग बुझ गया, जिससे जिलेभर में चिंता का माहौल है। हालांकि संबंधित विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर किए गए दावे, योजनाएं और प्रयास कागजों तक ही सीमित नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार ब्लैक स्पॉट की संख्या कम होने की बात कही जा रही है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट दिखाई दे रही है। लगातार हो रही दुर्घटनाओं से स्पष्ट है कि सड़क सुरक्षा के उपाय प्रभावी रूप से लागू नहीं हो पा रहे हैं। सड़कों पर कई स्थानों पर चेतावनी संकेतक (साइन बोर्ड), स्पीड कंट्रोल व्यवस्था और आवश्यक सुरक्षा संसाधनों का अभाव अब भी बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासन और संबंधित विभागों को इस दिशा में ठोस कदम उठाने की जरूरत है, ताकि हादसों पर अंकुश लगाया जा सके। यदि समय रहते प्रभावी उपाय नहीं किए गए, तो ऐसे हादसे और भी गंभीर रूप ले सकते हैं। जिलेवासियों ने सड़क सुरक्षा को लेकर ठोस कार्रवाई, ब्लैक स्पॉट की सही पहचान और सड़कों पर आवश्यक संकेतक एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाओं को रोका जा सके।

जिले में बीते कुछ दिनों से सड़क दुर्घटनाओं का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे आमजन में चिंता का माहौल बना हुआ है। शहर की आंतरिक सड़कों से लेकर तहसील मुख्यालयों और नेशनल हाईवे तक हादसों की संख्या में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। इन दुर्घटनाओं में कई लोगों ने अपने परिजनों को खोया है, वहीं कई परिवारों के घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए हैं। बावजूद इसके, जिम्मेदार विभागों द्वारा किए जा रहे प्रयास अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रहे हैं। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा समय-समय पर हेलमेट चेकिंग अभियान चलाया जाता है, लेकिन यह अभियान अधिकतर शहरों तक ही सीमित रहता है। ग्रामीण क्षेत्रों, लंबी दूरी के मार्गों और नेशनल हाईवे पर नियमों का पालन लगभग नगण्य देखा जा रहा है, जहां तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण गंभीर हादसे सामने आ रहे हैं। सड़क सुरक्षा सप्ताह, पखवाड़ा और विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन तो किया जाता है, लेकिन इनका प्रभाव जमीनी स्तर पर नजर नहीं आता। स्कूलों और कॉलेजों में यातायात नियमों को लेकर

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, लेकिन व्यवहारिक जीवन में लोग इन नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। शहर में यातायात व्यवस्था की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। कई स्थानों पर लगे संकेतक चिन्ह टूटे हुए और क्षतिग्रस्त हैं, तो कुछ स्थानों पर झाड़ियों में दबे पड़े हैं। कई प्रमुख चौराहों पर संकेतक बोर्डों का अभाव है, जिससे वाहन चालकों को दिशा-निर्देश नहीं मिल पाते और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। इसके बावजूद संबंधित विभाग द्वारा इनके रखरखाव और सुधार की दिशा में ठोस पहल नहीं की जा रही है। जानकारी के अनुसार जिले में ब्लैक स्पॉट (दुर्घटना संभावित स्थान) की संख्या कागजों में कम दर्शाई जा रही है, जबकि वास्तविक स्थिति इसके विपरीत है। नई सड़कों के निर्माण के साथ ही कई नए दुर्घटना स्थल भी उभरकर सामने आए हैं, लेकिन इनकी पहचान और सुधार को लेकर कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो रही है। बस स्टैंड, बाजार क्षेत्रों और प्रमुख चौराहों पर यातायात नियमों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। बिना हेलमेट वाहन चलाना, ओवरस्पीडिंग, गलत दिशा में वाहन चलाना और अव्यवस्थित पार्किंग जैसी समस्याएं आम हो चुकी हैं। कई बार पुलिस की मौजूदगी के बावजूद भी लोग नियमों का पालन नहीं करते, जिससे स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासनिक बैठकों में नई योजनाओं और सुझावों पर चर्चा तो होती है, लेकिन उनका क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से नहीं हो पाता। यही कारण है कि ये योजनाएं कागजों तक सीमित रह जाती हैं और दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में आवश्यकता है कि जनप्रतिनिधि, प्रशासन, पुलिस विभाग और संबंधित एजेंसियां समन्वय बनाकर ठोस एवं प्रभावी कदम उठाएं। ब्लैक स्पॉट की सही पहचान कर वहां सुधारात्मक कार्य किए जाएं, यातायात संकेतकों को दुरुस्त किया जाए और नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही आम नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझते हुए यातायात नियमों का पालन करना होगा। जब तक प्रशासनिक प्रयासों के साथ जनसहभागिता नहीं जुड़ेगी, तब तक सड़क दुर्घटनाओं पर पूरी तरह नियंत्रण पाना संभव नहीं हो सकेगा।

ग्राम भटेरा जानलेवा हमले का मुख्य आरोपी भागचन्द गिरफ्तार

चार आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके थे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम भटेरा में शादी समारोह के दौरान हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इस मामले का मुख्य फरार आरोपी आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया।जबकि उसके तीन साथी आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी। फरार अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है

क्या है पूरा मामला

दिनांक 17 मार्च 2026 को ग्राम भटेरा में एक शादी समारोह के दौरान खाना खाने के समय मामूली बात को लेकर विवाद हो गया। यह विवाद अचानक इतना बढ़ गया कि आरोपी भागचंद मोहारे और उसके साथियों ने मिलकर कीर्ति मोहारे और उनके पुत्र देवेंद्र मोहारे पर लाठी, डंडे और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इस हमले में दोनों को गंभीर चोटें आईं थी। गंभीर रूप से घायल दोनों पिता पुत्र को जिला अस्पताल से बेहतर उपचार हेतु हायर सेंटर रेफर कर दिया गया था।घटना के बाद पीड़ित पक्ष की शिकायत पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 148/2026 के धारा 109, 296, 115(2), 351(3) 3(5) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

चार आरोपी पूर्व में हो चुके हैं गिरफ्तार

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देश पर आरोपियों की

जल्द गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तत्परता दिखाते हुए पहले ही 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था।

अब 27 मार्च 2026 को मुख्य आरोपी भागचंद मोहारे 47वर्ष ग्राम भटेरा निवासी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। जो घटना के बाद से फरार चल रहा था।गिरफ्तार आरोपी भागचंद मोहारे को माननीय न्यायालय में पेश कर दिया गया है। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है।कोतवाली पुलिस मामले की आगे की जांच में जुट कर फरार अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक कामेश धुमकेती, उपनिरीक्षक सत्येंद्र भदोरिया प्रधान आरक्षक गजेंद्र माटे, प्रधान आरक्षक युगल किशोर पटले, आरक्षक कमल यदुवंशी, आरक्षक शेख शहजाद, आरक्षक प्रियांक श्रीवास की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनकी सराहना की जा रही है।

रूपझर के जंगल में पशु चिकित्सा विभाग से सेवानिवृत कर्मचारी की फांसी पर लटकी लाश बरामद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर पुलिस अनुभाग के अंतर्गत ग्राम रूपझर के जंगल में 27 मार्च को उस समय सनसनी फैल गई। एक व्यक्ति की पेड़ में फांसी पर लटकी हुई लाश देखी गई। सूचना मिलती ही रूपझर पुलिस ने मौके से इस व्यक्ति की लाश बरामद की मृतक की पहचान कैलाश पिता धूप सिंह टेकाम 62 वर्ष वार्ड नंबर 14 बैहर निवासी के नाम से की गई। जो पशु चिकित्सा विभाग बालाघाट से सेवानिवृत कर्मचारी बताये गये है और वे करीब 5 दिन से अपने घर बैहर से लापता थे। इस व्यक्ति की लाश जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैलाश टेकाम मूल रूप से रूपझर निवासी है। जो पशु चिकित्सा विभाग बालाघाट में लेखपाल के पद पर पदस्थ थे।30 साल पहले बैहर के वार्ड नंबर 14 में मकान बनाकर अपने परिवार के साथ रह रहे थे। जिसके परिवार में एक बेटा और दो बेटी है। दोनों बेटी की शादी हो

चुकी है। पूर्व में कैलाश टेकाम बालाघाट के शासकीय क्वार्टर में ही अपने परिवार के साथ में रहते थे। किंतु कोरोना काल में पत्नी की मृत्यु होने के बाद वे बैहर से ही बालाघाट आना-जाना करते थे। बताया गया अगस्त 2025 में कैलाश टेकाम पशु चिकित्सा विभाग बालाघाट से सेवानिवृत हुए थे और वे बैहर में ही रहते थे।यह भी बताया गया है कि 5 दिन पहले कैलाश टेकाम बैहर स्थित अपने घर से बिना बताए निकल गए थे। परिजनों ने अपने स्तर पर रिश्तेदारी गांव उनके परिचित के घर खोजबीन किया किंतु कैलाश टेकाम नहीं मिले। 27 मार्च को दोपहर में रूपझर के जंगल में एक व्यक्ति की पे? में फांसी पर लटकी लाश देखी गई। लाश काफी खराब हो चुकी थी। सूचना मिलते ही रूपझर पुलिस मौके पर पहुंची। फांसी पर लटकी हुई लाश को नीचे उतरवाए। मौके पर ग्रामीण भी पहुंच चुके थे। जहां पर इस व्यक्ति की पहचान कैलाश पिता धूप सिंह टेकाम 62 वर्ष के नाम से की गई। रूपझर पुलिस ने मौके की कार्रवाई करने के बाद इस व्यक्ति की लाश को पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल बालाघाट भिजवा दी । किन्तु शाम हो जाने के कारण लाश का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया है। जिसकी लाश जिला अस्पताल के फ्रीजर में रखवा दी गई है। जिसका पोस्टमार्टम 28 मार्च को किया जाएगा। इस व्यक्ति ने किस वजह से फांसी लगाई ।अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। रूपझर पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

कीटनाशक सेवन से एक व्यक्ति की मौत

शराब की लत बनी मौत की वजह-परिवार हुआ बेसहारा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र के ग्राम फोगलटोला निवासी धनेंद्र बिसेन पिता होरीलाल बिसेन 45 वर्ष ने कथित तौर पर नशे की हालत में कीटनाशक का सेवन कर लिया।जिससे उनकी जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। नशे की हालत में उठाए गए इस कदम ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।धनेंद्र बिसेन अपने पीछे पत्नी और दो बेटियों को बेसहारा छोड़ गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार धनेंद्र बिसेन तीन भाइयों में मंझले थे और वे परिवार के साथ खेती-किसानी का कार्य करते थे। घटना 26 मार्च की सुबह की बताई जा रही है। उस समय धनेंद्र बिसेन अपने घर पर ही थे। जबकि उनके दोनों भाई विष्णु प्रसाद बिसेन और दिलीप बिसेन परिवार के साथ खेत में काम करने गए हुए थे।शाम करीब 4 बजे जब परिवार के लोग घर लौटे तो उन्होंने धनेंद्र बिसेन को टीन शेड के नीचे अचेत अवस्था में पड़ा पाया। वह कुछ बोल

पाने की स्थिति में नहीं थे। घबराए परिजनो ने उसे तुरंत खैरलांजी अस्पताल लेकर पहुंचे। इलाज के दौरान उन्होंने उल्टी की थी जिसमें कीटनाशक की दुर्गंध महसूस हुई। डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच में जहर सेवन की आशंका जताई।हालत गंभीर होने पर धनेंद्र बिसेन को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। जहां इलाज के दौरान रात करीब 11 बजे उनकी मृत्यु हो गई।27 मार्च की सुबह जिला अस्पताल पुलिस ने धनेंद्र बिसेन का शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। मामले में मर्ग कायम कर जांच खैरलांजी थाने को भेज दी गई है। परिजनों के अनुसार धनेंद्र बिसेन को शराब पीने की लत थी और घटना के दिन भी वह नशे में थे। आशंका जताई जा रही है कि इसी हालत में उन्होंने कीटनाशक का सेवन कर लिया।जो उनकी मौत का कारण बना।यह घटना एक बार फिर यह दर्शाती है कि नशे की लत न केवल व्यक्ति, बल्कि पूरे परिवार के जीवन को प्रभावित कर सकती है।

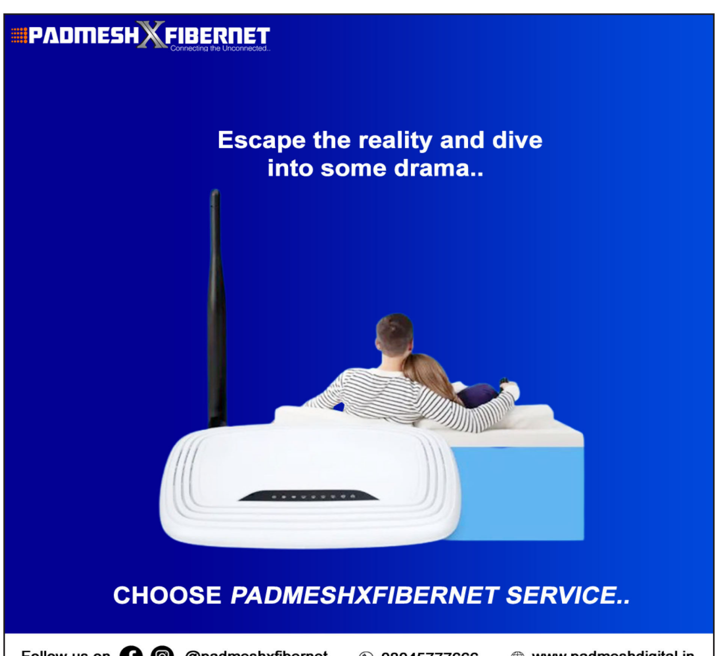

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट